हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 04, अंकः-23, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, बुधवार 01 जुलाई 2026

गुरुद्वारा नाका हिंडोला में श्रद्धा से मनाया गया साहिब...02

अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों पर आधारित प्रशिक्षण...06

नोएल टाटा नवंबर में वोल्टास के चेयरमैन पद से हटेंगे

पेट्रोकेमिकल्स के इम्पोर्ट पर जीरो कस्टम-ड्यूटी 15 जुलाई तक बढ़ी

चांदी 5,445 बढ़कर 2.25 लाख पर पहुंची

दिल्ली में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया लोकतंत्र को मजबूत करेगी: रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मंगलवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत होने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपना गणना प्रपत्र भरा और लोगों से लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए इस प्रक्रिया में भाग लेने का आग्रह किया। अधिकारियों ने बताया कि एक महीने तक चलने वाले एसआईआर अभियान के दौरान 13,000 से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी राजधानी के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को गणना प्रपत्र बांटेंगे। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने अपने और अपने परिवार के सदस्यों का विवरण भरकर गणना फॉर्म जमा कर दिया है। गुप्ता ने मतदाताओं से इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की भी अपील करते हुए कहा कि इससे लोकतंत्र और मजबूत होगा।

भारत में ब्रिक्स महिला कार्य समूह की तीसरी प्रारंभिक बैठक

नयी दिल्ली, एजेंसी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने भारत की अध्यक्षता के तहत मंगलवार को डिजिटल माध्यम से ब्रिक्स महिला कार्य समूह की तीसरी प्रारंभिक बैठक आयोजित की। मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, बैठक की अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास सचिव अनिल मलिक ने की। उन्होंने छह से नौ जुलाई तक कोच्चि में आयोजित होने वाली बैठकों से पहले इस बैठक के महत्व पर प्रकाश डाला। इन बैठकों में ब्रिक्स महिला कार्य समूह की बैठक और ब्रिक्स महिला मंत्रिस्तरीय बैठक शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि नवाचार, सहयोग और सतत विकास के निर्माण विषय के तहत आयोजित इस बैठक में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों और प्रमुख परिणामों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई। बयान में कहा गया है कि ब्रिक्स सदस्य देशों ने अपने सुझाव साझा किए और सहयोगात्मक तथा सर्वसम्मति आधारित परिणामों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

तृणमूल गुट की याचिका पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के बैंक खाते से लेन-देन पर रोक लगाए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। तृणमूल कांग्रेस के बागी विधायकों द्वारा पार्टी के खातों में जमा धन के स्रोत की जांच की मांग को लेकर की गई शिकायतों के बाद अधिकारियों ने तृणमूल के तीन बैंक खातों पर डेबिट फ्रीज लगा दी है।

रामपुर में करोड़ों की सौगात देकर अखिलेश पर जमकर बरसे योगी

नौकरियां निकलते ही वसूली में जुट जाते थे चाचा-भतीजे

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला करते हुए मंगलवार को कहा कि राम भक्तों पर गोली और लाठी चलाने वाले तथा भगवान राम के अस्तित्व को नकारने वाले ही आज आस्था की वकालत करते नजर आ रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने रामपुर में 690 करोड़ रुपए की लागत वाली 102 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज अयोध्या त्रेता युग की याद दिला रही है। उन्होंने सपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आज राम की भक्ति की वकालत कौन कर रहा है? भगवान राम की भक्ति की दुहाई कौन दे रहा है? 2017 से पहले जय श्रीराम बोलने पर लाठियां बरसाई जाती थीं। जब उत्तर प्रदेश में राम भक्त कहते थे कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे, तब उन्हीं राम भक्तों पर गोलियां चलाई जाती थीं। आज वही लोग आस्था की वकालत करते दिखाई दे रहे हैं। योगी ने इसका श्रेय जनता को देते हुए कहा कि यह आपकी ताकत है कि उन्हें आपके पीछे-पीछे आने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह आपके वोट की ताकत है। अब उन्हें अपने पाप और अपने कर्मों पर पश्चाताप होता होगा। अब उन्हें एहसास हो रहा होगा कि समाजवादी पार्टी गलत थी। उन्होंने कहा कि जो कांग्रेस 2017 से पहले भगवान राम और भगवान श्रीकृष्ण के अस्तित्व को नकार चुकी थी, आज वही कह रही है कि राम तो सबके हैं। अब सभी अयोध्या जाने के लिए व्याकुल हैं, लेकिन प्रभु राम जगत के नियंता हैं। वे भी जानते हैं कि सही कौन है और गलत कौन। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि 2017 से पहले का रामपुर और उसके बाद का रामपुर आपके सामने है। एक समय यहां गरीबों की जमीनों पर कब्जे होते थे। वाल्मीकि समाज को उनकी जमीनों से वंचित कर दिया जाता था। उन्होंने कहा कि जब सत्ता निरंकुश हो जाती है, तो वह अन्याय का पर्याय बन जाती है। समाजवादी पार्टी की सरकार में यहां दलितों और गरीबों की आवाज को उसी अन्यायी सत्ता ने दबाने का काम किया था। योगी ने भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि रामपुर से निकला संदेश पूरे प्रदेश में गया। सपा की निरंकुश सत्ता को बदलने का परिणाम है कि आज रामपुर की नई पहचान बनी है और वह विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जो विकास योजनाएं पहले असंभव लगती थीं, वे आज डबल इंजन सरकार के कारण संभव हुई हैं। उत्तर प्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास जताया और यही विश्वास विकास की सबसे बड़ी आधारशिला बना। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर निकल चुका है। आज प्रदेश भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में उसका नाम शामिल है। योगी आदित्यनाथ ने बिना किसी का नाम लिए समाजवादी पार्टी के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले जब भी सरकारी नौकरियों का कोई विज्ञापन निकलता था, तो चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली में लग जाती थी। न्यायालय को हस्तक्षेप कर उस प्रक्रिया पर रोक लगानी पड़ती थी। उस समय विकास केवल दो परिवारों का होता था- एक सैफई परिवार का और दूसरा रामपुर के एक परिवार का, जिन्होंने जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ किया। उन्होंने कहा कि जिस उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान हमारी सांस्कृतिक विरासत का अपमान होता था, जहां कहा जाता था कि कांवड़ यात्रा नहीं निकलने देंगे और हर उत्सव से पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे, वहीं आज कांवड़ यात्रा पूरे उत्साह और भव्यता के साथ निकलती है। दुर्गा पूजा और दीपावली के आयोजन भी पूरे गौरव के साथ होते हैं और कहीं कोई रोक-टोक नहीं है। समाजवादी पार्टी ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के आयोजन पर भी रोक लगाई थी, जिसे हमारी सरकार ने समाप्त किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह, कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, विधायक राजबाला सिंह, आकाश सक्सेना, शफीक अहमद अंसारी, विधान परिषद सदस्य जयपाल सिंह, हरि सिंह ढिल्लों सहित कई जनप्रतिनिधि और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

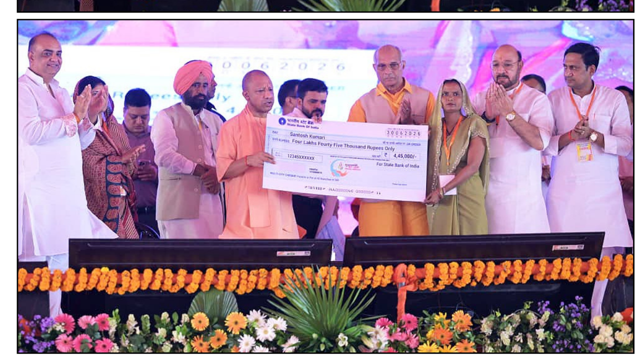

जनरल उपेंद्र द्विवेदी सेना प्रमुख के पद से हुए रिटायर्ड, धीरज सेठ बने नए आर्मी चीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। जनरल उपेंद्र द्विवेदी सेना में चार दशकों से भी लंबी शानदार सेवा के बाद मंगलवार को सेना प्रमुख के पद से सेवानिवृत हो गए और उनकी जगह जनरल धीरज सेठ को नया सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। जनरल द्विवेदी के कार्यकाल को संचालन तैयारी के उंचे स्तर को बनाये रखने, सेना की अलग-अलग शाखाओं के बीच तालमेल को मज़बूत करने, बदलाव की प्रक्रिया को तेज़ करने और प्रौद्योगिकी को अपनाने, सेना को नये सिरे से व्यवस्थित करने और सैनिकों पर केंद्रित पहलों को बढ़ावा देने के लिए याद किया जाएगा। सेना प्रमुख के तौर पर जनरल द्विवेदी ने सभी क्षेत्रों में संचालन तैयारी को बहुत ज़्यादा प्राथमिकता दी। उनके नेतृत्व में, सेना ने 'ऑपरेशन स्नो लेपर्ड' के तहत उत्तरी सीमाओं पर मज़बूत और सतर्क रुख बनाए रखा और पश्चिमी मोर्चे पर दृढ़ता, संयम और पेशेवर तरीके से अपनी जम्मिेदारी निभायी। 'ऑपरेशन सिंदूर' उनके कार्यकाल का ऐतिहासिक अभियान था, जो बदलते सुरक्षा माहौल में सेना की तैयारी, सटीकता और सोच-समझकर की गयी कार्रवाई को दिखाता है। जनरल ऑफ़िसर ने सेना के 'बदलाव के दशक' को मज़बूत दिशा दी। उनके मार्गदर्शन में, सेना को नए सिरे से व्यवस्थित करने, आधुनिकीकरण, प्रौद्योगिकी को अपनाने, तालमेल, मानव संसाधन प्रबंधन में सुधार के काम किए गये। इसके अलावा आधुनिक, फुर्तीली और भविष्य के लिए तैयार सेना बनाने की बड़ी कोशिश के तहत रुद्र ब्रिगेड, भैरव बटालियन, अश्विनी ड्रोन प्लाटून, शक्तिमान रेजिमेंट, दिव्यास्त्र बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफ़ेयर ब्रिगेड और इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप जैसी पहलें आगे बढ़ाई गई। तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल पर ज़ोर देते हुए उन्होंने भविष्य के 'जॉइंट, इंटीग्रेटेड और थिएटर-ओरिएंटेड ऑपरेशन' की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच ज़्यादा एकीकरण, एक जैसी ऑपरेशनल सोच और बेहतर तालमेल को लगातार बढ़ावा दिया।

मुसीबत में मसीहा भारत- वेनेजुएला में मलबे के बीच लौट रही सांसें

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

कराकास। भूकंप की विभीषिका झेल रहे वेनेजुएला के लोगों के लिए भारतीय सेना के डॉक्टर इस समय किसी मसीहा की तरह बनकर उभरे हैं। मलबे के ढेर और ढह चुकी इमारतों के बीच, भारतीय सेना की जांबाज मेडिकल टास्क फोर्स ने राजधानी काराकास में चौबीसों घंटे सक्रिय रहने वाला अत्याधुनिक फील्ड अस्पताल स्थापित कर लिया है। जहां स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा चुकी हैं, वहीं भारतीय सैन्य डॉक्टर मलबे से निकाले जा रहे मरणसन्न और गंभीर रूप से घायल पीड़ितों की आपातकालीन ट्रॉमा सर्जरी, जटिल ऑपरेशन और जीवनरक्षक इलाज कर रहे हैं। तबाही और अपनों को खोने के गम के बीच, यह सैन्य अस्पताल भूकंप पीड़ितों के लिए जिंदगी की नई उम्मीद और संजीवनी साबित हो रहा है। अपनों को मौत के मुंह से वापस आते देख मरीजों के परिजन भारतीय सेना की मेडिकल टीम की सेवा भावना और त्वरित इलाज की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल और वेनेजुएला में स्थित भारतीय दूतावास ने अपने 'एक्स' हैंडल से ऐसी वीडियो और तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें भारतीय डॉक्टरों की इस निस्वार्थ सेवा के लिए स्थानीय लोग भावुक होकर भारत सरकार का आभार जता रहे हैं। विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर जारी कुछ वीडियो में स्थानीय लोग भारतीय सेना को गले लगाते और %ग्रेशियास इंडिया% (शुक्रिया भारत) कहते नजर आ रहे हैं। वेनेजुएला के उप-स्वास्थ्य मंत्री ने भी इस सैन्य अस्पताल का दौरा कर भारतीय डॉक्टरों के अनुशासन और दक्षता की सराहना की है। वेनेजुएला स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा ऑपरेशन अमिस्ताद% के तहत भारतीय फील्ड हॉस्पिटल पूरी तरह से काम कर रहा है। मुश्किल समय में वेनेजुएला के लोगों की मदद के लिए भारत आगे आया है। इस अत्यंत चुनौतीपूर्ण अभियान को अंजाम देने के लिए भारत से %60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल% की 41 सदस्यीय विशेषज्ञ मेडिकल टीम यहां तैनात की गई है। यह अस्थाई सैन्य अस्पताल अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस है, जिसमें %आरोग्य मैत्री% परियोजना के तहत तैयार दो स्वदेशी पोर्टेबल मोबाइल अस्पताल %भीष्म क्यूब% भी शामिल हैं। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में हाल ही में आए विनाशकारी भूकंप (7.2 और 7.5 तीव्रता) के बाद चारों तरफ मलबे और तबाही का मंजर है। भीषण प्राकृतिक आपदा में अब तक 1,400 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और हजारों गंभीर रूप से घायल हैं। संकट की इस अत्यंत कठिन घड़ी में भारत सरकार ने हमेशा की तरह 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' की भूमिका निभाते हुए मानवता और वैश्विक मित्रता की मिसाल पेश की है।

ट्रंप ने कहा, दोहा में होगी शांति वार्ता, ईरान ने दावे को नकारा

दोहा/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा में वार्ता होगी, जबकि ईरान ने स्पष्ट किया है कि आने वाले दिनों में वाशिंगटन के साथ किसी भी स्तर की वार्ता निर्धारित नहीं है। श्री ट्रंप ने कहा कि उनके विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और पूर्व वरिष्ठ सलाहकार जैरेड कुशनर दोहा जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उच्चस्तरीय बैठकों के साथ-साथ तकनीकी स्तर की वार्ता भी जारी रहेगी। श्री ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर दावा किया कि ईरान ने बैठक का अनुरोध किया था और यह बैठक दोहा में होगी, हालांकि उन्होंने इसके बारे में कोई अन्य विवरण नहीं दिया। अमेरिका के दो अधिकारियों ने भी पुष्टि की कि विटकॉफ और कुशनर दोहा जा रहे हैं। उनके अनुसार वाशिंगटन युद्धविराम को व्यापक समझौते में बदलने के उद्देश्य से वार्ता को आगे बढ़ाना चाहता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने फॉक्स न्यूज से कहा, विशेष दूत विटकॉफ और जारेड कुशनर इस सप्ताह उच्चस्तरीय बैठकों के लिए दोहा जाएंगे। इन बैठकों के समानांतर तकनीकी स्तर की वार्ता भी होगी। उन्होंने कहा, हमारी ओर से युद्धविराम का पूरी तरह पालन किया जा रहा है। यदि हिंसा हुई तो उसका जवाब भी उसी प्रकार दिया जाएगा।

अमित शाह ने एफसीआरए 2.0 पोर्टल तथा ई-ओसीआई कार्ड का शुभारंभ किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को यहां विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम , एफसीआरए 2.0 पोर्टल तथा ई-ओसीआई कार्ड का शुभारंभ किया और कहा कि इससे नागरिकों को सुविधाएं बढेंगी। श्री शाह ने कहा कि इन दोनों पहलों से नागरिकों की सुविधाएं बढेंगी और विशेष रूप से एफसीआरए पोर्टल से दान प्राप्त करने वालों की दिक्कतें दूर होंगी। उन्होंने कहा, जब नीयत साफ हो, नीति स्पष्ट हो और तकनीक को स्वीकारने की मानसिकता तो सभी प्रकार का शासन ईमानदार लोगों के लिए बहुत सरल हो जाता है, गलत करने वालों पर पैनी निगरानी की व्यवस्था होती है और देश को अधिक से अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुरानी सरकारों में एफसीआरए की व्यवस्था फाइलों और प्रक्रियाओं में उलझी हुई और निगरानी से परे थी लेकिन अब इसे मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में आवेदनों की संख्या और दान के प्रवाह में काफी वृद्धि हुई है, जिसे देखते हुए कागजी कार्यवाही में कमी लाना और विदेशी अंशदान पर प्रभावी निगरानी देश की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी हो गया है। एफसीआरए कानून के कारण गलत उद्देश्यों से आने वाले विदेशी अंशदान पर निगरानी बढ़ेगी। नयी प्रणाली के माध्यम से भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी और ई-साइन आधारित प्रमाणीकरण, ओसीआर और एनजीओ दर्पण बैंक विवरण प्रणाली जैसी सुविधाएँ सुनिश्चित होंगी। उन्होंने कहा कि यह सारा डेटा सरकारी क्लाउड मेघराज पर होने से डेटा चोरी की संभावनाएँ बहुत कम हो जाती हैं। इसके साथ ही अगले कुछ महीनों में एफसीआरए मोबाइल एप्लीकेशन, एआई संचालित चैटबॉट और बैंकों के लिए एक समर्पित ऑनलाइन डैशबोर्ड भी शुरू किया जाएगा।

एआई तकनीक से होगी संदिग्धों की पहचान

भूस्खलन से आतंक के खतरे तक, सीसीटीवी की पैनी नजर में अमरनाथ यात्रा

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि अमरनाथ यात्रा के लिए कई स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है और इसकी प्रभावशीलता को परखने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों को सम्मिलित करते हुए एक मॉक ड्रिल की गई। कश्मीर में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की 57 दिनों तक जारी रहने वाली सालाना यात्रा तीन जुलाई से दो रास्तों से शुरू होने वाली है। यह अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में छोटे, लेकिन खड़ी चढ़ाई वाले 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से होगी। तीर्थयात्रियों का पहला जत्था दो जुलाई को जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से रवाना होगा। कश्मीर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक वी.के. बिरदी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सुरक्षा के कई स्तरीय उपाय लागू किए हैं। सभी सुरक्षाकर्मियों को उनकी भूमिकाओं के बारे में स्पष्टता रहे, इसके लिए हम पूरी तैयारी के साथ अभ्यास और श्मॉक ड्रिलश् कर रहे हैं। अगर कोई आपात स्थिति आती है, तो हर सुरक्षा बल उसे ठीक से संभाल सकता है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इस बार भी जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पूरे मार्ग पर सीसीटीवी निगरानी कैमरों का एक नेटवर्क लगाया है। इसमें पहचान करने वाली विशेषताएं हैं जिनसे प्रणाली में प्रवेश करने वाले किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की पहचान हो जाएगी।

कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर 11वें दिन प्रदर्शन

भूख हड़ताल कर रहे वांगचुक की तबीयत बिगड़ी, पुलिस पर समर्थकों को रोकने के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर लीक के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का 11वें दिन भी जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी है। इसी बीच वहां तीन दिनों से भूख हड़ताल कर रहे लद्दाख के एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की मंगलवार को तबीयत बिगड़ गई। वांगचुक का ब्लड शुगर स्तर घटकर 66 पर पहुंच गया है, जो सामान्य से कम माना जाता है। वांगचुक 28 जून से भूख हड़ताल कर रहे हैं। वह शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वहीं सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। समर्थकों और पार्टी के सदस्यों को प्रदर्शन स्थल तक पहुंचने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को पहचान पत्र नहीं होने के कारण प्रवेश नहीं दिया गया। पेपर लीक सिर्फ नीट तक सीमित नहीं है, बल्कि कई परीक्षाएं अनियमितताओं का शिकार हो रही हैं। राजस्थान पैरामेडिकल काउंसिल परीक्षा का पेपर भी जयपुर के कॉलेज से लीक हुआ। अगर आज आप आवाज नहीं उठाएंगे तो कल आपका पेपर भी लीक हो सकता है और आपकी नौकरी भी खतरे में पड़ सकती है। सरकार और प्रशासन पेपर माफिया पर कार्रवाई करने के बजाय प्रदर्शनकारियों को रोकने पर ध्यान दे रहे हैं।

पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाना एक एक्सपेरिमेंट: केंद्र

असर अगले साल पता चलेगा, सुप्रीम कोर्ट का मौजूदा सप्लाई पॉलिसी जारी रखने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) को विन्प डिस्टिलरीज एंड शुगर प्राइवेट लिमिटेड से एथेनॉल खरीद बढ़ाने पर विचार करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश बीपीसीएल की याचिका पर दिया। कोर्ट ने कहा कि सरकार की मौजूदा पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं होगा। बीपीसीएल ने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण की राष्ट्रीय नीति को प्रभावित कर सकता है। इस दौरान केंद्र सरकार ने बताया कि पेट्रोल में 20त्न एथेनॉल मिलाने का प्रोग्राम अभी भी एक्सपेरिमेंट है। इसका पूरा असर अगले साल तक पता चलेगा। एथेनॉल सप्लाई का यह विवाद कर्नाटक की विन्प डिस्टिलरीज एंड शुगर प्राइवेट लिमिटेड की याचिका से जुड़ा है। विन्प ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका लगाते हुए दलील दी थी कि उसका एथेनॉल बनाने का प्लांट है। इसकी सलाना उत्पादन क्षमता करीब 9.90 करोड़ लीटर है, लेकिन उसे केवल 3.92 करोड़ लीटर का आवंटन किया गया है। सरकार ने कहा था कि किसी कंपनी को पहले ज्यादा आवंटन मिला तो इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि कंपनी को हर बार उतनी ही मात्रा में आवंटन मिलेगा। हाईकोर्ट ने बीपीसीएल को खरीद कोटा बढ़ाने पर विचार करने को कहा। इस आदेश के खिलाफ बीपीसीएल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बीपीसीएल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) को आदेश दिया था

गुरुद्वारा नाका हिंडोला में श्रद्धा से मनाया गया साहिब श्री गुरु हरिगोबिन्द साहिब जी का प्रकाश पर्व

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मंगलवार को मीरी पीरी के मालिक, बन्दी छोड़ दाता, सिक्खों के छठे गुरु साहिब श्री गुरु हरिगोबिंद जी का प्रकाश पर्व श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा नाका हिंडोला लखनऊ में मुख्य ग्रंथि ज्ञानी विनोद सिंह जी द्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के चरणों में समूह मानवता के भले की अरदास करते हुए मनाया गया। हजूरी रागी भाई गुरमुख सिंह ने अपनी मधुर वाणी में शबद कीर्तन गायन कर संगतो को निहाल किया 7 ज्ञानी विनोद सिंह जी ने मीरी पीरी के मालिक, बंदी छोड़ दाता, साहिब श्री गुरु हरिगोबिन्द साहिब जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आपका जन्म श्री गुरु अर्जन देव जी व माता गंगा जी के घर श्री अमृतसर पंजाब में हुआ। श्री गुरु अर्जन देव जी की शहीदी के बाद आप गद्दी पर बैठे व दो तलवारें धारण की – एक मीरी की, और एक पीरी की। उन्होने ये दो तलवारे धारण कर आध्यात्मिक व सांसारिक शक्ति के समन्वय का सन्देश दिया। जहां श्री गुरु अर्जन देव जी ने श्री अमृतसर में हरिमंदिर साहिब की सर्जना की जो भक्ति का प्रतीक है। वहीं श्री गुरु हरगोबिन्द साहिब जी ने ठीक हरिमंदिर साहिब के सामने अकाल तख्त की सर्जना की जो शक्ति का प्रतीक है। गुरु जी ने दुनिया के भले के लिए पानी की कमी को देखकर जगह-जगह कुएं खुदवाये और ऊंच- नीच के भेदभाव को खत्म किया,गुरु जी की दिन प्रतिदिन बढ़ती ताकत को देखकर जुल्म का शिकार हुए ईर्ष्यालु सहन ने कर सके, व गुरु जी को ग्वालियर के किले में बंद कर दिया। जहां ज़हांगीर के सताये हुए 52 हिंदू राजा भी कैद थे, जिनका राजपाट जहांगीर ने अपने कब्जे में कर लिया था, पर कुछ समय बाद जहांगीर ने गुरु जी को मुक्त करने का आदेश दिया, गुरु जी ने कहा हम अकेले किले से बाहर नहीं जाएंगे अगर हमें रिहा करना है तो इन 52 हिंदू राजाओं को भी रिहा करना पड़ेगा जहांगीर को गुरु जी की शर्त माननी पड़ी। इस तरह गुरुजी उन 52 हिंदू राजाओं को लेकर किले से बाहर निकले और उनका राजपाट वापस दिलवाया तभी से गुरु जी को बंदी छोड़ दाता भी कहा जाता है। कार्यक्रम का संचालन सुखमनी सेवा सोसाइटी के संस्थापक व संरक्षक स. कृपाल सिंह ऐबट व सरबजीत सिंह ने किया गुरुद्वारा साहिब के अध्यक्ष सरदार अमरजोत सिंह एवं कार्यालय सचिव दलजीत सिंह ने दुर -दुर आई संगतो का आभार प्रकट करते हुए सभी देशवासियों को साहिब श्री गुरु हरगोबिंद सिंह जी के प्रकाशोत्सव की बधाई दी 7 महामंत्री सरदार मनमीत सिंह की देखरेख में मिस्से प्रसादे एवं लस्सी की उचित व्यवस्था की गई 7 सरदार हरमिंदर सिंह टीटू एवं, स. गुरदीप सिंह भाटिया ने सभी संगतों को नाम सिमरन कराते हुए प्रातः 6:30 बजे से समागम की समाप्ति तक लगातार मिस्से प्रसादे और लस्सी का लंगर वितरित किया , लंगर वितरित कराने में स. कुलदीप सिंह सलूजा, स. इंद्रजीत सिंह, सेवादार रनजीत सिंह, गुरविंदर सिंह, शैलेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, एवं सुरजीत सिंह का विशेष योगदान रहा।

वरिष्ठ पत्रकार महेश रावत का निधन, पत्रकारिता जगत में शोक की लहर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। जनपद के वरिष्ठ पत्रकार महेश रावत का आज मंगलवार की शाम लगभग 4 बजे निधन हो गया। वे लगभग 56 वर्ष के थे। उनके निधन से जिले की पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार महेश रावत पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। शाम 4 बजे उन्होंने अपने आवास नई बस्ती, रमई पट्टी पर अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र व एक पुत्री को शोकाकुल छोड़ गए हैं। जिला सूचना ने बताया कि श्री रावत विगत 22वर्षों से अधिक समय तक पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय योगदान दिया। श्री रावत दैनिक लोक भारती दैनिक समाचार पत्र से मान्यता प्राप्त पत्रकार भी रहें हैं। उन्होंने जनपद सहित विंध्य क्षेत्र की समस्याओं, विकास के मुद्दों व जमीनी हकीकत को बेबाकी से उठाया। वे कई प्रमुख समाचार पत्रों से जुड़े रहे। सरल स्वभाव व निर्भीक लेखनी के कारण वे सभी के चहेते थे।उनके निधन पर सूचना विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि महेश रावत का जाना पत्रकारिता जगत की अपूरणीय क्षति है।

सहायक निबंधक अनुप मिश्रा को उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए विशेष सम्मान।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। स्पेशल केस इन्फॉर्मेशन संस्था द्वारा मंगलवार को सहायक निबंधक, फर्म्स, सोसायटी एवं चिट्स, वाराणसी के पद पर कार्यरत अनुप मिश्रा को उनकी अनुशासित कार्यप्रणाली, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदार छवि तथा उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए विशेष सम्मान पत्र, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्ष्मीशंकर राजभर ने बताया कि समाज में सकारात्मक दिशा देने, उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति को प्रोत्साहित करने, कार्यालयों में अनुशासन बनाए रखने तथा ईमानदारी एवं उत्कृष्ट छवि वाले व्यक्तियों का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस अवसर पर संस्था के विधिक सलाहकार अधिवक्ता आयुष श्रीवास्तव, उत्तर प्रदेश प्रभारी महावीर श्रीवास्तव सहित जनपद के गणमान्य नागरिक, मीडिया जगत के पत्रकार एवं छायाकार उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर विशाल भंडारा संपन्न, 20 हजार श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया महाप्रसाद

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। श्रीमद्भागवत कथा एवं वैदिक यज्ञ के समापन अवसर पर मंगलवार को आयोजित विशाल भंडारा श्रद्धा, सेवा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। भंडारे से पूर्व वैदिक परंपरा के अनुसार 51 कन्याओं का विधि-विधान से कन्या पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने कन्याओं का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत आयोजित विशाल भंडारे में लगभग 20 हजार श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। सुबह से ही श्रद्धालुओं का कथा स्थल पर पहुंचना शुरू हो गया था और देर शाम तक प्रसाद वितरण का क्रम चलता रहा। आयोजन स्थल पर भक्तिमय माहौल के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान का स्मरण करते हुए महाप्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति के सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ व्यवस्थाओं का संचालन किया। श्रद्धालुओं के बैठने, प्रसाद वितरण, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे भंडारा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों, दानदाताओं एवं स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और भगवान की कृपा से श्रीमद्भागवत कथा एवं वैदिक यज्ञ का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में कथित चोरी-गबन मामले को लेकर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। धर्म सेना भारत के प्रमुख संतोष दुबे के नेतृत्व में राम जन्मभूमि मंदिर में कथित चोरी एवं गबन के आरोपों को लेकर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी अयोध्या के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में हुए कथित चोरी, गबन एवं अन्य अनियमितताओं की निष्पक्ष और कठोर जांच कराई जाए तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। संगठन ने मांग की कि मामले में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों पर गैंगस्टर एक्ट एवं राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) जैसी कड़ी धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि यदि मंदिर से संबंधित किसी प्रकार की अवैध रूप से अर्जित संपत्ति का पता चलता है तो उसे जब्त कर मंदिर ट्रस्ट को वापस सौंपा जाए। साथ ही वर्तमान ट्रस्ट को भंग कर देश के प्रमुख शंकराचार्यों एवं शहीद कारसेवकों के परिजनों को शामिल करते हुए नया ट्रस्ट गठित करने की भी मांग उठाई गई। संतोष दुबे ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे में यदि किसी प्रकार की अनियमितता हुई है तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। ज्ञापन सौंपने के बाद संगठन ने प्रशासन से मामले में शीघ्र एवं निष्पक्ष कार्रवाई करने की मांग की है।

कक्षा-कक्ष के अनुभवों के आधार पर तय होगी यूपी की नई शिक्षा रणनीति

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब शिक्षा सुधारों की दिशा कक्षा-कक्ष में बच्चों के वास्तविक सीखने के स्तर और शिक्षकों के अनुभवों के आधार पर तय की जाएगी। बेसिक शिक्षा विभाग और लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'पॉलिसी टू प्रैक्टिस डायलॉग' कार्यक्रम में टीएलपीएस उत्तर प्रदेश राज्य रिपोर्ट-2025 का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने की। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा अधिकारियों, शिक्षकों, एसआरजी, एआरपी, बीईओ और डायट विशेषज्ञों ने साक्ष्य आधारित शिक्षा सुधारों और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा की। टीएलपीएस रिपोर्ट-2025 में कक्षा 1 और 2 में भाषा व गणित शिक्षण, कक्षा वातावरण, पाठ योजना, शिक्षक प्रशिक्षण और निपुण भारत मिशन के प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि शिक्षा सुधार केवल नीतियां बनाने से नहीं, बल्कि कक्षा-कक्ष में प्रभावी शिक्षण पद्धतियों को लागू करने से संभव होगा। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों की सहभागिता बढ़ाने, नवाचार अपनाने और प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने 1 जुलाई से शुरू होने वाले स्कूल चलो अभियान को सफल बनाने, बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और लगातार अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क करने के निर्देश दिए। साथ ही कक्षा 5 से 6, 8 से 9 और 10 से 11 में शत-प्रतिशत नामांकन पर जोर दिया। अपर मुख्य सचिव ने कैच-अप लर्निंग, निपुण लक्ष्यों की नियमित समीक्षा और बच्चों में स्वतंत्र पठन व लेखन क्षमता विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लेखन कौशल में सुधार के लिए बच्चों को अपने विचार व्यक्त करने के पर्याप्त अवसर दिए जाने चाहिए। कार्यक्रम में शिक्षकों ने अपने नवाचारों और विद्यालयों में किए गए सफल प्रयोगों को साझा किया। विशेषज्ञों ने कहा कि उत्तर प्रदेश में शिक्षा सुधारों की अगली दिशा साक्ष्य आधारित नीति, शिक्षक क्षमता विकास, सतत अकादमिक सहयोग और कक्षा-केंद्रित नवाचारों पर आधारित होगी।

जय श्री कृष्णा फाउंडेशन का 16वां स्थापना दिवस- 3 से 5 जुलाई तक होगा तीन दिवसीय पंचामृत उत्सव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। जय श्री कृष्णा फाउंडेशन अपने 16वें स्थापना दिवस के अवसर पर 3 से 5 जुलाई तक तीन दिवसीय %पंचामृत उत्सव% का आयोजन करेगा। इसकी जानकारी संस्थापक संजीव अग्रवाल ने महमूरगंज में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि उत्सव के तहत सेवा, संस्कार और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अंतिम दिन 5 जुलाई को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में होने वाले भव्य समापन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री भाग्यश्री मुख्य अतिथि होंगी। कार्यक्रम में अवॉर्ड शो, नए सदस्यों का शपथ ग्रहण, फाउंडेशन के समाचार पत्र का विमोचन, फैशन शो और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। संजीव अग्रवाल ने बताया कि सेवा, समर्पण, संस्कृति, सद्भाव और संस्कार की भावना के साथ आयोजित इस उत्सव में फाउंडेशन एवं आईबीएफ के लगभग एक हजार सदस्य तथा शहर के गणमान्य नागरिक शामिल होंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी लापता, पुलिस सीसीटीवी के सहारे तलाश में जुटी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बिजनौर थाना क्षेत्र से सोमवार को एक 17 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने काफी तलाश के बाद पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक, बिजनौर थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी सोमवार दोपहर करीब 2:30 बजे बिना किसी को बताए घर से अचानक चली गई। काफी देर तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां उसकी खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। परिजनों के अनुसार, किशोरी अपने साथ कुछ गहने और अपनी मां का मोबाइल फोन भी ले गई है। मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर किशोरी की तलाश में जुटी हुई है।

डॉ. राहुल कुमार सिंह को मिला राज्य स्तरीय फार्म एन फूड कृषि सम्मान अवार्ड 2026

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। कृषि विज्ञान केन्द्र, कल्लीपुर, वाराणसी के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. राहुल कुमार सिंह को कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु दिल्ली प्रेस समूह द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय फार्म एन फूड कृषि सम्मान अवार्ड-2026 में बेस्ट रिसर्चर इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन श्रेणी के अंतर्गत सम्मानित किया गया। उक्त सम्मान समारोह का आयोजन लखनऊ विश्वाविद्यालय, लखनऊ के मालवीय सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही उपस्थित रहे। उन्होंने कृषि, डेयरी एवं पशुपालन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले सभी सम्मानित प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में नवाचार और वैज्ञानिक तकनीकों का विस्तार किसानों की समृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में बाद में डॉ पंकज त्रिपाठी, कृषि निदेशक, उत्तर प्रदेश सरकार, डॉ . संजय सिंह, महानिदेशक UPCAR, दिल्ली प्रेस के कार्यकारी पब्लिशर अनंत नाथ एवं उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के सचिव द्वारा डॉ. राहुल कुमार सिंह को सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. राहुल कुमार सिंह ने कृषि प्रसार एवं किसान सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए अब तक 17 से अधिक कृषक उत्पादक संगठनों (FPOs) को तकनीकी सहयोग प्रदान किया है। विगत 8 वर्षों में 150 से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफल संचालन किया जा चुका है, जिनके माध्यम से 5,000 से अधिक किसान प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुए हैं। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य करते हुए उन्होंने जनपद की 112 कृषि सखियों को प्रशिक्षण प्रदान किया है। इसके अतिरिक्त ARYA Scheme योजना को National Rural Livelihoods Mission के साथ समन्वित करते हुए 150 से अधिक मुसहर परिवारों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराया तथा उन्हें बकरी पालन इकाइयों से जोड़कर आय सृजन एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य किया है। शोध एवं अकादमिक क्षेत्र में डॉ. राहुल कुमार सिंह द्वारा अब तक 70 शोध पत्र, 4 पुस्तकें, 10 बुक चैप्टर तथा 50 से अधिक कृषि लेख प्रकाशित किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे 10 से अधिक विभिन्न परियोजनाओं में नेतृत्वकारी भूमिका निभा चुके हैं। कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2023 में उन्हें उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर डॉ. राहुल कुमार सिंह ने आचार्य नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी के कुलपति, निदेशक प्रसार, कृषि विज्ञान केन्द्र वाराणसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, केन्द्र के समस्त वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों, दिल्ली प्रेस समूह, कृषि विभाग तथा अपने सभी सहयोगियों एवं शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान कृषि क्षेत्र में किसानों के बीच वैज्ञानिक तकनीकों के प्रसार, नवाचार आधारित खेती को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण की दिशा में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। यह उपलब्धि कृषि विज्ञान केन्द्र, वाराणसी सहित पूरे क्षेत्र के कृषकों के लिए गौरव एवं प्रेरणा का विषय है।

खाकी वाले गुरुजी रणजीत यादव को मिला उत्कृष्ट सामाजिक सेवा सम्मान

कर्तव्य और करुणा का सम्मान बने रणजीत यादव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। जनपद अयोध्या के डीआईजी कार्यालय में तैनात सब इंस्पेक्टर रणजीत यादव को रक्तदान जागरूकता एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे। उत्कृष्ट कार्यों के लिए निफा (एनआईएफए) उत्तर प्रदेश द्वारा सम्मानित किया गया। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्व विद्यालय लखनऊ में आयोजित सम्मान समारोह में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ.बबिता सिंह चौहान एवं उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के राज्य मंत्री वैश्य नटवर गोयल ने उन्हें प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.राजकुमार,निफा के नेशनल प्रेसिडेंट डॉ.अश्विनी शेट्टी व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार दुबे भी उपस्थित रहे। रणजीत यादव को यह सम्मान समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने तथा शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। वह अब तक 17 बार स्वैच्छिक रक्तदान कर मानव सेवा का उदाहरण प्रस्तुत कर चुके हैं। इसके साथ ही पुलिस की व्यस्ततम ड्यूटी के बावजूद अयोध्या के जय सिंह पुर वार्ड की मलिन बस्तियों में रहने वाले गरीब,असहाय एवं भिक्षावृत्ति से जुड़े बच्चों को नियमित रूप से निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। समाज सेवा और शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए अयोध्या के लोग उन्हें स्नेहपूर्वक खाकी वाले गुरुजी के नाम से जानते हैं। सम्मान प्राप्त करने के बाद रणजीत यादव ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार,गुरुजनों,मित्रों एवं अपनी स्कूल टीम को देते हुए कहा कि समाज सेवा और शिक्षा का यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

लखनऊ मे यूपीटीआईटी-2026 की तैयारियां पूरी, 46 केंद्रों पर 96,454 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आगामी 2, 3 और 4 जुलाई को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीआईटी)-2026 को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। मंगलवार को जिलाधिकारी विशाख और संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने केंद्र व्यवस्थापकों, नोडल अधिकारियों, सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 46 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 96,454 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। 2 और 3 जुलाई को परीक्षा दो पालियों तथा 4 जुलाई को केवल प्रथम पाली में आयोजित होगी। परीक्षा शुरू होने से 45 मिनट पहले केंद्रों के मुख्य द्वार बंद कर दिए जाएंगे और इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं मिलेगा। परीक्षा संचालन के लिए 46 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 46 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर हेल्पडेस्क स्थापित किए जाएंगे, जहां परीक्षार्थियों को केंद्र की जियो-टैग लोकेशन सहित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। चारबाग रेलवे स्टेशन एवं प्रमुख बस अड्डों पर पेयजल, शौचालय और रैन बसेरा जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

उद्योग बंधु समिति की बैठक में लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश, निर्यात बढ़ाने पर भी हुआ मंथन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। जिलाधिकारी विशाख जी की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनपद के उद्यमियों, औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। जिलाधिकारी ने निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित 40 प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी मामलों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अमौसी, नादरगंज और सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। यूपीसीडा के अधिकारियों ने बताया कि विद्युत डक्ट निर्माण का प्रस्ताव मुख्यालय भेजा जा चुका है और स्वीकृति मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए नगर निगम, यूपीसीडा और एनएचएआई के संयुक्त निरीक्षण के बाद शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए। वहीं अमौसी स्थित डीवीके प्लास्टिक प्रोडक्ट्स क्षेत्र में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार पानी निकासी का कार्य किए जाने की जानकारी दी गई। तालकटोरा औद्योगिक आस्थान में निर्माणाधीन सड़क से जुड़े विवाद के समाधान के लिए मुख्य विकास अधिकारी स्तर पर गठित समिति से दोबारा सर्वे कराकर प्रकरण का निस्तारण कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही निवेश सारथी पोर्टल पर लंबित निवेशकों के मामलों का भी संबंधित विभागों के समन्वय से निस्तारण किए जाने की जानकारी दी गई। बैठक के बाद डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब की समीक्षा बैठक भी आयोजित हुई, जिसमें जनपद के निर्यात की वर्तमान स्थिति, उत्तर प्रदेश निर्यात नीति 2025-30 तथा विभिन्न निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने डीजीएफटी के डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट हब अभियान, डिस्ट्रिक्ट एक्सपोर्ट एक्शन प्लान तथा यूपीआईटीएस 4.0 में अधिक से अधिक निर्यातकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), उपायुक्त उद्योग, नगर निगम, एलडीए, यूपीसीडा, विद्युत एवं प्रदूषण विभाग के अधिकारियों के साथ तालकटोरा, अमौसी, चिनहट और गोयला औद्योगिक क्षेत्रों के उद्यमी एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बच्चों से स्नेहपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संवाद कर उनकी भाषाई दक्षताओं का किया जा सकता है विकास- स्नेहिल पाण्डेय

➤ स्नेहिल पाण्डेय ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित नीति से व्यवहार तक संवाद कार्यक्रम में साझा किये अपने विचार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को नई दिशा देने और निपुण भारत मिशन को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने के उदेश्य से गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के प्लूटो सभागार में, अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, पार्थ सारथी सेन शर्मा के मार्गदर्शन एवं महानिदेशक, स्कूल शिक्षा मोनिका रानी की गरिमामयी उपस्थिति में समग्र शिक्षा उप्र व एलएलएफ संस्था के संयुक्त तत्वावधान में टीचिंग लर्निंग प्रैक्टिसेज (टीएलपीएस) सेमिनार का दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ हुआ। ﬂनीति से व्यवहार तक संवादﬂ विषय पर आयोजित इस सेमिनार में प्रभावी कक्षा-कक्षीय शिक्षण, निपुण भारत मिशन के विस्तार तथा शिक्षण गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाने की रणनीतियों पर विशेषज्ञों एवं शिक्षा अधिकारियों द्वारा विचार-विमर्श किया गया 7 कार्यक्रम में उन्नाव जनपद की राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका स्नेहिल पांडे ने भी प्रतिभाग कर अपने विचार रखे। उन्होने निपुण भारत मिशन तथा कक्षा कक्ष में संपूर्ण उत्तर प्रदेश के शिक्षकों द्वारा किए जा रहे बेसिक शिक्षा विभाग के नवाचार तथा नए कांसेप्ट के माध्यमों पर अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश पार्थ सारथी सेन शर्मा , महानिदेशक स्कूल शिक्षा उत्तर प्रदेश, मोनिका रानी ,लैंग्वेज लर्निंग फ्रेमवर्क , से श्वेता लाल,अजय तिवारी,टाटा ट्रस्ट तथा विभिन्न जनपदों से पधारे एडी बेसिक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों के मध्य अपने विचार साझा किये। इस मंच पर उन्होंने बताया कि 15 जून को, 10 बिंदुओं का एक नया जीओ लॉन्च किया गया है ,जिसके आधार पर कक्षा कक्ष में आप बच्चों से पाठ्य सहगामी क्रियाएं तथा कक्षा कक्ष शिक्षण को किस तरह से और अच्छी तरह से पढ़ा सकते हैं। उन्होंने बेसिक शिक्षा के निदेशक, राज्य शिक्षण एवं अनुसंधान परिषद के डायरेक्टर गणेश कुमार तथा समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश देख रहे आनंद पांडे एवं अनिल भूषण चतुर्वेदी आदि के समक्ष अपनी बात रखी तथा उन्नाव जनपद का प्रतिनिधित्व संपूर्ण उत्तर प्रदेश के शिक्षकों एवं गणमान्य अधिकारियों के बीच किया। स्नेहिल पांडे ने जोड़ा कि बच्चों से स्नेह पूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में बातचीत करके तथा उन्हें फ्री रीडिंग स्वतंत्र पठन, स्वतंत्र लेखन तथा उनसे संवाद स्थापित करके किस प्रकार से उनकी भाषाई दक्षताओं का विकास किया जा सकता है तथा अभी तक किए जा रहे बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा नए प्रयासों में कैच अप लर्निंग पर फोकस डालते हुए उन्होंने 1 जुलाई से शुरू हो रहे स्कूल चलो अभियान की सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दी।

वित्तीय साक्षरता एवं निवेश प्रबंधन के सम्बन्ध में आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। मंगलवार को अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में नियुक्त अधिकारी, कर्मचारीगण के वेलफेयर तथा भविष्य के बचत हेतु उन्हे जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे है । जिसके क्रम में मंगलवार को माँ विंध्यवासिनी सभागार पुलिस लाइन मिर्जापुर में वित्तीय साक्षरता एवं निवेश प्रबंधन के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें डा. आशाराम त्रिपाठी(सेवानिवृत्त प्रवक्ता) व विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग बीएचयू वाराणसी तथा डा. प्रदीप त्रिपाठी(अतिथि व्याख्याता) वाणिज्य विभाग बीएचयू दक्षिणी कैम्पस बरकछा द्वारा उपस्थित अधिकारी, कर्मचारीगण को सरकार द्वारा चलाये जा रहें विभिन्न बचत कार्यक्रम के सम्बन्ध में लाभकारी जानकारी दी गयी । कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकार लाइन-गायत्री यादव व प्रतिसार निरीक्षक-मन मोहन सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी गण उपस्थित रहें ।

दो दिवसीय उल्लास बाल पर्व का गोपाल से जगत पाल तक एक सपना के साथ हुआ सम्पन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। यायावर रंगमंडल और संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से दो दिवसीय उल्लास बाल पर्व 2026 का आयोजन 29 और 30 जून को कैसरबाग स्थित राय उमानाथ बली ऑडिटोरियम में किया गया। दूसरी संध्या 30 जून को जानकीपुरम स्थित पूरन शिक्षा केंद्र के छात्रों द्वारा तैयार लघु नृत्य नाटिका गोपाल से जगत पाल तक का प्रदर्शन वंशिका शर्मा की परिकल्पना एवं नृत्य निर्देशन में किया गया। इसमें विनय कुमार सहायक रहें वहीं दूसरी प्रस्तुति गोमतीनगर स्थित सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज के प्रतिभागियों द्वारा तैयार नाटक एक सपना का मंचन योगेन्द्र जोशी के आलेख एवं अंकित श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया जबकि इसमें कार्यशाला निर्देशक मोहम्मद हफ़ीज़ थे। गोपाल से जगतपाल तक प्रस्तुति की नाम के अनुरूप भगवान कृष्ण की विभिन्न लीलाओं पर आधारित थी। चिरपरिचित प्रसंगों के माध्यम से बाल गोपालों ने अपने कुशल अभिनय से सबका दिल जीत लिया। इसमें दर्शाया गया कि मथुरा के कारागार में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के उपरांत उनके पिता वासुदेव जी उन्हें यमुना पार कर गोकुल में नंद बाबा और यशोदा मैया के घर छोड़ आते हैं। यशोदा मैया और नंद बाबा अपने लाडले कान्हा का अत्यंत स्नेह और वात्सल्य से पालन-पोषण करते हैं। एक दिन यशोदा मैया के सो जाने पर राक्षसी पूतना सुंदर स्त्री का रूप धारण कर बाल कृष्ण को ले जाने का प्रयास करती है, किंतु श्रीकृष्ण अपनी दिव्य शक्ति से उसका वध कर देते हैं। यशोदा मैया जब कान्हा को खोजते हुए पूतना के निर्जीव शरीर पर खेलते हुए देखती है, तो भयभीत होकर उन्हें अपने हृदय से लगा लेती हैं। तब नंद बाबा उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि उनका कान्हा कोई साधारण बालक नहीं, स्वयं ईश्वर के अवतार हैं। समय बीतने पर श्रीकृष्ण गौचारण करते हुए

कालिया नाग का दमन करते हैं और उसके फन पर नृत्य कर समस्त गोकुलवासियों की रक्षा करते हैं। उत्तरोत्तर राधा और कृष्ण की मधुर प्रेम लीलाएँ आरंभ होती हैं किंतु धर्म की स्थापना के लिए श्रीकृष्ण को मथुरा प्रस्थान करना पड़ता है। उनके वियोग में राधा, यशोदा मैया और समस्त गोकुलवासी व्याकुल हो उठते हैं। द्वापर युग के पश्चात कलियुग का आगमन होता है, जहाँ अधर्म, हिंसा, अन्याय और पाप का बोलबाला दिखाई देता है। ऐसे समय में भगवान विष्णु के अंतिम अवतार कल्कि प्रकट होकर अधर्म का नाश करने और धर्म की पुनः स्थापना का संकल्प लेते हैं। भगवान श्रीकृष्ण केवल गोकुल के गोपाल नहीं, बल्कि सम्पूर्ण सृष्टि के पालनहार हैं। उन्होंने बाल्यकाल से ही अधर्म का नाश और धर्म की रक्षा का कार्य प्रारम्भ किया। समय बदलता गया, युग बदलते गए, लेकिन भगवान का उद्देश्य कभी नहीं बदला। उनका एक ही मंतव्य है कि सज्जनों की रक्षा हो और दुर्जनो का विनाश। आज के कलियुग में जब मनुष्य लोभ, हिंसा, नशा और अधर्म में डूबता जा रहा है, तब यह नाटक हमें याद दिलाता है कि यदि हम स्वयं धर्म, प्रेम, करुणा और सत्य के मार्ग पर नहीं चलेंगे, तो अंततः धर्म की पुनः स्थापना के लिए भगवान को फिर अवतरित होना पड़ेगा। इसलिए परिवर्तन की शुरुआत भगवान के आने का इंतज़ार करने से नहीं, बल्कि अपने भीतर के कृष्ण को जगाने से होती है। यही 'गोपाल से जगत पाल तक' की वास्तविक यात्रा है। इस प्रस्तुति की यह विशेषता भी रही कि इसमें किसी एक नृत्य शैली के बजाय कथक, कंटेम्पररी और लोक नृत्य सहित विभिन्न मूवमेंट्स का प्रयोग किया गया है। इसकी निर्देशिक वंशिका शर्मा के अनुसार कल्कि केवल एक अवतार नहीं, बल्कि वह परिवर्तन है जो हम स्वयं के भीतर ला सकते हैं। मंच पर रौनक ने बाल कृष्ण, अंकुर ने युवा कृष्ण, सरोजनी ने राधा, सलोनी ने यशोदा एवं कथावाचक एक, शाहीन ने पूतना एवं कलियुग की पत्नी, रवि ने नंद बाबा, नाग एवं कलियुग का पुरुष एक, राघव ने बलराम, नाग, गाय एवं कलियुग का पुरुष दो, गुड़िया ने गोपी एक, पूजा ने गोपी दो, सलमी ने कथावाचक दो एवं गोपी पांच, करण ने नाग एवं कलियुग का पीड़ित, उर्मिला ने गोपी तीन, अनय ने नाग एवं कलियुग का पुरुष तीन, दीपांशु ने नाग, गाय एवं कलियुग का हत्यारा, सनी ने गाय, नाग एवं कलियुग का पुरुष चार, कोमल ने गोपी चार और नीतू ने गोपी छह का किरदार सशक्त रूप में निभाया। दूसरी ओर मंच पार्श्व में सहायक एवं संगीत-संचालन का दायित्व विनय कुमार, वेशभूषा एवं प्रॉप्स निर्माण का आनंद यादव, रूप-सज्जा का मनोज वर्मा, छायांकन का अभिषेक एवं सरबजीत ने निभाया। इसके उपरांत नाटक एक सपना का मंचन किया गया। कथानक के अनुसार सौम्या अपने माता-पिता की इकलौती बेटी है। उसके माता-पिता प्रिया और संदीप दोनों नौकरी करते हैं। स्कूल के बाद सौम्या अपना दिन ज़्यादातर मोबाइल देखने में बिताती है। वह मोबाइल में देखे गये पात्रों जैसे डोरेमोन, हैरी पॉटर, शिनचैन को अपना दोस्त समझने लगती है और उन्हीं के साथ अपना अकेलापन बिताती है। इस अकेलेपन का प्रभाव सौम्या के व्यवहार में दिखने लगता है। वह छोटी-छोटी बातों पर अपने दोस्तों से झगड़ा करने लगती है। चिंतित माता पिता उसे अनेक डॉक्टरों को दिखाते है परंतु कोई लाभ नहीं होता है। पड़ोस की महिलाएं सौम्या पर किसी बुरे साये का असर मानकर उसे ओझा बाबा को दिखाने की सलाह देती है। ओझा बाबा अपनी तरह से सौम्या का भूत उतारने का प्रयास करते है परंतु मामा जी के बीच में आने और पुलिस बुलाने की बात पर ओझा बाबा नौ-दो-ग्यारह हो जाता है। उसी रात सौम्या के सपने में हैरी पॉटर, शिनचैन और डोरेमोन आते है। वह सौम्या के साथ खेलते है। उससे अच्छी-अच्छी बातें करते है और समझते है कि जरूरत से ज्यादा मोबाइल देखना अच्छी बात नहीं है। अच्छे बच्चे ऐसा नहीं करते। अच्छे बच्चे अपने माता पिता और अपने गुरुजनों का कहना मानते है। अपने दोस्तों से झगड़ा नहीं करते और पढ़ाई मन लगाकर करते है। सौम्या को उनकी बातें समझ में आ जाती है और वह दूसरे दिन से ऐसा ही करती है। अंत में नाटक सभी अभिभावकों को यह संदेश देता है कि वह अपने व्यस्त क्षणों में कुछ प्यार भरे क्षण अपने बच्चों के लिए अवश्य निकाले। अपने नन्हे मुन्नो को समझे और उन्हें समझाए। उन्हें शिकायत का मौका न दें। मंच पर सृष्टि शर्मा ने कान्ता, गीतिका कनौजिया ने प्रिया, पियूष कुमार ने मामा, सानवी गुप्ता ने सौम्या, आयुषी यादव ने मिसेज़ शर्मा, शुभ कुमार ने मिस्टर शर्मा, आमना खातून ने मिसेज़ वर्मा, अपूर्व दास ने मिस्टर वर्मा, रजनी शर्मा ने बुआ, ऋषभ कश्यप ने वैन वाला, ऋषभ कश्यप ने ओझा बाबा, सृष्टि सिंह ने डोरेमोन, ईशानी रावत ने शिनचैन, शुभ कुमार ने हैरी पॉटर का किरदार प्रभावी रूप से अदा किया। इसके साथ ही सौम्या के दोस्तों की भूमिका सृष्टि सिंह, इशानी रावत, तमन्ना राजपूत, काशवी यादव, सृष्टि शुक्ला, मयेशी यादव, वीर प्रताप शर्मा, रागनी कश्यप, रिया पाल ने अदा किया। मंच पार्श्व में प्रकाश व्यवस्था का दायित्व सचिन मिश्रा, संगीत निर्देशक का अखिलेश, वेशभूषा का पुष्पलता, जनसंपर्क का कीर्ति प्रकाश, रूप-सज्जा का मनोज वर्मा, आलेख का योगेन्द्र जोशी, छायांकन का अभिषेक एवं सरबजीत ने निभाया। यायावर रंगमंडल द्वारा आयोजित उल्लास बाल पर्व पिछले 32 वर्षों से बच्चों के व्यक्तित्व विकास, सृजनात्मक अभिव्यक्ति और कलात्मक दृष्टि को निखारने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। यायावर रंगमंडल के निदेशक पुनीत मित्तल के अनुसार बाल रंगमंच को प्रोत्साहित करने और नई पीढ़ी को कला एवं संस्कृति से जोड़ने में यायावर रंगमंडल प्रदेश की अग्रणी संस्थाओं में से एक है। खास बात यह भी है कि इसमें ग्रीष्मकालीन कार्यशालाओं में भीड़ बढ़ाने के लिए हर उम्र के लोगों को एक साथ प्रशिक्षण नहीं दिया जाता, बल्कि बाल मनोविज्ञान को समझते हुए उनके अनुरूप वर्कशॉप को ढाल कर विशेषज्ञों के द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है।

28 जून से लगातार हाउस अरेस्ट, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन; लोकतांत्रिक अधिकारों के संरक्षण की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संस्थापक एवं पार्टी सुप्रीमो मुकेश सहनी को 28 जून 2026 से लखनऊ स्थित आवास पर लगातार हाउस अरेस्ट रखे जाने के विरोध में प्रधानमंत्री को विस्तृत ज्ञापन प्रेषित किया है। ज्ञापन में इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों में हस्तक्षेप बताते हुए उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि 28 जून 2026 से लगातार तीन दिनों तक उन्हें आवास से बाहर नहीं निकलने दिया गया तथा इस दौरान लगातार तीन नोटिस जारी कर उनके आवागमन एवं शांतिपूर्ण राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया। इसके कारण वे अपने समाज के लोगों एवं पार्टी पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं के बीच नहीं पहुँच सके। श्री सहनी ने कहा कि यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक, शाहजहाँपुर के पत्रांक सी-13/2026 के आधार पर की गई, जबकि उस पत्र एवं उसके आधार पर जारी नोटिसों में किसी विशिष्ट घटना, विश्वसनीय खुफिया सूचना अथवा किसी ठोस तथ्य का उल्लेख नहीं है। उन्होंने कहा कि वे पहली बार शाहजहाँपुर में समाज के लोगों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से शांतिपूर्ण संवाद एवं संगठनात्मक बैठक के लिए जा रहे थे। श्री सहनी ने कहा कि वे उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में रात्रि विश्राम, संगठनात्मक बैठकों एवं समाज के लोगों से संवाद के माध्यम से शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से जनसंपर्क कर रहे हैं तथा अब तक उनके किसी भी कार्यक्रम से कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की कोई घटना नहीं हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि वे निषाद समाज के अधिकार, सम्मान एवं न्याय की आवाज़ संविधान एवं कानून की मर्यादा के भीतर उठाते रहे हैं और आगे भी उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि विकासशील इंसान पार्टी शीघ्र ही उत्तर प्रदेश में 101 दिवसीय संकल्प यात्रा प्रारम्भ करने जा रही है। यदि शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक कार्यक्रमों को केवल संभावित आशंका के आधार पर रोका जाएगा, तो इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया एवं नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ज्ञापन में प्रधानमंत्री से मांग की गई है कि 28 जून 2026 से हाउस अरेस्ट रखे जाने, पुलिस अधीक्षक, शाहजहाँपुर के पत्रांक सी-13/2026 तथा लगातार तीन नोटिस जारी किए जाने की पूरी प्रक्रिया की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। ज्ञापन की प्रतिलिपि माननीय केंद्रीय गृह मंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, बिहार के मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक, पुलिस आयुक्त (कमिश्नरेट लखनऊ) तथा पुलिस अधीक्षक, शाहजहाँपुर को भी प्रेषित की गई है।

बी.एस.एन.वी. पीजी कॉलेज में 15 दिवसीय कत्थक-गायन कार्यशाला का समापन

➤ प्रतिभागियों ने दीं मनमोहक प्रस्तुतियां, प्रमाण पत्र वितरित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बी.एस.एन.वी. पीजी कॉलेज में स्थापित अमर शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा कल्चरल क्लब द्वारा भातखंडे संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ के सौजन्य से 15 जून से 30 जून तक आयोजित 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कत्थक एवं गायन प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन हुआ। समापन समारोह में कत्थक के प्रतिभागियों ने पलटे, तिहाई, हस्त संचालन, तोड़े, टुकड़े की प्रस्तुति दी और रुद्राष्टकम के माध्यम से भगवान शिव की स्तुति की। गायन के विद्यार्थियों ने अलंकार, राग यमन में बंदिश व भजन प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की प्रभारी प्रो. ज्योति काला ने मुख्य अतिथि बीएसएनवी इंस्टीट्यूट की अध्यक्ष डॉ. प्रीति बाजपेई को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। डॉ. बाजपेई ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और सभी को प्रमाण पत्र वितरित किए। सह प्रभारी प्रो. डी.के. गुप्ता ने कत्थक प्रशिक्षिका पूजा गुप्ता और गायन प्रशिक्षक अनुराग तिवारी के विशेष योगदान की सराहना की। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. संजय मिश्रा ने अतिथियों का आभार जताते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की। इस अवसर पर प्रो. डी.के. श्रीवास्तव, डॉ. राजीव श्रीवास्तव, डॉ. उपासना श्रीवास्तव सहित कई शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

राम मंदिर चंदा घोटाले पर संजय सिंह का हमला, सीबीआई जांच की मांग

➲ अयोध्या में आरोपियों के सामाजिक बहिष्कार का दावा, अधिवक्ता संघ के अल्टीमेटम का हवाला; योगी सरकार की एसआईटी पर उठाए सवाल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर चंदा और कथित भूमि घोटाले के मामले में भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई अथवा सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) निष्पक्ष जांच करने के बजाय मामले की लीपा-पोती कर रही है। संजय सिंह ने दावा किया कि अयोध्या में चंदा चोरी के आरोपों से जुड़े लोगों के खिलाफ सामाजिक बहिष्कार शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या अधिवक्ता संघ ने कथित आरोपियों का कोई मुकदमा न लड़ने का निर्णय लिया है तथा उन्हें तीन दिन के भीतर अयोध्या छोड़ने का

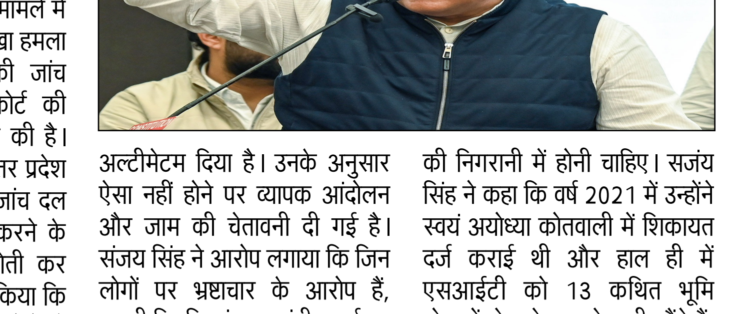

अल्टीमेटम दिया है। उनके अनुसार ऐसा नहीं होने पर व्यापक आंदोलन और जाम की चेतावनी दी गई है। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि जिन लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, उनकी नियुक्तियां प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की सहमति से हुई थीं। ऐसे में मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा गठित एसआईटी निष्पक्ष जांच नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी या सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में होनी चाहिए। संजय सिंह ने कहा कि वर्ष 2021 में उन्होंने स्वयं अयोध्या कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी और हाल ही में एसआईटी को 13 कथित भूमि घोटालों से जुड़े दस्तावेज भी सौंपे हैं, लेकिन अब तक किसी आरोपी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि पिछले कई वर्षों से भ्रष्टाचार हो रहा था तो राज्य सरकार ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफों को बड़ी कार्रवाई बताकर जनता को गुमराह किया जा रहा है, जबकि अन्य कथित आरोपी अब भी प्रभावशाली पदों पर बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ इस्तीफों से पूरे मामले की जिम्मेदारी समाप्त नहीं हो जाती। उन्होंने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए श्रद्धापूर्वक दान दिया, लेकिन उसी धन के उपयोग पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। यह करोड़ों लोगों की आस्था के साथ विश्वासघात है। संजय सिंह ने देशवासियों से कथित भ्रष्टाचार में शामिल लोगों और 'चंदा चोर पार्टी' का लोकतांत्रिक एवं सामाजिक बहिष्कार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह केवल भ्रष्टाचार का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास की रक्षा का प्रश्न है।

समाचार

सपा कार्यकर्ताओं ने रक्तदान कर मनाया अखिलेश यादव का जन्मदिन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

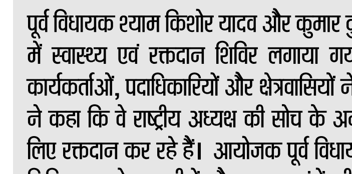

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन सरोजनीनगर में रक्तदान कर मनाया गया। बिजनौर रोड स्थित स्काई पब्लिक स्कूल में पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव और कुमार दुर्गेश सिंह उर्फ सोनू यादव के संयोजन में स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में 150 से अधिक सपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और क्षेत्रवासियों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदाताओं ने कहा कि वे राष्ट्रीय अध्यक्ष की सोच के अनुरूप जरूरतमंदों की जान बचाने के लिए रक्तदान कर रहे हैं। आयोजक पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव ने बताया कि शिविर का उद्देश्य गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करना है। यहां चिकित्सकों ने शुगर, बीपी की मुफ्त जांच कर उचित परामर्श भी दिया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों के लिए बिना भेदभाव के पीडिए के लोगों ने रक्तदान कर एक उदाहरण पेश किया है। वहीं कुमार दुर्गेश सिंह ने युवाओं से बढ़-चढ़कर रक्तदान की अपील की। उन्होंने कहा कि सड़क हादसों और सर्जरी में खून की कमी से किसी गरीब की जान न जाए। उन्होंने कहा कि रक्त की एक-एक बूंद राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को समर्पित है ताकि यह जरूरतमंदों के काम आए। शिविर में सपा जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत, महासचिव शब्बीर खान, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, सलाम बाबू चौरसिया, कोषाध्यक्ष इंद्रेश यादव, विधानसभा अध्यक्ष चंद्रशेखर यादव, उपाध्यक्ष अजीत यादव, विमल सेठ, ज्ञानू यादव, शिवकुमार टाइगर, रमेश कनौजिया, इमरान खान, बीना रावत, ललिता राजपूत, रितु अग्रवाल, अभिषेक विश्वकर्मा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। रक्तदान के बाद कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव की दीर्घायु की कामना की और कहा कि 2027 में भाजपा सरकार को हटाकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने की तैयारी है।

किसानों की समस्याओं को लेकर डीएम कार्यालय पर भाकियू का धरना-प्रदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी स्थित जिलाधिकारी कार्यालय पर किसानों और गरीबों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन के महासचिव राकेश यादव के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान और कमजोर वर्ग के लोग मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान राकेश यादव ने कहा कि किसानों और गरीबों के साथ अन्याय किया जा रहा है। उनकी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर संगठन ने डीएम कार्यालय पहुंचकर अपनी आवाज बुलंद की है। उन्होंने प्रशासन से किसानों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासन पर जल्द अमल नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी भी की।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर से चढ़ावे की हुई चोरी, गबन व हेराफेरी अति गंभीर व चिंतनीय- मायावती

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

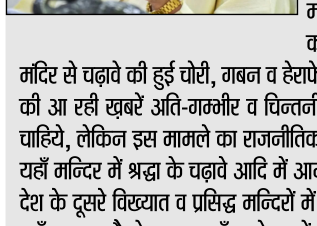

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बीएसपी सुप्रीमों मायावती ने अयोध्या में श्रीराम मन्दिर से चढ़ावे की हुई चोरी, ग़बन व हेराफ़ेरी आदि को गंभीर व चिंतनीय बताया। उन्होने कहा कि चढ़ावे में चोरी और हेराफ़ेरी करने वाले बख्शे नही जाने चाहिए। मायावती ने एक्स पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अयोध्या में श्री राम मंदिर से चढ़ावे की हुई चोरी, गबन व हेराफ़ेरी की मीडिया में आएदिन क़िस्म-क़िस्म की आ रही ख़बरें अति-गम्भीर व चिन्तनीय। ऐसे लोग क़तई भी बख़्शे नहीं जाने चाहिये, लेकिन इस मामले का राजनीतिकरण करना भी ठीक नहीं। साथ ही, अब यहाँ मन्दिर में श्रद्धा के चढ़ावे आदि में आगे कोई भी शिकायत ना आये, इसके लिए देश के दूसरे विख्यात व प्रसिद्ध मन्दिरों में चढ़ावे आदि के हिसाब-किताब के लिए जो वहाँ व्यवस्था है तो उनका यहाँ अयोध्या में भी अनुशरण करके इस प्रकरण को जल्दी ही सुलझाना चाहिये तो यह उचित होगा। उन्होने आगे कहा कि इतना ही नहीं बल्कि देश में राजनीति का अपराधीकरण व अपराध का राजनीतिकरण तथा धर्म का राजनीतिकरण एवं राजनीति का अंध धर्मीकरण ना किया जाये तो यह सही व सवैधानिक होगा, ऐसी बी.एस.पी. की राजनीतिक पार्टियों को देश व जनहित में सलाह और साथ ही देशवासियों से भी यह अपील।

संदिग्ध परिस्थितियों में दरोगा की बेटी ने फांसी लगाकर दी जान, यूपीएससी की कर रही थी तैयारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक दरोगा की 21 वर्षीय बेटी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के अनौरा गांव स्थित आरके मैरिज लॉन के पास रहने वाले ओम प्रकाश सोनकर बंथरा थाने में उप निरीक्षक के पद पर तैनात हैं। उनकी 21 वर्षीय बेटी श्रद्धा सोनकर आईएएस बनने के लिए यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। बताया जा रहा है कि सोमवार रात परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने कमरों में सो गए थे। मंगलवार सुबह करीब 4:30 बजे ओम प्रकाश अपनी बेटी श्रद्धा को जगाने पहुंचे तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। आवाज लगाने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर उन्होंने खिड़की से अंदर झांककर देखा तो श्रद्धा चद्दर के सहारे पंखे के हुक से लटकी हुई थी। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची सरोजनीनगर पुलिस ने दरवाजे की कुंडी तोड़कर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार में श्रद्धा के पिता ओम प्रकाश सोनकर, मां आरती सोनकर और दो भाई आदित्य सोनकर व रितिक सोनकर हैं। पुलिस का कहना है कि आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। मामले की जांच की जा रही है, जिसके बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

संविदा कर्मियों की छंटनी के मुद्दे पर शासन को गुमराह किया जा रहा है–संघर्ष समिति

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने ऊर्जा निगमों के शीर्ष प्रबंधन पर बिजली कर्मचारियों एवं अत्यल्प मानदेय पर कार्यरत संविदा कर्मियों की समस्याओं के संबंध में शासन को भ्रामक एवं तथ्यहीन जानकारी भेजकर गुमराह करने का गंभीर आरोप लगाया है। संघर्ष समिति ने कहा कि यह प्रवृत्ति न केवल कर्मचारियों के हितों के विरुद्ध है, बल्कि शासन के समक्ष वास्तविक स्थिति को छिपाने का प्रयास भी है। संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने बताया कि संघर्ष समिति द्वारा कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों की समस्याओं के संबंध में भेजे गए पत्रों पर जब शासन अथवा माननीय ऊर्जा मंत्री कार्यालय द्वारा आख्या मांगी जाती है, तब पॉवर कॉरपोरेशन प्रबंधन वास्तविक समाधान करने के बजाय भ्रामक उत्तर भेजकर प्रकरण को समाप्त करने का प्रयास करता है। संघर्ष समिति ने बताया कि इसका ताज़ा उदाहरण ऊर्जा निगमों के संविदा कर्मियों को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा घोषित प्रस्तावित आउटसोर्स निगम में शामिल किए जाने का है। इस संबंध में संघर्ष समिति द्वारा प्रबंधन को पत्र भेजा गया था। शासन को भेजी गई आख्या में प्रबंधन ने कहा है कि 卐सिस्टम में सुधार एवं तकनीकी पुनर्गठन (वर्टिकल व्यवस्था) के कारण

आवश्यकता के अनुसार ही संविदा कर्मियों को रखा जा रहा है तथा यह व्यवस्था तकनीकी दृष्टि से आवश्यक है। संघर्ष समिति ने इस दावे को वास्तविकता से परे बताते हुए कहा कि यदि वास्तव में व्यवस्था में इतना सुधार हो चुका है कि संविदा कर्मियों की आवश्यकता कम हो गई है, तो फिर बिजली वितरण के निजीकरण का औचित्य क्या है? यदि व्यवस्था सक्षम और सुदृढ़ है तो निजीकरण की आवश्यकता क्यों बताई जा रही है? दूसरी ओर उपभोक्ताओं की संख्या और विद्युत भार लगातार बढ़ रहा है, नियमित भर्ती वर्षों से बंद है और इसके विपरीत संविदा कर्मियों की लगातार छंटनी की जा रही है। यह स्थिति स्वयं प्रबंधन के दावों का खंडन करती है। संघर्ष समिति ने प्रबंधन द्वारा शासन को भेजे गए उस दावे को भी पूरी तरह असत्य बताया जिसमें कहा गया है कि कर्मचारियों के संगठनों की मांगों पर समय-समय पर वार्ता कर समाधान किया जाता रहा है। संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि पिछले लगभग तीन वर्षों में पॉवर कॉरपोरेशन प्रबंधन ने विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र के साथ एक बार भी वार्ता नहीं की है। ऐसे में शासन को वार्ता एवं समाधान का दावा भेजना पूरी तरह भ्रामक और तथ्यविहीन है। संघर्ष समिति ने तथाकथित 卐वर्टिकल व्यवस्था卐 पर भी गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा कि यदि यह व्यवस्था तकनीकी दृष्टि से इतनी ही आवश्यक और प्रभावी है, तो प्रबंधन यह स्पष्ट करे कि देश के किस राज्य में यह मॉडल सफलतापूर्वक लागू है। वास्तविकता यह है कि यह व्यवस्था निजी क्षेत्र की कार्यप्रणाली से प्रेरित है, जिसका उद्देश्य न्यूनतम कर्मचारियों से अधिकतम कार्य लेना है। जबकि गुजरात, महाराष्ट्र, केरल, आंध्र प्रदेश सहित अनेक राज्यों में बिजली क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की तुलना में कहीं अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं और वहां बिजली व्यवस्था अधिक सुदृढ़ है। संघर्ष समिति ने कहा कि पॉवर कॉरपोरेशन प्रबंधन को अपनी हठधर्मिता छोड़कर शासन को गुमराह करने के बजाय कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से सकारात्मक वार्ता करनी चाहिए। सभी लंबित समझौतों, विशेष रूप से 19 मार्च 2023 के समझौते का तत्काल पालन किया जाए तथा कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों के विरुद्ध चल रही समस्त उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस ली जाएं। कर्मचारियों के सहयोग और विश्वास के बिना बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ नहीं बनाया जा सकता।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पीजी कॉलेज में प्राचार्य बदलीं

➲ प्रो. रश्मि बिश्नोई सेवानिवृत्त, प्रो. शालिनी श्रीवास्तव ने संभाला पदभार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। स्थानीय नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीगंज में आज 30 जून को प्राचार्य प्रो. रश्मि बिश्नोई सेवानिवृत्त हो गईं। उनके स्थान पर अंग्रेजी विभाग की वरिष्ठ शिक्षक प्रो. शालिनी श्रीवास्तव ने प्राचार्य का पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी, अन्य महाविद्यालयों के प्राचार्य व भूतपूर्व प्राचार्य मौजूद रहे। इस दौरान सभी शिक्षकों व निवर्तमान प्राचार्य ने अपने अनुभव साझा किए। डॉ. भास्कर शर्मा ने अभिनंदन गीत प्रस्तुत किया। मौके पर पूर्व प्राचार्य प्रो. गौरी शंकर गुप्ता, प्रो. अनुराधा तिवारी, प्रो. ए.के. सैनी, राजकीय महाविद्यालय महमूदाबाद की प्राचार्य प्रो. सीमा सिंह, राजकीय महाविद्यालय बिजली पासी की प्राचार्य प्रो. सुमन गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। रविन्द्र पाल सिंह व पल्लवी बिश्नोई विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में शामिल हुए। नवागत प्राचार्य प्रो. शालिनी श्रीवास्तव ने कहा कि वे महाविद्यालय की गरिमा, प्रतिष्ठा और साख के अनुरूप कार्य करेंगी तथा प्रो. रश्मि बिश्नोई द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों को आगे बढ़ाएंगी। निवर्तमान प्राचार्य प्रो. रश्मि बिश्नोई ने सभी के प्रति आभार जताते हुए महाविद्यालय परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लखनऊ अग्निकांड पर व्यापारियों ने किया शोक व्यक्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मंगलवार को लखनऊ व्यापार मंडल द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने लखनऊ में हुई दुखद अग्निकांड की घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह त्रासदी केवल किसी एक व्यक्ति या विभाग की नहीं बल्कि वर्षों से चली आ रही अव्यवस्थित शहरी व्यवस्था प्रशासनिक लापरवाही सामाजिक उदासीनता तथा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी का परिणाम है। इस हृदय विदारक घटना में 15 मासूम बच्चों की असामयिक मृत्यु ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। इस अपूरणीय क्षति की पीड़ा को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की जिम्मेदारी एक.दूसरे पर डालने से समस्या का समाधान नहीं होगा। आवश्यकता इस बात की है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु व्यावहारिक एवं दीर्घकालिक समाधान खोजे जाएं। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एल.डी.ए) एवं आवास विकास परिषद द्वारा व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर बड़ी संख्या में नोटिस चस्पा किए जा रहे हैं। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि व्यापारी वर्ग को निशाना बनाकर अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से बचने का प्रयास कर रहे हैं। किसी भी व्यवस्था में सुधार एक दिन में संभव नहीं होता। आनन.फानन में की गई कार्रवाई से समाज में भय भ्रम एवं अफरा.तफरी का वातावरण बन रहा है। जिससे प्रशासन और समाज के बीच विश्वास भी प्रभावित होता है। मुख्य बिंदु 1. लखनऊ का पुराना व्यापारिक क्षेत्र लगभग 200 वर्ष पुराना है। इंदिरा नगर का विकास 1970 के दशक में तथा गोमतीनगर का विकास लगभग 25 से 30 वर्ष पूर्व हुआ। शहर के विस्तार के साथ बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं को देखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में स्वाभाविक रूप से व्यापारिक गतिविधियां विकसित हुईं। 2. एल.डी.ए एवं आवास विकास परिषद द्वारा विकसित योजनाओं जैसे राजाजीपुरम इंदिरा नगर गोमतीनगर कानपुर रोड रायबरेली रोड आदि में आबादी की तुलना में अत्यंत सीमित संख्या में व्यवसायिक सुविधा केंद्र (कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स) विकसित किए गए। परिणाम स्वरूप स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लोगों ने स्वयं छोटे.छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठान विकसित कर लिए। प्रमुख बिन्दु- यदि सरकारी विभागों द्वारा निर्मित व्यवसायिक कॉम्प्लेक्सों में भी सभी अग्नि सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन नहीं हो रहा है तो केवल

व्यापारियों को ही दोषी ठहराना कितना उचित है। उन्होंने कहा कि यदि योजना बनाने वाले जिम्मेदार हैं तो उनकी निगरानी करने वाले विभाग भी समान रूप से उत्तरदायी हैं। पिछले लगभग 30 वर्षों में विकसित हुए क्षेत्रों तथा 200 वर्ष पुराने बाजारों, अमीनाबाद, यहियागंज, चैक एवं अकबरी गेट को कुछ दिनों में पूरी तरह व्यवस्थित कर देना व्यावहारिक नहीं है। यदि सभी सरकारी भवनों का निष्पक्ष फायर सेफ्टी ऑडिट कराया जाए तो अनेक कमियां सामने आ सकती हैं। ऐसी स्थिति में संपूर्ण दायित्व केवल व्यापारी वर्ग पर डालना न्यायसंगत नहीं होगा। मिश्र जी ने सुझाव दिया कि चरणबद्ध तरीके से आवश्यक सुधार किए जाएं जिससे समाज में अनावश्यक भय और अव्यवस्था न फैले। अमरनाथ मिश्र ने बताया कि अंग्रेजों के समय से पुराने लखनऊ के विभिन्न बाजारों में फायर हाइड्रेंट स्थापित थे। जो लगभग 1990 के दशक तक सक्रिय रहे। बाद में सड़क निर्माण के दौरान अधिकांश फायर हाइड्रेंट जमीन के नीचे दब गए। पिछले लगभग 10 वर्षों से मैं एवं लखनऊ व्यापार मंडल संबंधित विभागों से इन फायर हाइड्रेंटों का नवशा उपलब्ध कराने का अनुरोध करते आ रहा है ताकि व्यापार मंडलों द्वारा अपने संसाधनों से उन्हें पुनर्जीवित करा सके किंतु आज तक कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिला। उन्होंने कहा कि लखनऊ की अधिकांश आबादी संकरी गलियों में रहती है। यदि पुराने फायर हाइड्रेंट पुनः चालू कर दिए जाएं तथा नई पाइपलाइन की व्यवस्था हो जाए तो अग्निशमन वाहनों को पानी लेने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और घटनास्थल पर ही तत्काल पानी उपलब्ध हो सकेगा जिससे आग पर शीघ्र नियंत्रण पाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि वर्षों से अनेक कॉम्प्लेक्स बनते रहे लोगों ने दुकानें खरीदीं एवं व्यवसाय शुरू किए तथा संबंधित विभागों से व्यवसायिक विद्युत कनेक्शन, जल कनेक्शन, जीएसटी पंजीकरण, फूड लाइसेंस सहित अन्य सभी अनुमतियां प्राप्त होती रहीं। यदि किसी भवन में गंभीर कमियां थीं तो संबंधित विभागों ने समय रहते उन्हें क्यों नहीं रोका यदि कोई भवन वास्तव में असुरक्षित था तो उसकी रजिस्ट्री एवं अन्य अनुमतियां कैसे जारी होती रहीं। लखनऊ व्यापार मंडल का सुझाव है कि व्यापारियों एवं संबंधित विभागों के बीच संयुक्त बैठक कर व्यवहारिक एवं सर्वमान्य समाधान निकाला जाए। जहां आवश्यक हो वहां अग्नि सुरक्षा उपकरण लगाए जाएं फायर हाइड्रेंट सक्रिय किए जाएं तथा जिन पुराने भवनों में भूमिगत जल भंडारण जैसी व्यवस्थाएं संभव नहीं हैं, वहां उपलब्ध विकल्पों के अनुसार सुरक्षा उपाय लागू किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि व्यापारी सुरक्षा उपायों के लिए आर्थिक सहयोग देने को भी तैयार हैं लेकिन एक तरफा कार्रवाई एवं नोटिस चस्पा करने की प्रक्रिया उचित नहीं है। प्रशासन को संवाद एवं सहयोग की भावना से आगे बढ़ना चाहिए। अमरनाथ मिश्र ने कहा कि अग्निकांड की सूचना वायरलेस के माध्यम से पुलिस को भी तत्काल प्राप्त हो जाती है। ऐसी स्थिति में पुलिस का दायित्व है कि वह तुरंत सड़क को जाममुक्त कर अग्निशमन वाहनों के लिए निर्बाध मार्ग उपलब्ध कराए ताकि राहत एवं बचाव कार्य में विलंब न हो। उन्होंने कहा कि पूर्व में ब्रजेश पाठक के प्रयास से अमीनाबाद में फायर स्टेशन स्थापित कराया गया था। किंतु आज उसी के बाहर सड़क तक अतिक्रमण है। जहां वेंडिंग जोन अनुमन्य नहीं है वहां भी अतिक्रमण बना हुआ है। आज तक सरकार समुचित वेंडिंग जोन विकसित नहीं कर सकी है। ई.रिक्शा संचालन, अवैध पार्किंग तथा सड़क प्रबंधन जैसी समस्याओं का भी स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। ऐसे में केवल व्यापारियों के विरुद्ध कार्रवाई करना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि फायर सेफ्टी मानकों के अनुसार अग्निशमन वाहनों में आधुनिक उपकरण जैसे वॉल कटर शटर कटर एवं अन्य आवश्यक बचाव उपकरण उपलब्ध होने चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पुलिस एवं अग्निशमन विभाग के पास पर्याप्त फायर सूट आधुनिक उपकरण एवं प्रशिक्षित संसाधन उपलब्ध हों। इन आवश्यकताओं पर भी उतना ही ध्यान दिया जाना चाहिए जितना व्यापारियों पर कार्रवाई करने में दिया जा रहा है। अंत में उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन केवल नोटिस जारी कर व्यापारियों पर कार्रवाई करता रहा और संबंधित विभागों की जवाबदेही तय नहीं की गई तो इससे भ्रष्टाचार एवं अवैध वसूली को बढ़ावा मिलेगा। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। यदि यही रवैया जारी रहा तो व्यापारी आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे तथा प्रतीकात्मक रूप से अपनी दुकानों की चाबियां प्रशासन को सौंपने पर भी विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि इस त्रासदी से सबक लेते हुए दोषारोपण की राजनीति छोड़कर प्रशासन व्यापारी एवं समाज को मिलकर ऐसा स्थायी एवं व्यवहारिक समाधान निकालना चाहिए जिससे भविष्य में ऐसी किसी भी दुखद घटना की पुनरावृत्ति न हो।

संपादकीय

शांति के लिए प्रमुख जातीय समूहों के साथ संवाद जरूरी

देश के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में पिछले तीन वर्षों से जारी जातीय हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। घात लगाकर हमले, अपहरण, हत्याएं और विरोध प्रदर्शन यहां की सामान्य स्थिति बन चुके हैं। राज्य कई जातीय प्रभाव क्षेत्रों में बंट चुका है और हाल की घटनाओं ने यह संकेत दिया है कि संघर्ष अब और अधिक जटिल होता जा रहा है। कुछ दिन पहले ही नागा समुदाय के कई लोगों का अपहरण किया गया, जिनमें से दो के क्षत-विक्षत शव बरामद हुए। पिछले कुछ सप्ताहों में मैतेयी और कुकी समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष में तीसरे प्रमुख समुदाय नागा भी प्रत्यक्ष रूप से शामिल हो गया है। मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्रों में निवास अधिकार और क्षेत्रीय नियंत्रण को लेकर कुकी और नागा समुदायों के बीच झड़पें हुई हैं। 13 मई को हुए एक घातक हमले में तीन कुकी चर्च नेताओं सहित एक दर्जन से अधिक लोगों की जान गई जब कि कई लोगों का अपहरण कर लिया गया। इसे मई 2023 के बाद का सबसे गंभीर हिंसक दौर माना जा रहा है, जब मैतेयी और कुकी समुदायों के बीच हुई हिंसा में सैकड़ों लोगों की मौत हुई थी। हिंसा को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने अर्धसैनिक बल तैनात किए, लेकिन स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी। मैतेयी समुदाय मुख्यतः इंफाल और आसपास के मैदानी इलाकों में रहता है, जबकि कुकी समुदाय की आबादी अधिकतर पहाड़ी क्षेत्रों में है। दोनों समुदायों ने अपने-अपने प्रभाव वाले सुरक्षित क्षेत्र बना लिए हैं और हजारों लोग अब भी विस्थापित जीवन जीने को मजबूर हैं। हिंसा की प्रत्येक नई घटना के लिए दोनों पक्ष एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते रहे हैं। राज्य को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर अनेक स्थानों पर सुरक्षा चौकियां, कंटीले तारों से घिरे संवेदनशील क्षेत्र और हमलों की आशंका आज भी सामान्य दृश्य हैं। हजारों विस्थापित लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं और सरकारी सहायता पर निर्भर हैं। फरवरी 2026 में राष्ट्रपति शासन हटाकर युमनाम खेमचंद सिंह के नेतृत्व में फिर से निर्वाचित सरकार को सत्ता सौंपी गई थी। इससे पहले फरवरी 2025 में राज्य सरकार की कानून-व्यवस्था संभालने में विफलता के बाद राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। उम्मीद थी कि नई व्यवस्था के साथ हालात सुधरेंगे, लेकिन हिंसा और असुरक्षा का सिलसिला जारी रहा। मई 2023 से शुरू हुई जातीय हिंसा में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 60 हजार लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। अनेक गांव, कारोबार और धार्मिक स्थल नष्ट हो चुके हैं तथा राज्य जातीय आधार पर विभाजित हो चुका है। एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडिया के बोर्ड अध्यक्ष ने कहा है कि हाल के अपहरण और हत्याएं स्थिति की गंभीरता को और बढ़ाती हैं। अपहरण के लिए जिम्मेदार सशस्त्र समूहों को सभी बंधकों को तत्काल रिहा करना चाहिए तथा लापता लोगों की जानकारी उनके परिवारों को उपलब्ध करानी चाहिए। नागरिकों को किसी भी जातीय या राजनीतिक संघर्ष में निशाना बनाना या उन्हें बंधक बनाना स्वीकार्य नहीं है। मानवाधिकार संगठनों ने राज्य सरकार से सभी बंधकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने, निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। उसके अनुसार हाल के दिनों में लगभग 20 लोगों के अपहरण की घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें अधिकांश पीड़ित कुकी और नागा समुदायों से हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत नागरिकों का अपहरण और उन्हें बंधक बनाना गंभीर अपराध माना जाता है। एमनेस्टी इंटरनेशनल का यह भी कहना है कि मणिपुर सरकार को केवल तात्कालिक सुरक्षा उपायों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सभी पक्षों द्वारा किए गए अपराधों की निष्पक्ष जांच, पीड़ितों को न्याय और क्षतिपूर्ति, मानवाधिकारों की सुरक्षा तथा संघर्ष के मूल कारणों के समाधान के लिए ठोस और दीर्घकालिक कदम उठाना आवश्यक है। इस मसले में केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया भी अपेक्षित स्तर की नहीं रही। प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष सितंबर में मणिपुर का संक्षिप्त दौरा किया था, जबकि केंद्र सरकार लगातार यह रुख अपनाती रही कि अधिकांश हिंसा शुरुआती महीनों में हुई थी। हाल की घटनाएं बताती हैं कि राज्य में शांति अब भी स्थापित नहीं हो सकी है। लगभग तीन वर्षों से हिंसा की चपेट में रहे मणिपुर की स्थिति यह स्पष्ट करती है कि केवल सुरक्षा बलों की तैनाती पर्याप्त नहीं है। जब तक मैतेयी, कुकी, नागा और अन्य संबंधित समुदायों के बीच विश्वास बहाली, राजनीतिक संवाद और स्थायी समाधान की दिशा में गंभीर पहल नहीं होगी, तब तक हिंसा का यह दुष्चक्र समाप्त होना कठिन दिखाई देता है। यही कारण है कि अब सभी प्रमुख जातीय समूहों के साथ नए सिरे से व्यापक और भरोसेमंद वार्ता शुरू करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड

बड़े सोच के पैरामीटर भी बड़े करने होंगे, वरना धरातल पर आकर योजनाओं का बिखराव ही होगा। हिमाचल की दृष्टि में माई बाप मानने की संगत और ऐसी सियासत पैदा हुई है कि सारे हुजूर सत्ता में नजर आते हैं। इसलिए यहां भी वोट का आरक्षण फरियादी हो कर गारंटियां मांगता है। यहां निर्णायक होने की वजह सरकार से प्राप्तियां हैं और इसीलिए समीक्षाएं अकसर फेस वैल्यू पर होती हैं। हिमाचल के सामर्थ्य का दोहरा विभाजन है। एक ओर हम यह चाहते हैं कि सरकारें कर्ज न उठाएं, तो दूसरी ओर मुफ्त बंटवारे का फर्ज निभाएं। ऐसे में सत्ता और विपक्ष के बीच केवल एक जीत का अंतर सारे नक्शे नहीं बदल पाता, बल्कि बही खातों का बहाव बरकरार रहता है। बहरहाल चुंबकीय आकर्षण यह कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पिछड़ेपन के पत्तन तोड़ कर बड़ा भंगाल पहुंचे, तो कारवां महिलाओं तक पहुंच गया। मुख्यमंत्री ने अपने कर्म और फर्ज का युक्तिकरण करते हुए अतिदुरुह क्षेत्रों के पत्थर तोड़े हैं और इसी कड़ी को बड़ा भंगाल से जोड़ते वह वचनबद्धता का रिपोर्ट कार्ड टांग देते हैं। सवाल यह भी है कि सरकार के मायने सिर्फ इतने ही बचे हैं कि हिमाचली समाज अपने ही स्वार्थ की आरती उतारे। बड़ा भंगाल में पंद्रह सौ रुपए की पुडिया में सदियों का मर्म छुपा है, कोई ताकीद करे कि इस तरह रहम बहता है। कई दृष्टि से हिमाचल में बड़ा भंगाल अति पिछड़ा हो जाता है। जब सर्दियों के मौसम में बर्फ की सफेद चादर के नीचे दर्द की पट्टी उभरती है, तो कनेक्टिविटी के लिहाज से यह क्षेत्र लाहौल-किन्नौर से अति दुष्कर नजर आता है, तो क्या कोई एक सुरंग यहां के पथ को हमेशा बहाल नहीं कर सकती। बड़ा भंगाल की गुल्लक बैजनाथ में आकर खाली होती है, तो इसे हमेशा भरा हुआ रखने के लिए मख्यमंत्री का शपथपत्र काम आएगा। दरअसल आर्थिक दुरुहता के खिलाफ राज्य की प्राथमिकताएं कम विकसित क्षेत्रों पर आकर ही तय होंगी और इस दृष्टि से रात्रि विश्राम की पहल करके मुख्यमंत्री सुक्खू ने पांगी-बड़ा भंगाल जैसे इलाकों की नब्ज टटोली है। इसी परिप्रेक्ष्य में कभी बीबीएन जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में मुख्यमंत्री का रात्रि विश्राम, कई खामियों को दुरुस्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री अगर शिमला की तर्ज पर जिला मुख्यालयों, प्रमुख शहरों व धार्मिक नगरियों में सुबह की सैर करें, तो मालूम होगा कि कितने आवारा पशु शहरों के अमन को बर्बाद कर रहे हैं या बंदरों के नाच ने नागरिकों का जीना हराम किया है। आश्चर्य यह कि जिलाधीश कार्यालयों में जहां फूल उगने चाहिएं, वहां खड़पतवार चिढ़ा रहे होते हैं। ट्रैफिक जाम में कई कस्बे फंसे रहते हैं। इतना ही नहीं जो क्षेत्र स्थानीय निकायों के हवाले होने चाहिएं, वहां पंचायतें सिर्फ नागरिकों को मुजरिम बना रही होती हैं। उदाहरण के लिए छावनी क्षेत्रों से आजाद होकर अगर दशकों की शहरी परिपाटी को पंचायतों में बांटा जा रहा है, तो यह लज्जाजनक उपलब्धि है। सबसे बड़े योल छावनी से नागरिक क्षेत्र बाहर करके न जाने किस सियासत की संतुष्टि हुई, लेकिन अब चार पंचायतों में विघटित क्षेत्र गंदगी, नागरिक सुविधाओं की अफरातफरी और मूलभूत सुविधाओं की योजनाओं में दरिद्र हो गए।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम कैसे बिखर रहा है

> इस्लामाबाद मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर की स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि फारस की खाड़ी में एक बार फिर मिसाइलें और ड्रोन उड़ने लगे। वाशिंगटन और तेहरान के बीच एक हफ्ते के जवाबी हमलों नेकृजिसमें लेबनान पर इजराइल की निर्मम बमबारी भी शामिल रहीकृ यह साबित कर दिया

असद मिर्जा

इस्लामाबाद मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर की स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि फारस की खाड़ी में एक बार फिर मिसाइलें और ड्रोन उड़ने लगे। वाशिंगटन और तेहरान के बीच एक हफ्ते के जवाबी हमलों नेकृजिसमें लेबनान पर इजराइल की निर्मम बमबारी भी शामिल रहीकृ यह साबित कर दिया कि जून 2026 का अमेरिका-ईरान युद्धविराम एक नाजुक ढांचा है, जो वास्तविक रणनीतिक सहमति के बजाय महज कूटनीतिक थकान के सहारे टिका हुआ है। जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने 17 जून 2026 को इस्लामाबाद मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर किए तो दुनिया को एक उम्मीद भरी तस्वीर दिखाई दीरू 2003 की इराक जंग के बाद मध्य पूर्व का सबसे खतरनाक सैन्य टकराव आखिरकार थमता नजर आया। पाकिस्तान और कतर की महीनों की मध्यस्थता से तय हुए इस समझौते ने 2026 की ईरान जंग के स्थायी अंत के लिए बातचीत हेतु 60 दिवसीय युद्धविराम का ढांचा स्थापित किया।

लेकिन दो हफ्ते भी नहीं बीते कि यह सपना चकनाचूर हो गया कृ टूटे वादों, ईरानी उकसावों, इजरायली अड़ियलपन, और एक ऐसे अमेरिकी राष्ट्रपति के अस्थिर मिजाज की भेंट चढ़ गया जो एक दिन ईरान को नेस्तनाबूद करने की धमकी देता है और अगले दिन व्यापारिक प्रलोभन पेश करता है। युद्धविराम जो कभी था ही नहीं-मौजूदा संकट को समझने के लिए यह देखना जरूरी है कि युद्धविराम अपने शुरुआती दौर से ही कितनी लड़खड़ाहट के साथ चला है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में 7-8 अप्रैल 2026 को तय हुए दो हफ्ते के शुरुआती युद्धविराम को दोनों पक्षों ने लगभग तुरंत तोड़ दिया। कम तीव्रता की झड़पें कभी नहीं रुकीं। ट्रंप ने 21 अप्रैल को युद्धविराम को श्अनिश्चितकालश् के लिए बढ़ा दिया, फिर भी अमेरिकी सेना ने मई में ईरान में ठिकानों पर हमले किए। ईरान ने शिपिंग को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई की। हर पक्ष ने दूसरे को पहल करने का दोषी ठहरायाय और दोनों ही सही थे। 17 जून का मेमोरेंडम इस चक्र से बाहर निकलने का रास्ता होना था। इसके बजाय उसने इस चक्र को और तेज कर दिया। 26 जून को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने होर्मुज जलडमरूमध्य में एक ड्रोन से सिंगापुर के झंडे वाले मालवाहक जहाज को निशाना बनाया। अमेरिकी नौसेना और वायुसेना के विमानों ने जलडमरूमध्य के आसपास ईरान के दस सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें निगरानी का बुनियादी ढांचा, संचार प्रणालियां, वायु रक्षा केंद्र, ड्रोन भंडारगृह और बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमता शामिल थी। ईरान के विदेश मंत्रालय ने इन हमलों को 18 जून के मेमोरेंडम का स्पष्ट उल्लंघन करार देते हुए कहा कि इससे जाहिर होता है कि अमेरिकी सरकार अपनी प्रतिबद्धताओं की कोई परवाह नहीं करती। इसके बाद ईरान ने कुवैत में अली अल-सलेम वायु अड्डे और बहरीन में अमेरिकी पांचवें बेड़े के मुख्यालय पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे। 28 जून तक दोनों पक्ष नई वार्ता से पहले हमले रोकने पर राजी हो गए कृ मगर यह सहमति अप्रैल के युद्धविराम के बाद सबसे भीषण दो दिनों के जवाबी हमलों के बाद बनी। यह युद्धविराम नहीं है।

यह एक काबू में लाई गई तनावपूर्ण स्थिति है जो कूटनीति का लबादा ओढ़े हुए है। नेतन्याहू एक सहयोगी जो तोड़फोड़िया बन गया अमेरिका-ईरान के नाजुक कूटनीतिक ढांचे को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाने वाला अगर कोई है तो वह इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हैं। जैसे-जैसे शांति वार्ता ने रफ्तार पकड़ी, इजरायल लेबनान में उलटी दिशा में बढ़ता रहा, जहां उसकी हिज्बुल्लाह के खिलाफ जंग इतनी भीषणता से जारी रही कि चार हजार से अधिक लोग मारे गए, दस लाख से ज्यादा विस्थापित हुए और दक्षिणी लेबनान के दर्जनों गांव मलबे में तब्दील हो गए। ईरान ने हमेशा एक मांग को गैर-शर्ती रखा किसी भी व्यापक समझौते में लेबनान पर इजरायली हमलों का अंत शामिल होना चाहिए। नेतन्याहू ने उतनी ही दृढ़ता से इनकार किया, यह मतभेद महज रणनीति का नहीं, बल्कि कहीं ज्यादा गहरा है। मई के आखिर की रिपोर्टों के मुताबिक नेतन्याहू और उनका करीबी दायरा उभरते अमेरिका-ईरान समझौते को निजी बैठकों में श्विनाशकारीश् करार देते हैं कृ इस आशंका से कि यह ईरान की क्षेत्रीय हैसियत बहाल करेगा, जमे हुए संपत्तियां आजाद करेगा, और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को अस्पष्ट छोड़ देगा, खत्म नहीं करेगा। ट्रंप का डांवाडोल रवैया-अमेरिकी रणनीति की बुनियादी समस्या उसके शीर्ष की असंगति है। केवल 23 मार्च से 9 जून के बीच ट्रंप ने कम से कम 38 बार दावा किया कि ईरान के साथ समझौता करीब है। उन्होंने ईरान को बिना शर्त आत्मसमर्पण की धमकी दी, फिर जमे हुए ईरानी संपत्तियां ईरानी जनता के लिए अमेरिकी अनाज खरीदने में इस्तेमाल करने की पेशकश की। उन्होंने मार्च के आखिर में घोषणा की कि अमेरिका ने जंग श्जीत लीश् जबकि ईरानी मिसाइलें बरसती रहीं। उन्होंने 21 जून को फोर्डो, नतांज और इस्फहान के परमाणु केंद्रों पर हमलों का आदेश दियाकृ और तीन दिन बाद युद्धविराम का ऐलान कर दिया। यह जानबूझ कर अपनाया गया रणनीतिक अस्पष्टता का हथियार नहीं हैय यह एक ऐसे नेता की अनियमित उपज है जो कोई सुसंगत मंजिल सामने रखे बिना आगे बढ़ रहा है। ईरान को हमले जारी रहने पर सैन्य तरीके से काम पूरा करने की ट्रंप की धमकियां और यह चेतावनी कि ईरानी सरकार अस्तित्व में नहीं रह सकती एक साथ अवरोधक का काम भी करती हैं और ईरानी कट्टरपंथियों को और सख्त भी बनाती हैं।

एआई विकास में मानवीय पहलू को मिले तरजीह

एआई विकास में मानवीय पहलू को मिले तरजीहमानवता के लिए एआई के करिश्माई फायदे सामने आ रहे हैं। यह तकनीक स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सक्षम है लेकिन इससे प्राइवेसी, रोजगार, असमानता और मानवीय मूल्यों से जुड़े खतरे भी हैं। विशेषज्ञों व नीति नियंताओं का दायित्व है कि एआई के उपयोग में मानवीय गरिमा तथा प्रभावी वैश्विक नियमन को प्राथमिकता मिले। मानवता की सेवा में विज्ञान और नवाचार की असीम संभावनाओं का उपयोग करते हुए, मानव इतिहास के सबसे अहम दौर में, एआई क्रांति एक परिवर्तनकारी क्षण के रूप में दिखाई देती है। प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व चुनौतियों से निबटने में सशक्त बनाने वाली इसकी क्षमता उपलब्धियों पर गर्व करने को जायज ठहराती है, वह उपलब्धि जिससे देवता तक ईर्ष्या करें, जो मानवता की संयुक्त आविष्कारक क्षमता का सम्मान है। दोहराव वाले ऊबाऊ कार्यों का स्वचालन कर फुर्सत के लिए समय उपलब्ध कराना, जरूरी सेवाओं तक पहुंच बढ़ाना, चिकित्सा में नई खोजें, दीर्घायु बनाना और बेहतर स्वास्थ्य सेवा यकीनी बनाना, जिसमें कैंसर जांच और घातक बीमारियों का पूर्वानुमान भी शामिल है, रोगियों की रोबोटिक देखभाल, वंचित वर्गों को मदद का अधिक प्रभावी और लक्षित वितरण, सभी के लिए शिक्षा और ज्ञान तथा आपदा प्रबंधन व मौसम पूर्वानुमान सहित अनेक तरीकों से पर्यावरण सततता बनाने में व्यापक योगदान, ये सभी अधिक समावेशी विकास उद्देश्य की दिशा में एआई के कुछ सबसे अहम योगदान हैं। फिर भी, मानव समाज के भविष्य और 'बुद्धिमत्ता की नियति' से जुड़े प्रश्नों पर दार्शनिकों, वैज्ञानिकों, नेताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के बीच बहस जारी है। इनमें से कुछ उस एआई के भावी विकास व क्रियान्वयन पर विराम लगाने की अपील करते हैं, जो हमारी मानवता की अवधारणा को ही अपहृत कर सकती हो। वहीं एआई समर्थकों के दावे हैं कि इसकी मदद से वस्तुओं एवं सेवाओं की 'अद्भुत प्रचुरता' बनेगी और चेतावनी देते हैं कि नियमन से वैज्ञानिक प्रगति धीमा करने से उन अहम प्रश्नों का सामना करना पड़ेगा जो मानवीय संवेदनाओं और सहस्राब्दियों तक चली सांस्कृतिक विकास-यात्रा के जरिये हमारे अस्तित्व की गहराइयों में समाहित भावनाओं के आधार पर नैतिक सुरक्षा-सीमाओं की आवश्यकता रेखांकित करते हैं। हम कौन हैं, और क्या हम मानवता के ऐसे नए नैरेटिव के लिए तैयार हैं जिसमें कार्यात्मक दक्षता और वादे मुताबिक भौतिक समृद्धि, मानवीय आकांक्षाओं व भावनाओं की गरिमा पर हावी हो जाए, यह एक अपरिहार्य प्रश्न है, जिसने तकनीकी चमत्कारों के आकर्षण में बहने को रोके रखा है। यह इसलिए अहम है कि एआई तकनीक मानवीय भावनाओं और अंतर्ज्ञान को समझने सहित संज्ञानात्मक कौशलों की नकल कर सकती है, व कई बार बेहतर प्रदर्शन भी कर सकती है। क्या हम अनंत तकनीकी उथल-पुथल और रोजगार बाजार में दीर्घकालिक अस्थिरता से पैदा 'तनाव की वैश्विक महामारी' के लिए तैयार हैं, साथ ही 'बेकार' हुए करोड़ों लोगों की अनुमानित भीड़ के लिए, जिसे तकनीकी परिवर्तन के प्रभावों से तालमेल बैठाने में असहनीय तनाव झेलना पड़ेगा? क्या हमारे पास ऐसे सामाजिक-आर्थिक मॉडल हैं जो व्यक्ति का आत्मसम्मान बचा पाएं और सबके लिए अपनत्व व भावनात्मक कल्याण से पूर्ण जीवन यकीनी बनाएं? ये दार्शनिक प्रश्न इंसानी नजरिये से पैदा होते हैं, जिसकी नींव मानवीय मूल्यों पर टिकी है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है कि 'मन के उस गुप्त क्षेत्र को कैसे सुरक्षित रखा जाए, जहां से भावनाएं जन्मती हैं, प्रेरणा बहती है, व इच्छाएं स्पंदित होती हैं- मानवीय आत्मा का वह आत्मपरक पक्ष जो हम सब को अनिवार्यतरू वह बनाता है, जो हम हैं'। डेटा गोपनीयता की कमजोरियां, दुष्प्रचार का प्रसार, चुनावी हेराफेरी, सुपर इंटेलिजेंट हथियार प्रणालियों के नियंत्रण से बाहर हो जाने की संभावना, एआई-सक्षम फिशिंग मुहिम तथा निगरानी एवं सेंसरशिप- ये कुछ भयावह संकेत हैं जो किसी प्रभावी वैश्विक नियामक के अभाव में सामाजिक उथल-पुथल की वजह बन सकते हैं। राष्ट्र और राज्यों की डिजिटल संप्रभुता बनाए रखना चुनौती है, क्योंकि डेटा पर नियंत्रण राष्ट्रीय सुरक्षा और देशों की रणनीतिक स्वायत्तता से जुड़ा है। इसलिए, एआई की वह दुनिया, जो मानवता का भविष्य बदलने में सक्षम है, उसे ऐसी नैतिक दृष्टि चाहिये जो तकनीकी प्रगति का तालमेल अच्छे और खुशहाल समाज की जरूरतों से बिठा सके। अति आत्मविश्वास बोध को टेरी ईगलटन ने ऐसे व्यक्त किया: 'अति आत्म-विश्वास अंततः विनाशकारी होता है, जिसने प्राचीन यूनानियों को भय के चलते आकाश की ओर देखने पर विवश कर दिया था'। स्पेनी दार्शनिक जोसे ओर्तेगा वाई गासेट याद दिलाते हैं 'हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जब मनुष्य स्वयं को बेहद सक्षम मानता है, परंतु उसे नहीं पता कि क्या सृजित करे। वह सबका स्वामी है, किंतु खुद का नहीं। पहले से अधिक साधन, ज्ञान और तकनीक होने के बावजूद, आज की दुनिया भी उसी दिशा में जा रही जिस दिशा में अब तक की सबसे बुरी दुनिया गई थी'। 'एआई के युग में मानव की व्यक्तिगत रक्षा' शीर्षक से पोप लियो चौदहवें का धर्मादेश-पत्र एआई से जुड़े मानवतावादी द्वंद्वों पर नैतिक बहस को व्यक्त करता है। यह स्वीकार करते हुए कि प्रौद्योगिकी मानवता की विरोधी नहीं, पोप ने बल दिया है कि एआई के इस युग में, जब मानव गरिमा अमानवीकरण के नए रूपों से संकटग्रस्त है, तब हम 'गहराई से मानवीय' बने रहें। व्यक्ति की गरिमा के आधार पर नैतिक विवेक के मानदंड स्थापित करने की जरूरत बताते हुए, सम्माननीय पोप ने 'केवल अपनी चलवाने' वाला भ्रम बनाने के विरुद्ध चेताया और ऐसी प्रगति के प्रति सावधान किया जो असमानता बढ़ाती हो तथा लोगों के दुख न हर सके। उन्होंने 'लाभ की पूजा, जो कमजोरों की बलि लेती होय ऐसी एकरूपता, जो भिन्नता को निष्प्रभावी करेय और यह दिखावा कि एक ही भाषा, डिजिटल भी, में सबकुछ अनुवादित किया जा सके, इसमें व्यक्ति के रहस्य को आंकड़ों में बदलना शामिल है', उसे नामंजूर करने का आह्वान किया है। पूज्य पोप के ये बयान ऐसी दुनिया के लिए नैतिक निर्देश हैं, जिसे अपनी रचनाओं से परे इंसानियत की शान और भव्यता और एआई की भावनात्मक, रिश्तों या आध्यात्मिक क्षमताओं से जुड़ी सीमाएं याद दिलाना जरूरी है।

मेष:- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। नये लक्ष्य व कायरें में व्यस्त रहेंगे। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रम का पूरा लाभ प्राप्त होगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

बृषभ:- रोजगार में लाभकारी स्थिति मन को प्रसन्न रखेगी। सामाजिक कायरे में व्यस्त रहेंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। कुछ नये संबंधों के प्रति मन उत्साहित होगा।

मिथुन:- वाक्यपटुता व व्यवहार कुशलता से संबंधों में प्रभावी होंगे। भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु मन केंद्रित होगा। परिवार में खुशहाल स्थिति रहेगी।

कर्क:- कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुबिधाग्रस्त होगा। भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक बनेगी। अतरू इसे सुधारें। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कायरे को समय से पूर्ण करें।

सिंह:- नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कार्यक्षेत्र में अनवरत् व्यस्तता रहेगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरे की पूर्ति में विलम्ब कतई न करें।

कन्या:- कोई नयी इच्छा मन पर प्रभावी होगी। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

तुला:- निराशावादी विचार योजनाओं की सार्थकता में बाधक हैं। एक साथ कई सारी चिंताओं से मन ग्रसित होगा। अभिभावको एवं श्रेष्ठजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। घर में प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक:- नई प्रतिभाएं उजागर होंगी। प्रिय लोगों का सानिध्य प्राप्त होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में उसके परिणाम हेतु चिंतित होगा। रोजगार में स्थिति अनुकूल होगी। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

धनु:- कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। सभी इच्छाओं को सकार करने से पूर्व गहन सोच-विचार करें। आकस्मिक यात्रा की योजना बन सकती है।

मकर:- मर्यादा व पद का ख्याल रखते हुए अपने उच्छृंखल मन पर नियन्तणरखें। आकस्मिक कोई सुखद समाचार से मन प्रसन्न होगा। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कुंभ:- महत्वपूर्ण कायरें की पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा। प्रतिभाओं पर भरोसा रख अपने महत्वपूर्ण लक्ष्यों को फलीभूत करने हेतु केंद्रित हों। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

मीन:- नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। काफी दिनों से अवरोधित कोई कार्य हल होने की संभावना है। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें।

सेशल्स दौरे का हासिल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन दिनों के विदेश दौरे से सोमवार को वापस लौट आए हैं। हिंद महासागर के छोटे से द्वीपीय देश सेशल्स में मोदीजी का सप्ताहांत गुजरा। साढ़े चार सौ वर्गकिलोमीटर के छोटे से क्षेत्रफल और डेढ़ लाख से भी कम आबादी वाले इस देश में तीन दिनों का लंबा वक्त मोदीजी ने क्यों गुजारा, यह जानने की इच्छा है। क्योंकि इस समय देश में एक साथ कई समस्याएं सिर उठाए हुए हैं। पेपर लीक की घटनाएं और तनाव के कारण छात्रों की आत्महत्या का सिलसिला नहीं थम रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी का धरना-प्रदर्शन जंतर-मंतर पर चल रहा है, सोनम वांगचुक रविवार से अनशन पर बैठ चुके हैं। राम मंदिर में करोड़ों का चढ़ावा आर-पार हो गया और श्रद्धालु अपनी आस्था पर हमले से दुखी हैं। गर्मी और बारिश दोनों का कहर आम जनजीवन को संकट में डाल रहा है। अरुणाचल प्रदेश में स्थानीय जनता से फिर आगाह किया है कि चीन फिर जमीन हड़प रहा है। इन चौतरफा मुसीबतों के बीच अगर बहुत जरूरी था तो प्रधानमंत्री सेशल्स के 50वें स्वतंत्रता दिवस के समारोह में शामिल होकर एक दिन में लौट सकते थे। बता दें कि इस समारोह के मुख्य अतिथि नरेन्द्र मोदी थे। सेशल्स के राष्ट्रपति डॉक्टर पैट्रिक हर्मिनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वहां का सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्डियन ऑफद ब्लू होराइजन से सम्मानित किया। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, श्मैं इस सम्मान को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं और इसे उन सभी देशों को समर्पित करता हूं जो जलवायु परिवर्तन की चुनौती से लड़ रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण को भावी पीढ़ियों के प्रति अपनी दायित्व मानते हैं। प्रधानमंत्री मोदी को अब तक करीब 35 देश इसी तरह सम्मानित कर चुके हैं, भाजपा समर्थक इसे ही विश्वगुरु बनने की निशानी मानते हैं। हालांकि सेशल्स ने जो सम्मान मोदीजी को दिया है, वो इसी साल ही बना है और मोदीजी उसे पाने वाले पहले व्यक्ति हैं। इस सम्मान का जो पत्र सोशल मीडिया पर दिखाया जा रहा है, उसमें अंग्रेजी वर्तनी की ढेर सारी गलतियां हैं, सेशल्स और रिपब्लिक तक गलत वर्तनी के साथ लिखे गए हैं। इसकी सच्चाई क्या है, इस बारे में विदेश मंत्रालय ज्यादा प्रकाश डाल सकता है। लेकिन असली मुद्दा यह है कि मोदी के सेशल्स के दौरे से देश को क्या हासिल होने जा रहा है। ध्यान रहे कि मॉरिशस की तरह सेशल्स भी प्रमुख श्टैक्स हेवनश् (कर चोरों का स्वर्ग) है जो विदेशी कंपनियों और निवेशकों को शून्य कर लाभ और उच्च स्तरीय वित्तीय गोपनीयता प्रदान करता है। मनी लॉन्ड्रिंग और कर पारदर्शिता की चिंताओं के कारण सेशल्स को कई अंतरराष्ट्रीय निगरानी संस्थाओं की श्ग्रे लिस्टश् में रखा गया था। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं में अक्सर जो व्यापार सौदे और समझौते होते हैं, उनमें उनके करीबी बड़े उद्योगपतियों की सुविधाओं और लाभ का ही खास ध्यान रखा जाता है, क्या सेशल्स दौरे में भी ऐसा ही कुछ होगा, इसका पता निकट भविष्य में लग ही जाएगा। वैसे सेशल्स के साथ भारत के संबंध शुरु से अच्छे रहे हैं। भारत ने कई बार सेशल्स की आर्थिक, सामरिक मदद की है और 1986 में जब सेशल्स के तत्कालीन रक्षा मंत्री ओगिल्वी बर्लुइस के नेतृत्व में राष्ट्रपति फ्रांस-अल्बर्ट रेने के खिलाफ तख्तापलट की कोशिश हुई तो भारत के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इसे रुकवाया था। राजीव गांधी रक्षा मंत्री भी थे और उनके कहने पर नौसेना प्रमुख एडमिरल आरएच तहिलियानी की देखरेख में तख्तापलट की कोशिशों को नाकाम किया गया। भारत ने इस गुप्त ऑपरेशन को फ्लावर्स आर ब्लूमिंग का कोडनेम दिया था। असली विश्वगुरु ऐसा ही होता है, जो बिना किसी तामझाम, दिखावे या बड़बोलेपन के अपना प्रभाव दुनिया पर लंबे वक्त तक छोड़ देता है। नेहरूजी से लेकर मनमोहन सिंह तक तमाम प्रधानमंत्रियों के नेतध्व में दुनिया के कई छोटे, शक्तिहीन देशों की रक्षा भारत ने इसी तरह की है। इन पूर्व प्रधानमंत्रियों को कितने देशों ने सम्मान दिए, इसकी बात कोई नहीं करता, लेकिन इनके कारण वैश्विक हालात किस तरह कई बार संभाले गए, इसे दुनिया आज भी याद करती है। प्रधानमंत्री मोदी चाहते तो इनका ही अनुकरण करके पुरानी विदेश नीति पर चलते, जिससे उनका रसूख भी बढ़ता और भारत का प्रभाव भी। लेकिन इस समय हालात भारत के लिए अनुकूल नहीं दिख रहे, खासकर पड़ोसी देशों के मामलों में। जिस समय प्रधानमंत्री मोदी सेशल्स में थे, पड़ोसी बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान चीन में थे। प्रधानमंत्री बनने के करीब चार महीने बाद तारिक रहमान ने अपनी पहली विदेश यात्रा की, जिसमें उन्होंने सबसे पहले मलेशिया का दौरा किया। इसके बाद वे चीन गए और राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। शेख हसीना की सरकार गिराने के बाद मोहम्मद युनूस के नेतृत्व में जो अंतरिम सरकार बनी थी, तब भारत और बांग्लादेश के संबंध बेहद खराब हो गए थे। लेकिन फिर तारिक रहमान प्रधानमंत्री बने तो यह उम्मीद बंधी कि उनकी पार्टी बीएनपी का रुख पारंपरिक तौर पर भारत के पक्ष में नहीं रहता है, फिर भी संबंध बेहतर होंगे। जब मोदी सरकार ने पूर्व मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश का उच्चायुक्त बनाया, तब यही संकेत दिए गए कि इस नियुक्ति से दोनों देशों के रिश्ते सुधरेंगे, लेकिन ढाका पहुंचने के तुरंत बाद दिनेश त्रिवेदी ने भूपेन हजारिका के एक लोकप्रिय गीत का हवाला दिया, इसमें यह विचार बताया गया कि दोनों देशों का श्आसमान एक है और हवा भी एक हैश। उनकी इस टिप्पणी पर बांग्लादेश में तीखी प्रतिक्रिया हुई। कई लोगों को लगा कि यह श्अखंड भारतश् के विवादित विचार को बढ़ावा देने जैसा है। दरअसल मोदी सरकार में लगातार घुसपैठियों का मुद्दा उठाया जा रहा है, जिसमें बांग्लादेश ही निशाने पर होता है। हिमंता बिस्वासरमा और सुवेन्दु अधिकारी जैसे मुख्यमंत्रियों की भाषा भी इस संबंध में कई बार अपमानजनक होती है।

बाइक सवारों ने लोडर चालक को पीटा, मोबाइल-चाबी और 30 हजार रुपये छीनने का आरोप

जाम में फंसी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की फ्लीट

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। कानपुर रोड पर मंगलवार शाम बाइक सवार दो युवकों और छोटा हाथी लोडर चालक के बीच विवाद के बाद जमकर हंगामा हुआ। आरोप है कि बाइक सवार युवकों ने लोडर चालक से मारपीट कर उसका मोबाइल, वाहन की चाबी और 30 हजार रुपये छीन लिए। घटना के बाद सड़क पर लोडर खड़ा हो जाने से लंबा जाम लग गया, जिसमें उन्नाव से लौट रही पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की फ्लीट भी कुछ देर के लिए फंस गई।कृष्णा नगर एलडीए मोड़ निवासी बबलू प्रजापति ने बताया कि वह मंगलवार शाम अपने साथी सुशील के साथ सरोजनीनगर से ब्रेड की सप्लाई कर लौट रहे थे। अमौसी मेट्रो स्टेशन के पास बाइक सवार दो युवकों ने उनकी गाड़ी रोक ली और बाइक में टक्कर मारने का आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया।बबलू का आरोप है कि विरोध करने पर दोनों युवकों ने उनके साथ मारपीट की और वाहन की चाबी छीन ली। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके साथी सुशील पर भी हमला किया गया, जिसमें उनके सीने पर ब्लेड लगने की बात कही गई है। आरोप है कि हमलावर सुशील का मोबाइल, वाहन की चाबी और 30 हजार रुपये लेकर फरार हो गए।घटना के बाद चालक और उसके साथी ने सड़क पर हंगामा शुरू कर दिया। चाबी छीने जाने से लोडर का स्टेयरिंग लॉक हो गया और वाहन सड़क पर तिरछा खड़ा हो गया, जिससे कानपुर से लखनऊ आने वाले मार्ग पर यातायात बाधित हो गया।सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने किसी तरह वाहन को सड़क से हटवाया। इसी दौरान जाम में फंसी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की फ्लीट को भी कुछ समय बाद निकाला जा सका। घटना के चलते काफी देर तक इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लघु उद्योग व्यापार मंडल ने किया दानवीर भामाशाह जयंती पर सम्मान समारोह का आयोजन

सौरभ त्रिपाठी, प्रदीप मिश्रा, दीपक आर्य एवं अश्विनी वर्मा हुए दानवीर भामाशाह रत्न सम्मान-2026 से सम्मानित

सुलतानपुर। भारत के महान सपूत, राष्ट्रभक्त एवं अद्वितीय दानवीर भामाशाह की जयंती के पावन अवसर पर नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा पंजीकृत संस्था आरपीएस मानव अधिकार फोरम की इकाई लघु उद्योग व्यापार मंडल के तत्वावधान में एक आवश्यक बैठक एवं व्यापारी सम्मान समारोह का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष डी पी गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रदेश सचिव सारथी कसौधन ने किया। इस अवसर पर प्रदेश सचिव सारथी कसौधन ने बताया कि लघु उद्योग व्यापार मंडल गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी दानवीर भामाशाह रत्न व्यापारी सम्मान के रूप में पूरे एक माह तक? मनायेगा। इस दौरान एक अभियान चला कर चयनित समाजसेवी व्यापारियों को सम्मानित किया जाएगा। अभियान के प्रथम चरण में समाजसेवा एवं व्यापारिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सौरभ त्रिपाठी, प्रदीप मिश्रा, अश्विनी वर्मा एवं दीपक आर्य को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर दानवीर भामाशाह रत्न सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। बैठक में संगठन के प्रदेश प्रभारी सुरेश सोनी, युवा प्रदेश प्रभारी अरविन्द चौरसिया, सरदार गगनदीप सिंह, अक्षत बरनवाल, राजन गुप्ता, रामदीन अग्रहरि सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

वीरांगना ऊदा देवी पासी की श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई जयंती

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बंथरा क्षेत्र के बादेखेड़ा गांव में मंगलवार को नरपत सुमन के नेतृत्व में वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने ऊदा देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही केक काटकर एक दूसरे को खिलाया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के प्रतिनिधि जितेंद्र रावत और बंथरा चेयरमैन प्रतिनिधि संदीप रावत मौजूद रहे। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने वीरांगना ऊदा देवी के जीवन और उनके संघर्षों को याद करते हुए उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि ऊदा देवी ने देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और उनके साहस तथा बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने बताया कि ऊदा देवी ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ बहादुरी का परिचय देते हुए कई अंग्रेज सैनिकों का सामना किया था। इस मौके पर राम बाबू, विशंभर रावत (पूर्व प्रधान), डॉ. गुरु प्रसाद लोधी, वीरेंद्र रावत, सूरज सिंह, संदीप कुमार (मीडिया प्रभारी), शिव बरन सिंह, बहराइची प्रसाद, राधेलाल, अमितेश कुमार, अंश सहित मौजूद अन्य सभी लोगों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

शहीद पार्क औरैया में धूमधाम से मनाई गयी राष्ट्रभक्त महान दानवीर भामाशाह की 479वीं जयंती

औरैया। अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद, औरैया द्वारा दिनांक 28 जून 2026 दिन रविवार को शहीद पार्क, औरैया में महान दानवीर राष्ट्रभक्त भामाशाह की 479 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई, आयोजन में अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के संरक्षक नगर पालिका परिषद, औरैया के अध्यक्ष अनूप कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय युवा प्रभारी समाजसेवी अभिषेक गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे, मंचासीन अतिथियों द्वारा दानवीर भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलन कर जयंती कार्यक्रम का शुभारंभ किया आयोजन में युवा टीम के क्रिश पोरवाल, राज बिश्नोई, दीपक पुरवार, अंकित बिश्नोई, सागर पोरवाल आदि युवा समाजसेवियों ने मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण कर हृदय से अभिनंदन किया आयोजन के अंतर्गत परिषद के जिला प्रभारी आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट ने दानवीर भामाशाह के जीवन परिचय पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए बताया कि भामाशाह का जन्म राजस्थान के पाली जिले के सादड़ी गांव में 28 जून 1547 को श्वेतांबर मूर्ति पूजक जैन ओसवाल परिवार में हुआ था भामाशाह मेवाड़ के राजा महाराणा प्रताप के बचपन के मित्र थे, जब महाराणा प्रताप मुगल सम्राट अकबर के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे तो आर्थिक तंगी होने लगी, तब भामाशाह ने अपनी पूरी संपत्ति-खजाना राजकोष में उन्हें दान कर दिया था, तभी से भामाशाह महान दानवीर भामाशाह के नाम से प्रसिद्ध हो गये थे मुख्य अतिथि ने कहा कि हल्दीघाटी युद्ध के बाद महाराणा प्रताप के पास धन का भाव हो गया जो जंगलों में भटक रहे थे, तब भामाशाह में अपनी संपूर्ण संपत्ति 25 लाख रुपए और स्वर्ण मोहरें महाराणा प्रताप के चरणों में अर्पित कर दी थी विशिष्ट अतिथि ने बताया कि भामाशाह द्वारा स्वेच्छा से प्रदत्त इस अपार धनराशि द्वारा मुगलों से लड़ते हुए महाराणा प्रताप ने 25000 सैनिकों की सेना को 12 वर्षों तक पोषित किया व मुगलों से खोया हुआ राज्य वापस प्राप्त किया कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष विपिन कुमार पोरवाल (बंटू) व जिला महामंत्री नरेश चंद्र शिवहरे आदि लोगों ने संबोधित किया, जयंती कार्यक्रम के उपरांत पार्क में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व अंग्रेजों से लोहा लेने वाले भारत वीर मुकुंदी लाल गुप्ता तथा सुभाष चौक, औरैया पर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र की मूर्तियों पर माल्यार्पण किया गया, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लगभग तीन सैकड़ा वैश्य बंधु मौजूद रहे।

अवैध शराब से भरी पिकअप पकड़ी, 9 लाख से अधिक की शराब बरामद

एक तस्कर गिरफ्तार, पुलिस, आबकारी व एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई

उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराध एवं अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना औरास पुलिस, आबकारी विभाग तथा एसटीएफ लखनऊ की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 9,00,120 रुपये कीमत की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से शराब से लदी पिकअप भी जब्त की गई। पुलिस के अनुसार, 28 जून की रात थाना औरास पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग और गश्त कर रही थी। इसी दौरान एसटीएफ लखनऊ के हेड कांस्टेबल नीरज मिश्रा, जितेन्द्र नाथ राय और अमित यादव ने मुखबिर की सूचना के आधार पर बताया कि ग्राम टिकराबाव की ओर अवैध शराब से लदी एक पिकअप आने वाली है।

सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार एवं आबकारी निरीक्षक ज्योति अग्रवाल ने पुलिस बल के साथ ग्राम टिकराबाव के पहले स्थित कूड़ाघर के पास घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। तलाशी के दौरान पिकअप में अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद हुई। वाहन से 92 पेटियों में 2208 हाफ बोतल तथा 50 पेटियों में 600 फुल बोतल रॉयल स्टैग अंग्रेजी शराब मिली। सभी बोतलों पर फोर सेल इन चंडीगढ़ ओनली अंकित था, जिससे स्पष्ट हुआ कि शराब चंडीगढ़ में बिक्री के लिए निर्मित थी और अवैध रूप से उत्तर प्रदेश लाई जा रही थी। मौके से पुलिस ने रंजीत पुत्र सर्वेश मौर्य निवासी ग्राम टिकराबाव, थाना औरास, जनपद उन्नाव को गिरफ्तार कर लिया। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 9.00 लाख रुपये बताई गई है। इस संबंध में थाना औरास में मु.अ.सं. 169/2026 के तहत आबकारी अधिनियम की धाराओं 60, 63, 72, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 318(4), 338, 336(3), 340(2) तथा धोखाधड़ी से संबंधित प्रावधानों में मुकदमा दर्ज कर आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब की यह खेप किसके लिए लाई जा रही थी तथा इसके पीछे सक्रिय तस्करी गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार के नेतृत्व में थाना औरास पुलिस, आबकारी विभाग की निरीक्षक ज्योति अग्रवाल की टीम तथा एसटीएफ लखनऊ की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया। पुलिस अधिकारियों ने इसे अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध महत्वपूर्ण सफलता बताया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, औरैया द्वारा वृद्धाश्रम आनेपुर के निरीक्षण के साथ आयोजित किया गया जागरूकता शिविर

औरैया। प्रभारी जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, औरैया के निर्देशानुसार वृद्धाश्रम, आनेपुर, औरैया का निरीक्षण जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, औरैया की सचिव रोमा गुप्ता द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, स्वास्थ्य, भोजन, आवास तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की गई तथा संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। सचिव ने वृद्धजनों का कुशलक्षेम पूछते हुए उन्हें हर संभव विधिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर वृद्धाश्रम परिसर में एक विधिक जागरूकता शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित वृद्धजनों को वृद्धजनों के संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों, भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, निःशुल्क विधिक सहायता की पात्रता तथा NALSA (Legal Services to Senior Citizens) Scheme के साथ-साथ NALSA JAGRITI सहित विभिन्न नालसा योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उन्हें साइबर अपराध से बचाव, महिला एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, हेल्पलाइन सेवाओं तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में भी जागरूक किया गया। शिविर के दौरान उपस्थित वृद्धजनों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा आवश्यक विधिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में वृद्धा आश्रम के मैनेजर नरेन्द्र पाल, चीफ एलएडीसीएस जितेन्द्र तोमर के साथ कार्यालय प्रभारी दिलीप कुमार एवं पैरालीगल वालंटियर लालता प्रसाद, किरन, रमन लाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, औरैया द्वारा समय-समय पर ऐसे निरीक्षण एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों तक न्याय एवं निःशुल्क विधिक सहायता की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है।

व्यापारियों ने सरोजनीनगर थाने में सौंपा ज्ञापन, पुलिस पर लगाए अनदेखी के आरोप

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सरोजनीनगर थाने पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक राज देव राम प्रजापति को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन अपर पुलिस आयुक्त के नाम संबोधित था, जिसमें थाना क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की गई। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में अपराध की घटनाएं, चोरी की वारदातें, मुकदमे दर्ज होने के बाद भी समय पर कार्रवाई न होना और एयरपोर्ट क्षेत्र के व्यापारियों पर दर्ज मुकदमा वापस न लिए जाने से नाराजगी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस, व्यापारियों और आम जनता के बीच बढ़ती दूरी चिंता का विषय है। प्रभारी निरीक्षक राज देव राम प्रजापति ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया। वहीं प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो बुधवार को व्यापारी काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद गुरुवार को संगठन अन्य व्यापारिक संगठनों के साथ बैठक कर आगे की रणनीति तय करेगा। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री दिलीप द्विवेदी, विधानसभा प्रभारी जितेंद्र हजेला, एयरपोर्ट उपाध्यक्ष राजेश दुबे समेत कई पदाधिकारी और व्यापारी मौजूद रहे।

तालकटोरा से मानक नगर तक चला नगर निगम का हंटर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

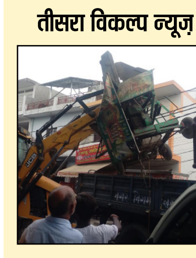

लखनऊ। नगर निगम ने मंगलवार को जोन-5 क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाते हुए तालकटोरा रोड से मानक नगर पुल तक सड़क और फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराया। अभियान के दौरान 10 ठेले, 3 गुमटियां और 6 अवैध काउंटर हटाए गए, जबकि एक गन्ने की मशीन और स्टील काउंटर जब्त किया गया। साथ ही गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित पॉलीथीन के इस्तेमाल पर ?7,500 का शमन शुल्क भी वसूला गया। यह कार्रवाई नगर आयुक्त के निर्देश पर जोनल अधिकारी विनीत कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस और नगर निगम टीम की मौजूदगी में की गई।

जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक कर की समीक्षा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। मंगलवार को जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आहूत की गई। बैठक में सहायक आयुक्त (खाद्य)-II द्वारा जिलाधिकारी को बताया गया कि माह जनवरी 2026 से अब तक खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा 560 दुकानो का निरीक्षण कर 90 विधिक एवं 95 सर्वे नमूने संग्रहित कर खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया गया। जिसमें विधिक नमूने के 149 रिपोर्ट तथा सर्वे नमूने के 34 रिपोर्ट प्राप्त हुआ। जिसमें 7 नमूने मानक के विपरीत पाये गये। इनके विरूद्ध न्यायालय में वाद दायर किया गया। इस सत्र में अब तक कुल 43 दुकानदारो के उपर 1124000.00 रू0 का जुर्माना लगाया जा चुका है। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा कृत कार्यवाही पर संतोष व्यक्त किया गया एवं दूध, खोया, मिठाई एवं सभी ब्राण्डेड व स्थानीय विनिर्माताओं के खाद्य उत्पादो विशेषकर घी, खाद्य तेल, नमकीन आदि खाद्य पदार्थो पर विशेष जॉच करने का निर्देश दिया गया तथा मेला क्षेत्र यथा मां विन्ध्यवासिनी परिक्षेत्र, होटल, रेस्टोरेण्ट एवं स्ट्रीट फूड वेन्डरों द्वारा आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने एवं मिलावटखोरी को रोकने हेतु प्रभावी निरीक्षण व छापेमारी करने हेतु निर्देशित किया गया एवं दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादो के संदिग्ध खाद्य पदार्थो के अधिक से अधिक नमूने सग्रहीत करने एवं प्रभावी प्रर्वतन कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया, उन्होंने साथ ही आमजनमानस को मिलावट की पहचान एवं रोकथाम हेतु विशेष जागरूकता अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि./रा. विनोद कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. कीर्ति कुमार मिश्र, सहायक आयुक्त(खाद्य)-II सुशील कुमार सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी एन.एन. झा, सहायक आयुक्त आबकारी विभाग तथा कमेटी के अधिकारीगण एवं सदस्य तथा व्यापार मण्डल के अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित रहें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पहुंचेंगे अयोध्या में हनुमान गढ़ी एवं राम जन्मभूमि

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को अयोध्या दौरे से पहले पुलिस ने नजरबंद (हाउस अरेस्ट) कर लिया था, जिस कारण वह अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ पूर्व निर्धारित समय पर राम मंदिर और हनुमान गढ़ी के दर्शन नहीं कर सके थे । इस घटना के बाद, कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया था 7 मंगलवार की देर शाम 8 ¬10 बजे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की मीडिया सेल ने जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय अभी 8.30 बजे अयोध्या में हनुमान गढ़ी पहुँच रहे है और उसके बाद राम जन्मभूमि पहुचेंगे ।

रवि शर्मा बने उत्तर प्रदेश ब्राह्मण स्वयंसेवी संघ के प्रदेश प्रवक्ता

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। ब्राह्मण स्वयंसेवी संघ संगठन ने संगठन के विस्तार और ब्राह्मण समाज की एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से रवि शर्मा को उत्तर प्रदेश का प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है। संगठन की ओर से उन्हें प्रदेश के विभिन्न मंचों और मीडिया में संगठन का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रवि शर्मा की नियुक्ति पर ब्राह्मण स्वयंसेवी संघ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व और सक्रिय भूमिका से संगठन की गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी।

अपराधियों पर हावी टीम समर सिंह की कर्तव्यनिष्ठा बर्रा में तीन वाहनों समेत शातिर गिरफ्तार

कानपुर। पीड़ितों की हर संभव सहायता के साथ ही अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में भी अग्रणी बर्रा पुलिस की निरंतर सक्रियता ने एक गिरफ्तार कर उसके पास से तीन मोटर साइकिलें भी बरामद करने में सफलता प्राप्त कर ली। यह सफलता पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल द्वारा चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध अभियान के क्रम में दक्षिण के पुलिस उपायुक्त दीपेंद्र नाथ चौधरी, अपर पुलिस उपायुक्त सुमित रामटेक के निर्देशन व एसीपी नौबस्ता के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक बर्रा रविंद्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में मिली। अब पुलिस के गिरोह के अन्य सदस्यों की भी तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक तीन मोटर साइकिलों समेत इस शातिर वाहन चोर गणेश उर्फ चेतन वर्मा पुत्र राज कुमार वर्मा निवासी 386 के ब्लॉक पार्क के कोने पर थाना बर्रा को गिरफ्तार करने वाली इस टीम में सब इंस्पेक्टर पवन कुमार सिंह, संदीप कुमार सेन, कांस्टेबल , अंकुर पंवार, बबलू कुमार और गौरव कुमार आदि भी शामिल रहे। अवगत कराते चलें कि तीन मोटर साइकिलों समेत इस शातिर वाहन चोर गणेश उर्फ चेतन वर्मा को जिस चौकी क्षेत्र बर्रा में गिरफ्तार करने जैसी महत्व पूर्ण सफलता मिली।

आजकल उसकी कमान हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की हर संभव सहायता में भी अग्रणी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले तेजतर्रार, व्यवहार कुशल सब इंस्पेक्टर समर सिंह के हाथ में है। सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए अपनी जुझारू नौकरी के अबतक कार्यकाल में अनेक अपराधियों को जेल की हवा खिला चुके चौकी प्रभारी समर सिंह के अब तक के कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन उन्होंने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया। इसी के साथ विभाग में सराहनीय सेवाओं के अनुभवी सब इंस्पेक्टर समर सिंह की कार्यशैली भी संभ्रांत असहाय लोगों की हितरक्षक और बहुत मैत्रीपूर्ण भी मानी जाती है ,जिसके अनुरूप ही वह जहां उचित पात्र लोगों की हर संभव सहायता करते हैं। वहीं कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ शठे शाठ्यम समाचरेत वाली कहावत चरितार्थ करने से भी नहीं चूकते। यही वजह है कि अपने विभागीय कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा के साथ करने वाले लोकप्रिय कार्यशैली के जुझारू तेवरों वाले सरल और शालीन स्वभाव के चौकी प्रभारी समर सिंह की कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा उनकी जुझारू नौकरी के अब तक के कार्यकाल में सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए दर्जनों शातिरों को सबक सिखाने में भी सफल हो चुकी है। अब वह अपनी टीम के साथ अन्य अपराधियों की तलाश में भी जुटे हैं।

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित
बुधवार, 01 जुलाई, 2026

अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों पर आधारित प्रशिक्षण कार्यशालाओं का समापन

➲ नवयुग कन्या महाविद्यालय में छात्राओं ने आत्मरक्षा योग एवं नाट्य के माध्यम से किया व्यक्तित्व विकास का उत्कृष्ट प्रदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेन्द्र नगर, लखनऊ

में अहिल्याबाई होल्कर संस्कृतिक क्लब के तत्वावधान में दिनांक 22 जून से 29 जून 2026 तक आयोजित आत्मरक्षा, योग एवं नाट्य प्रशिक्षण कार्यशालाओं का भव्य समापन समारोह एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आज गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम का उद्देश्य लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों के अनुरूप छात्राओं में चरित्र निर्माण, आत्मविश्वास, आत्मरक्षा, अनुशासन, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों तथा स्वस्थ जीवनशैली का विकास करना था।समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त होने वाली प्रो. गीताली रस्तोगी, विभागाध्यक्ष, राजनीति शास्त्र, प्रो. रिचा शुक्ला, विभागाध्यक्ष, जंतु विज्ञान तथा प्रो. मंजुला यादव, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के स्मरण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात अतिथियों का स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया।अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. मंजुला उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र, आत्मविश्वास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना है। उन्होंने अपने ओजस्वी संबोधन में छात्राओं से लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब महिलाओं ने नेतृत्व संभाला है, समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन आया है।÷उन्होंने छात्राओं को भविष्य के संघर्षों से न डरने और एक सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण करने का संदेश दिया। अहिल्याबाई होल्कर के ऐतिहासिक कार्यों का स्मरण कराते हुए उन्होंने बताया कि कैसे एक कुशल शासक के रूप में उन्होंने ध्वस्त हो चुके मंदिरों का जीर्णोद्धार कराकर सनातन संस्कृति की रक्षा की। कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन देते हुए सुप्रसिद्ध महेश्वरी साड़ी उद्योग की नींव रखकर शिल्पकारों को नई पहचान दी। महिलाओं को हुनर सिखाकर उन्हें रोजगार के अवसरों से जोड़ा, जिससे समाज में उनका स्तर ऊंचा उठ सका। इसके साथ ही प्राचार्या जी ने आज की विशिष्ट अतिथि तथा सेवानिवृत्त हो रही शिक्षिकाओं को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनका समर्पित जीवन आने वाली पीढ़ी के लिए सदैव एक प्रेरणापुंज बना रहेगा। इसके साथ ही, उन्होंने विशेष रूप से 30 जून 2026 को सेवानिवृत्त हो रही ऑफिस सेक्रेटरी रजनी सक्सेना के अभूतपूर्व एवं अविस्मरणीय योगदान की सराहना की। प्राचार्या ने महाविद्यालय के विकास में उनकी अद्वितीय भूमिका को रेखांकित करते हुए उनके सुखद, स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित योग प्रशिक्षण कार्यशाला का संचालन योगाचार्य प्रशांत शुक्ला के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में योगाचार्या ललिता एवं योगाचार्या श्वेता द्वारा किया गया। छात्राओं ने योग की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का संदेश दिया। आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला का संचालन जीत कूनो डी एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रशिक्षक श्री सुधीर कुमार शर्मा द्वारा किया गया। छात्राओं ने आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महिला सुरक्षा, साहस एवं आत्मविश्वास का प्रेरक संदेश दिया।समारोह का मुख्य आकर्षण सात दिवसीय नृत्य-नाट्य कार्यशाला रही, जिसमें छात्राओं ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के प्रेरणादायी जीवन, न्यायप्रियता, राष्ट्रसेवा, लोककल्याण एवं भारतीय सांस्कृतिक चेतना पर आधारित भावपूर्ण नाट्य प्रस्तुति देकर उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को भावविभोर कर दिया। प्रस्तुति को सभी ने मुक्तकंठ से सराहा। इस अवसर पर सभी प्रशिक्षण कार्यशालाओं में सफलतापूर्वक सहभागिता करने वाली छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी उपस्थित शिक्षिकाओं अतिथियों द्वारा आज के दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम भी किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अहिल्याबाई होल्कर संस्कृतिक क्लब की सदस्य डॉ. स्नेहा चौधरी, डॉ. अपूर्वा अवस्थी, डॉ. चनप्रीत कौर एवं डॉ. सुकन्या तिवारी, डॉ अंकिता पाण्डेय का महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्पोर्ट्स कमेटी से डॉ. ऐश्वर्या सिंह एवं सुश्री दीक्षा सिंह का सहयोग भी सराहनीय रहा। सभी के सामूहिक प्रयासों एवं समन्वय से कार्यक्रम का सफल एवं गरिमामय आयोजन सम्पन्न हुआ। समारोह की विशेष प्रस्तुति लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित नृत्य-नाट्य का निर्देशन काव्योम फाउंडेशन के श्री अनमोल द्वारा किया गया, जबकि सह-निर्देशन एवं लेखन का दायित्व श्री मानस वाजपेयी ने निभाया। महाविद्यालय की पूर्व छात्रा सुश्री महिमा चौधरी का भी इस प्रस्तुति में विशेष एवं उल्लेखनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का प्रभावशाली एवं गरिमामयी संचालन अहिल्याबाई होल्कर संस्कृतिक क्लब की संयोजक एवं शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा पाण्डेय द्वारा किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

घंटाघर के पास गुब्बारे का सिलेंडर फटा, दो लोग घायल

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पुराने लखनऊ के घंटाघर क्षेत्र में सोमवार रात करीब 9:30 बजे गुब्बारों में गैस भरने के दौरान सिलेंडर फटने से हड़कंप मच गया। हादसे में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। जानकारी के अनुसार घटना ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के सतखंडा चौकी से करीब 20 मीटर की दूरी पर हुई। धमाके की तेज आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और दहशत फैल गई। पुलिस के मुताबिक गुब्बारा विक्रेता द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा गैस सिलेंडर अचानक फट गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

पूर्व विधायक होशियार सिंह ने अपने आवास पर दानवीर भामाशाह की जयंती के धूम धाम से मनाई गई

जहांगीराबाद। समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक होशियार सिंह एवं विकास पुरुष ने अपने आवास पर दानवीर भामाशाह की जयंती पर बड़ी धूमधाम से मनाई पूर्व विधायक होशियार सिंह ने अपने संबोधन मैं कहा कि दानवीर भामाशाह का जन्म 29 अप्रैल 1547 को हुआ था उन्होंने महाराणा प्रताप को संघर्ष के समय इतना धन दिया था कि 25000 सैनिकों को 12 वर्ष तक का खर्च चल सकता था पूर्व विधायक के आवास पर कार्यक्रम में दानवीर भामाशाह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रधान्जली दी दानवीर भामाशाह की 47वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई विकास पुरुष पूर्व विधायक होशियार सिंह ने बताया कि आज की युवा पीडि को दानवीर भामाशाह के आदर्श का अनुसरण करना चाहिए इससे गरीबों में असहयोग लोगों को आर्थिक सामाजिक सहयोग मिलेगा दानवीर भामाशाह महाराणा प्रताप के कोष अध्यक्ष और परामर्शदाता भी थे

मुगलों से युद्ध के दौरान जब मेवाड़ का खजाना खाली हो गया था तब दानवीर भामाशाह ने अपनी पूरी तिजोरी व पूरी संपत्ति महाराणा प्रताप को सौंप दी थी उनके दान से मेवाड़ की सेवा फिर से संगठित हुई इसी वजह से उन्हें दानवीर भामाशाह कहा जाता है दानवीर भामाशाह के जयंती के मुख्य अतिथि नईं अनाज मंडी के अध्यक्ष जयप्रकाश और संचालन समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रघुराज प्रताप सिंह ने किया जयंती कार्यक्रम में अंकुर गुप्ता मनोनीत अग्रवाल कृष्ण मुरारी अग्रवाल सूर्य प्रताप बंसल संजीव कुमार बंसल ब्रह्मदेव आर्य ज्ञान प्रकाश गोयल शेख अहमदपुर समाजवाद नेता नन्हे सिंह मदनपाल सिंह राज्यपाल सिंह लोधी राजवीर सिंह ओमवीर सिंह राकेश शर्मा सुकरामपाल सिंह आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

कीरतपुर में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, सुरक्षा व्यवस्था का दिया संदेश

तीसरा विकल्प न्यूज
संवाददाता मौ. परवेज

किरतपुर। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कीरतपुर पुलिस द्वारा मंगलवार को फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरू होकर मुख्य बाजार, स्टैंड, अंबेडकर चौक सहित कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान कस्बा इंचार्ज दीपक नागर के नेतृत्व में पुलिस बल मौजूद रहा। फ्लैग मार्च का उद्देश्य आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना तथा शांति एवं सौहार्द बनाए रखने का संदेश देना था। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने, कानून का पालन करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। फ्लैग मार्च में थाना पुलिस की पूरी टीम उपस्थित रही।

रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन कार्यालय में सादगी के साथ मनाया गया कोषाध्यक्ष किंशुक बंसल का जन्मदिन

गाजियाबाद। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एनक्लेव रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यालय में रविवार को सोसायटी के कोषाध्यक्ष किंशुक बंसल का जन्मदिन सादगी एवं आत्मीय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर केक काटकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर राजेश गर्ग एवं गौरव बंसल ने कहा किंशुक बंसल हमारा बचपन का मित्र है। हम बचपन से साथ रहे हैं। किंशुक हमारे लिए केवल मित्र ही नहीं, बल्कि भाई के समान हैं। उनका स्वभाव बेहद सरल, मिलनसार और नेकदिल है। वे हमेशा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे रहते हैं। ईश्वर से उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हैं। कार्यकारिणी सदस्य रश्मि चौधरी एवं एडवोकेट राज किशोर शर्मा ने कहा कि किंशुक बंसल का व्यवहार सभी के प्रति आत्मीय और सहयोगपूर्ण रहता

है। वे हर जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाते हैं तथा सोसायटी के विकास और बेहतर माहौल के लिए हमेशा सकारात्मक सोच के साथ कार्य करते हैं। अपने जन्मदिन पर किंशुक बंसल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा आप सभी का स्नेह, सम्मान और शुभकामनाएं मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार हैं। मैं आप सभी का हृदय से धन्यवाद देता हूं और आगे भी सोसायटी एवं समाज के हित में पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करता रहूंगा। इस अवसर पर रश्मि चौधरी, सेवा भारती के महासचिव राजेश गर्ग, कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट राज किशोर शर्मा, रामशरण जग्गा, विशाल विग, गौरव बंसल, मैनेजर राहुल त्यागी, राहुल शर्मा, विजय पंडित सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं सादगीपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

भाजपा प्रदेश मंत्री बनने के बाद पहली बार पहुंचे अंकुर शर्मा, शहर से गांव तक हुआ भव्य स्वागत

➲ जगह-जगह फूल-मालाओं व आतिशबाजी से किया अभिनंदन, अवंतिका देवी मंदिर में टेका माथा, पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का किया आह्वान

जहांगीराबाद। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश मंत्री बनाए जाने के बाद रविवार को पहली बार अपने पैतृक गांव पूठा पहुंचे अंकुर शर्मा का जहांगीराबाद नगर से लेकर गांव तक जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। समर्थकों ने फूल-मालाएं पहनाकर और आतिशबाजी कर उनका अभिनंदन किया। स्वागत के दौरान नगर में उत्साह का माहौल रहा और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे। अंकुर शर्मा का काफिला नगर में प्रवेश करते ही विभिन्न स्थानों पर रुक-रुक कर स्वागत किया गया। शिवाली पर समाजसेवी शिवा विजय के नेतृत्व में उनका अभिनंदन हुआ। चांदोक दोराहा पर पालिका अध्यक्ष किशनपाल लोधी, भाजपा नगर अध्यक्ष कैलाश सैनी एवं कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया। बुलंदशहर

बस स्टैंड पर सभासद हरीश सिसोदिया और समर्थकों ने उनका अभिनंदन किया। सब्जी मंडी चौराहे पर व्यापारी नेता रोहित पहाड़ी, मनमोहन अग्रवाल एवं सुभाष अग्रवाल ने स्वागत किया, दरबार बैंड गली पर पंकज शर्मा, भूपेंद्र शर्मा,जबकि बिजलीघर चौराहे पर सभासद मनोज गुप्ता, मनोज शास्त्री, मोहित गौड़ सहित अन्य लोगों ने आतिशबाजी कर खुशी जताई। इसके बाद अपने पैतृक गांव पूठा पहुंचने पर ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह के उपरांत अंकुर शर्मा समर्थकों के साथ प्राचीन अवंतिका देवी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने माता के दर्शन कर प्रदेश और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर भाजपा के जिला अध्यक्ष, जिला स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारी के.पी. सिरोही सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अंकुर शर्मा ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसका वह पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भाजपा की नीतियों और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने प्रदेश नेतृत्व एवं पार्टी हाईकमान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने एक सामान्य कार्यकर्ता पर विश्वास जताकर बड़ी जिम्मेदारी दी है। इस विश्वास पर खरा उतरने के लिए वह पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

सरैयां-बैराज रेलवे ओवरब्रिज निर्माण ने पकड़ी रफ्तार, दो और गर्डर स्थापित, जुलाई तक सड़क तैयार होने की उम्मीद

उन्नाव। सरैयां से बैराज मार्ग के बीच निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का कार्य अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेलवे विभाग ने विशेष भारी क्षमता वाली क्रेन की सहायता से दो और गर्डर सफलतापूर्वक स्थापित कर दिए हैं। इसके साथ ही परियोजना का एक महत्वपूर्ण चरण पूरा होने की ओर बढ़ गया है। अधिकारियों का कहना है कि यदि मौसम और अन्य परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो जुलाई माह के भीतर पुल पर सड़क का डामरीकरण पूरा कर यातायात शुरू करने की दिशा में काम किया जाएगा। निर्माण कार्य के दूसरे दिन भी गर्डर स्थापित करने का अभियान लगातार जारी रहा। सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेलवे और निर्माण एजेंसी ने मरहला से सरैयां जाने वाले मार्ग को अस्थायी रूप से बंद रखा, ताकि भारी मशीनों और क्रेन की मदद से गर्डर सुरक्षित तरीके से लगाए जा सकें। कार्य पूरा होने के बाद शाम के समय मार्ग को दोबारा खोल दिया गया, जिससे स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को राहत मिली। रेलवे

अधिकारियों के अनुसार, ओवरब्रिज के निर्माण का कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। पुल पर सड़क निर्माण और डामरीकरण का काम जुलाई तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद आवश्यक तकनीकी परीक्षण और औपचारिकताओं के पश्चात पुल को आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। इसके शुरू होने से सरैयां-बैराज मार्ग पर जाम की समस्या में कमी आएगी और लोगों को रेलवे फाटक पर लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। गौरतलब है कि पिछले माह रेलवे ट्रैक के ऊपर मुख्य गर्डर रखने का कार्य शुरू किया गया था। इस दौरान अप और डाउन दोनों रेल लाइनों पर तीन से चार दिनों का विशेष ब्लॉक लिया गया था।

रेलवे अधिकारियों की निगरानी में सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए यह कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। अब निर्माण एजेंसी बैराज मार्ग की ओर नॉन-ट्रैक स्पैन स्थापित करने के कार्य में जुटी हुई है। इस कार्य की प्रगति का जायजा लेने के लिए डिप्टी चीफ इंजीनियर आशीष कुमार वर्मा ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और अधिकारियों को गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। गर्डर स्थापित करने के लिए दिल्ली से विशेष भारी क्षमता वाली क्रेन मंगाई गई है, जिसकी मदद से बड़े और भारी स्टील गर्डरों को सटीक स्थान पर रखा जा रहा है। रेलवे के एक्सईएन अनिल कुमार ने बताया कि इस परियोजना में कुल आठ स्पैन लगाए जाने हैं। इनमें से चार गर्डर तय कार्यक्रम के अनुसार सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं। प्रत्येक गर्डर की लंबाई लगभग 43 मीटर है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि शेष कार्य भी तेजी से पूरा किया जाएगा ताकि निर्धारित समय में ओवरब्रिज तैयार होकर जनता को समर्पित किया जा सके। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि पुल शुरू होने के बाद क्षेत्र में आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुगम और सुरक्षित होगा।

कवि विजय तन्हा को कैलाश कल्पित साहित्य साधक अर्श सम्मान एवं ज्योति किरन को कुसुम अंशल साहित्य साधक अर्श सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। साहित्य साधक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान लखनऊ राष्ट्रीय

इकाई की जून माह की काव्य गोष्ठी रविवार 28 तारीख़ को - पंचमुखी हनुमान मंदिर बीरबल साहनी मार्ग हसनगंज लखनऊ में धूमधाम से सम्पन्न हुई। जून माह की मासिक काव्यगोष्ठी में शाहजहांपुर के कवि विजय तन्हा को 卐कैलाश कल्पित साहित्य साधक अर्श सम्मान-2026 से卐 एवं समाजसेवी एवं पत्रकार श्रीमती ज्योति किरन को 卐कुसुम अंसल साहित्य साधक अर्श सम्मान-2026卐 से सम्मानित किया गया। 卐डॉ. अजय प्रसून की अध्यक्षता एवं संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हिमांशु सक्सेना अर्श लखनवी के साथ संस्था के सह-संस्थापक अरविन्द रस्तोगी धवल, महासचिव मनमोहन बाराकोटी तमाचा लखनवी, साहित्यिक सचिव राजीव वर्मा वत्सल की उपस्थिति में संस्था के अन्य पदाधिकारियों सहित माँ वीणा पाणी को पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तदोपरांत कवि राजीव वर्मा वत्सल द्वारा माँ वीणापाणी का आवाहन शब्दार्चन द्वारा किया गया तदोपरांत मनमोहन बाराकोटी द्वारा सुमधुर राष्ट्र वन्दन प्रस्तुत किया गया। फिर कार्यक्रम की संचालिका कवयित्री भारती पायल द्वारा काव्य पाठ का अनवरत सिलसिला प्रारंभ हुआ। कवि सुरेश चन्द्र गुप्त 卐श्याम卐, अखिल कुमार श्रीवास्तव 卐व्यथित卐, अनुराग अग्रवाल, कुलदीप शुक्ला 卐जोश लखनवी卐, राजीव वर्मा 卐वत्सल卐, शरद मिश्र 卐सिंधु卐, रामराज भारती, अरविंद रस्तोगी 卐धवल卐 मनमोहन बाराकोटी 卐तमाचा लखनवी卐) सहित कवयित्री (अनुजा बाजपेई 卐अनु卐, मनोरमा श्रीवास्तव, पूजा अग्रवाल, ज्योति किरन 卐रतन卐, डा0 तारिका सिंह 卐नूर卐, डा0 अलका अस्थाना 卐अमृतमयी卐, डा0 स्वाति पाण्डेय 卐प्रीत卐, भारती पायल, शरद सिंह) सहित लगभग पैतीस से अधिक काव्य विभूतियों ने सुमधुर कविताओं की प्रस्तुति दी। उक्त कार्यक्रम में लगभग तीस श्रोताओं की भी उपस्थिति रही जिनकी की तालियों गड़गड़ाहट ने कवियों के जोश को कई गुना कर दिया। आप सबके उपरांत कैलाश कल्पित सम्मान से सम्मानित विजय तन्हा ने शिवा पर रचित गीत 卐मैं बालक अज्ञान हूँ बाबा रखना मेरा ध्यान卐 पढ़ कर सभी का मन जीत लिया। तदोपरांत संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ0 हिमांशु सक्सेना 卐अर्श लखनवी卐 ने 卐दुर्गा काली खप्पर वाली दें दर्शन एक बार?। पाप कांट के कष्ट काट के कर सबका उद्धार।卐 सुमधुर जगदम्बे का गीत प्रस्तुत कर मंदिर के माहोल को और भी मनोरम बनाते हुए श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। आपके बाद कार्यक्रम अध्यक्ष डा0 अजय प्रसून ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए सभी कवियों के काव्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए सुमधुर अनागत गीत पढ़ा। कार्यक्रम के अंत में कवि शरद सिंह सिंधु ने संस्था की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया।

टेंट कैटर्स एसोसिएशन ने फायर, बिजली विभाग और एलडीए की कार्रवाई पर जताई आपत्ति

नोटिस और सीलिंग कार्रवाई से व्यापारियों में रोष, मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश टेंट कैटर्स एंड डेकोरेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने फायर विभाग, बिजली विभाग और लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की ओर से होटल, गेस्ट हाउस, बैंक्वेट हॉल और लॉन संचालकों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर आपत्ति जताई है। संगठन का आरोप है कि लगातार नोटिस जारी करने और प्रतिष्ठानों को सील किए जाने से छोटे और मध्यम व्यापारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विजय ने कहा कि विभागों की लगातार कार्रवाई से हजारों व्यापारियों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कभी फायर विभाग, कभी बिजली विभाग और कभी एलडीए की ओर से नोटिस देकर व्यापारियों पर दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लेवाना होटल हादसे के बाद प्रशासन ने बड़े स्तर पर अभियान चलाया था, लेकिन समय रहते सभी कमियों को दूर कराने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए। संगठन का कहना है कि बाद की घटनाओं के बाद अब कार्रवाई का दबाव व्यापारियों पर बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष विजय ने आरोप लगाया कि कई पुराने भवनों में फायर एनओसी के लिए ऐसी शर्तें लगाई जा रही हैं, जिन्हें पूरा करना व्यावहारिक रूप से कठिन है। उन्होंने कहा कि 25 साल पुरानी इमारतों में बड़ी क्षमता की पानी की टंकियां लगाने जैसी शर्तों से भवन की संरचनात्मक सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो सकते हैं। एसोसिएशन ने मांग की है कि प्रतिष्ठानों को सील करने से पहले व्यापारियों को अपनी बात रखने का अवसर दिया जाए। साथ ही मुख्यमंत्री से अपील की गई है कि बिजली कनेक्शन, फायर एनओसी और भवन मानचित्र स्वीकृति की प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए, ताकि व्यापारियों को राहत मिल सके।

भारतीय मजदूर किसान यूनियन (देवशक्ति) का प्रशासन पर बड़ा दबाव

बिजनौर। राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन पाल के निर्देश पर पश्चिमी प्रदेश अध्यक्ष अबूबकर के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष अवनीश चौहान ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन नजीबाबाद, 29 जून। भारतीय मजदूर किसान यूनियन (देवशक्ति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन पाल के निर्देश पर पश्चिमी प्रदेश अध्यक्ष अबूबकर के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष अवनीश चौहान संदीप उपाध्याय युवा जिला अध्यक्ष बिजनौर जिला प्रभारी सोमपाल उपाध्याय ने उपजिलाधिकारी नजीबाबाद को एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपकर दो गंभीर मामलों में तत्काल निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में गुरुकुल हिमालय पब्लिक इंटर कॉलेज, जलालाबाद के कक्षा 11 के छात्र योवांश सिंह के पिछले लगभग 15 दिनों से लापता होने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। यूनियन ने आरोप लगाया कि छात्र की तलाश में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई गई। संगठन ने छात्र को जल्द बरामद करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

इसके अलावा नजीबाबाद गैस सर्विस से जुड़े कथित अभद्र व्यवहार, अवैध वसूली और अन्य शिकायतों की भी उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

शिव्या पठानिया

बिना फेक ड्रामे के शो चलेगा?

अभिनेत्री शिव्या पठानिया इन दिनों शो श्स्पेक्ट्राश् को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अमर उजाला से खास बातचीत में इस शो के बहाने आजकल के कंटेंट को लेकर दिलचस्प बातें साझा कीं। टीवी पर सीता, राधा और लक्ष्मी जैसे किरदार निभाकर पहचान बनाने वाली शिव्या पठानिया जल्द रियलिटी शो श्स्पेक्ट्राश् में नजर आएंगी। दिलचस्प बात यह है कि जिस दौर में रियलिटी शो की पहचान लड़ाई, विवाद और कंट्रोवर्सी से बनती है... उसी दौर में शिव्या ऐसे शो का हिस्सा बनी हैं, जहां इनमें से कुछ भी नहीं है। हालांकि, शुरुआत में उन्हें खुद भी शक था कि बिना फेक ड्रामे के कोई शो ऑडियंस को बांध पाएगा या नहीं। श्हमें भी लगता था कि बिना कंट्रोवर्सी के शो नहीं चलेगाश् अमर उजाला डिजिटल से बातचीत में शिव्या ने कहा, श्सच कहूं तो शुरुआत में हमें भी यही लगता था कि बिना फाइट्स और फेक ड्रामे के क्या शो लोगों को एंटरटेन कर पाएगा? क्योंकि आजकल हर जगह वही देखने को मिलता है। लेकिन जब हमने इस जर्नी को करीब से जिया तो महसूस हुआ कि लोगों को सिर्फशोर नहीं चाहिए। लोग असली इमोशंस भी देखना चाहते हैं। कलाकारों की मेहनत, उनकी परेशानियां, उनके रिश्ते और उनके स्ट्रगल भी उतने ही दिलचस्प हो सकते हैं। वैसे, हर चीज को वायरल बनाने के लिए विवाद जरूरी नहीं होता। कई बार सादगी और ईमानदारी ज्यादा गहरा असर छोड़ जाती है।श् श्आज जो सबसे ज्यादा शोर मचाता है, वही सबसे पहले बिकता हैश् ओटीटी और सोशल मीडिया के दौर में परिवार के साथ बैठकर देखा जा सके, ऐसा कंटेंट बनाना आसान नहीं रह गया है। इस पर शिव्या कहती हैं, श्आज हिट कंटेंट बनाना मुश्किल है, लेकिन साफ-सुथरा कंटेंट बनाना उससे भी ज्यादा मुश्किल हो गया है। जो चीज सबसे ज्यादा शोर मचाती है, वही सबसे पहले लोगों का ध्यान खींच लेती है। लेकिन अगर कोई परिवार साथ बैठकर कुछ देखता है और बाद में उस पर बात करता है, तो उसका असर अलग होता है। ऐसे कंटेंट की उम्र भी लंबी होती है।श् श्कभी-कभी लगता है कि कितना भी काम कर लो, मन नहीं भरताश् शिव्या का सबसे व्यक्तिगत जवाब खुद को लेकर था। सोशल मीडिया पर परफेक्ट दिखने वाली अभिनेत्री मानती हैं कि वह भी कई बार खुद से सवाल करती हैं। वह कहती हैं, श्सोशल मीडिया पर सब कुछ परफेक्ट दिखता है। लोगों को लगता है कि आपकी जिंदगी में सब ठीक चल रहा है, लेकिन ऐसा हमेशा नहीं होता। मैं भी कई बार खुद पर सवाल उठाती हूं। कभी-कभी लगता है कि कितना भी काम कर लो, फिर भी मन नहीं भरता। हमेशा लगता है कि शायद और बेहतर कर सकती थी या और ज्यादा हासिल करना चाहिए था। मुझे लगता है कि आज की पूरी पीढ़ी इस दबाव से गुजर रही है। फर्क सिर्फइतना है कि ज्यादातर लोग अपने ऐसे पल दुनिया को नहीं दिखाते।श् श्कलाकारों को काम से ज्यादा गॉसिप के आधार पर जज किया जाता हैश् जब उनसे पूछा गया कि टीवी इंडस्ट्री का कौन-सा टॉक्सिक ट्रेंड वह खत्म करना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा, श्अगर मुझे एक चीज हटानी हो तो मैं अनावश्यक तुलना और लोगों के बारे में बनाई जाने वाली झूठी कहानियों को खत्म करना चाहूंगी। कई बार कलाकारों को उनके काम से ज्यादा गॉसिप और विवादों के आधार पर जज किया जाता है। यह काफी थका देने वाला होता है। बेहतर माहौल में बेहतर क्रिएटिविटी अपने आप निकलकर आती है।श् क्या है श्स्पेक्ट्राश? बता दें कि श्स्पेक्ट्राश् एक अलग तरह का रियलिटी शो है। इसमें सात कलाकार हिमालय की खूबसूरत वादियों के बीच अपनी कला दिखाते नजर आएंगे। यह शो लड़ाई-झगड़े और कंट्रोवर्सी से दूर कलाकारों की मेहनत, उनके सफर और उनकी रचनात्मकता पर आधारित है। शो को शिव्या पठानिया होस्ट कर रही हैं।रूपा गांगुली आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। रूपा गांगुली की गिनती इंडस्ट्री की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में होती है। बंगाली, साउथ से लेकर बॉलीवुड फिल्मों तक रूपा गांगुली ने कई अलग-अलग किरदार अदा किए हैं। लेकिन, उन्हें द्रोपदी के किरदार के लिए खासतौर से जाना जाता है। अपने अभिनय के दम पर रूपा गांगुली ने बीआर चोपड़ा की श्महाभारतश् में द्रोपदी का किरदार जीवंत कर दिया। आज भी इसे खूब पसंद किया जाता है। इस किरदार को अदा करते हुए रूपा गांगुली चीरहरण वाला दृश्य करते हुए खूब फूट-फूटकर रोईं। क्या थी वजह आइए जानते हैं...महाभारत में द्रौपदी का श्चीर हरणश् सबसे महत्वपूर्ण घटना है। बीआर चोपड़ा के टीवी सीरियल श्महाभारतश् में भी इसे महत्वपूर्ण तरीके से दिखाया गया है। उस सीन को बिल्कुल वास्तविक अंदाज में फिल्माया गया। यह बात भी बहुत कम लोग जानते हैं कि 'महाभारत' में द्रौपदी के चीर हरण के सीन के समय रूपा असल में रोने लगी थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक डायलॉग के बीच में ही रूपा गांगुली रोने लगी थीं। इसके बाद करीब आधा घंटा शो के क्रू को उन्हें चुप कराने में लगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक उस सीन को करते हुए रूप ने रोते हुए अंग्रेजी में कहा था- श्कट कौन बोल रहा थाश। महाभारत के मेकिंग वीडियो में उनका यह सीन भी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उस दौरान चीर हरण के सीन को दर्शाने के लिए करीब 250 मीटर की साड़ी इस्तेमाल की गई थी, जिसका खास तौर पर ऑर्डर दिया गया था। हालांकि यह बात कुछ ही लोग जानते हैं कि रूपा ने यह लंबी साड़ी नहीं पहनी थी। सीन को जिस तरह से दर्शाया गया वह स्पेशल इफेक्ट्स के जरिए किया गया था। उन्होंने 6 मीटर की ही साड़ी पहनी थी, इफेक्ट्स के जरिए 250 मीटर की साड़ी को दर्शाया गया था। रूपा गांगुली द्रोपदी के किरदार में इस कदर रच-बस गई थीं कि वह करीब दो वर्ष तक द्रौपदी के किरदार से बाहर नहीं निकल पाई थीं। बता दें कि रूपा गांगुली बेहतरीन एक्ट्रेस होने के साथ-साथ सिंगर भी हैं। बंगाली फिल्म 'अबोशेशे' में गाना गाने के लिए उन्हें बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। बता दें कि रूपा ने हिंदी और बंगाली टीवी शोज और फिल्मों में भी काम किया।

रिवीलिंग ड्रेस पर भड़की थीं आशा पारेख

वेटरन एक्ट्रेस आशा पारेख ने हाल ही में बताया कि एक फिल्म के डांस नंबर के लिए उन्हें रिवीलिंग कॉस्ट्यूम पहनने का सुझाव दिया गया था, जिसका उन्होंने विरोध किया था। गौरतलब है कि फिल्म 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर के प्रेजेंटेशन को लेकर बहस जारी है। फिल्म में जान्हवी के किरदार को कैमरे के कुछ एंगल्स और क्लोज-अप शॉट्स के जरिए ऑब्जेक्टिफाई किए जाने के आरोपों के बीच आशा पारेख और जया बच्चन ने फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की प्रस्तुति को लेकर अपने अनुभव शेयर किए। 'डेक्कन क्रॉनिकल' को दिए इंटरव्यू में आशा पारेख ने बताया, षमुझे याद है, एक बार एक डायरेक्टर ने मुझसे एक डांस नंबर के लिए काफी रिवीलिंग ड्रेस पहनने को कहा था। मैंने उनकी आंखों में देखकर पूछा, श्अगर आपकी बेटी यह ड्रेस पहने तो क्या आपको अच्छा लगेगा?श् इसके बाद वह ड्रेस चुपचाप हटा दी गई।ष् आशा पारेख ने आगे कहा, षआज की हीरोइनें बहुत खूबसूरत हैं। उन्हें खुद को इस तरह दिखाने की कोई जरूरत नहीं है। देखिए, संजय लीला भंसाली अपनी हीरोइनों को कितने खूबसूरत और सलीके से पेश करते हैं। उनकी फिल्मों में एक्ट्रेसेस बेहद सुंदर लगती हैं। लेकिन दूसरे कुछ डायरेक्टर उन्हीं एक्ट्रेसेस को अलग तरीके से दिखाते हैं और उनका गलत फायदा उठाते हैं।ष् एक डायरेक्टर ने जया को ऑब्जेक्टिफाई किया था वहीं, जया बच्चन ने कहा कि उनके साथ किसी ने भी सीमाएं लांघने की कोशिश नहीं की। उन्होंने बताया कि केवल एक बार उन्हें किसी डायरेक्टर ने ऑब्जेक्टिफाई किया था, जिसके बाद उन्होंने उस फिल्ममेकर के साथ दोबारा काम नहीं किया। वहीं, करीना ने कहा, षपर्दे पर आकर्षक दिखने का मतलब छोटे या रिवीलिंग कपड़े पहनना नहीं है। किसी एक्ट्रेस को सिर्फ उसके शरीर के जरिए दिखाना भी जरूरी नहीं है।ष् गौरतलब है कि हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'पेद्दी' के कुछ सीन्स को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना हुई, जिसके बाद डायरेक्टर बुच्ची बाबू सना ने दर्शकों से माफी मांगी और विवादित सीन्स हटा दिए गए। साउथ स्टार राम चरण और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'पेद्दी' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है, लेकिन फिल्म में जाह्नवी के किरदार को जरूरत से ज्यादा बोल्ड दिखाने पर विवाद खड़ा हो गया था। दर्शकों के विरोध के बाद फिल्म के डायरेक्टर बुच्ची बाबू सना ने कन्फर्म किया है कि फिल्म से सभी विवादित सीन हटा दिए गए हैं।

बॉक्स ऑफिस पर होगा 'स्त्री' का राज!

श्रद्धा कपूर आखिरी बार बड़े पर्दे पर साल 2024 में अपनी हॉरर कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2 सिरकटे का आंतक' में नजर आई थीं इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था और ये ब्लॉकबस्टर रही थी. तब से फैंस श्रद्धा की अपकमिंग फिल्मों का इंतजार कर रहे हैं. गुड न्यूज ये है कि एक्ट्रेस की साल 2026-27 में कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं जिनसे श्रद्धा बॉक्स ऑफिस पर राज कर सकती हैं. इसी के साथ चलिए यहां अभिनेत्री की अपकमिंग फिल्मों की पूरी लिस्ट जान लेते हैं. श्रद्धा कपूर दो साल के बाद अब ईथा से बड़े पर्दे पर कमबैक कर रही हैं. बीते दिन इस फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी गई थी. फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने पोस्ट शेयर कर श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म का खुलासा किया. उन्होंने पोस्ट में लिखा है, शफिल्म को 28 अगस्त, 2026 को रिलीज किया जाएगा.फ्र यानी ये फिल्म रक्षा बंधन के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. इस फिल्म में रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी अहम रोल में नजर आएगें. फिल्म में श्रद्धा महाराष्ट्र की मशबूर लोक कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर के किरदार में दिखेंगी. इसे लक्ष्मण उटेकर ने निर्देशित किया है. इस बड़े बजट वाले फैंटेसी-ड्रामा की शूटिंग तय हो गई है. निखिल द्विवेदी द्वापा प्रोड्यूस और विशाल फुरिया के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में श्रद्धा ने लीड रोल प्ले किया है और वे इच्छाधारी नागिन के किरदार में नजर आएंगी जिसमें शानदार विजुअल्स होंगे. ये फिल्म अप्रैल 2026 में फ्लोर पर जाएगी. वहीं इसकी रिलीज डेट अभी अनाउंस नहीं की गई है. लेकिन ये 2027-28 में रिलीज हो सकती है. श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव, सुपरहिट हॉरर-कॉमेडी सीरीज की तीसरी फिल्म श्स्त्री 3श् में वापसी के लिए तैयार हैं. इस फ्रेंचाइजी की पहली दो इंस्टॉलमेंट बॉक्स ऑफिस पर सुपर डुपर हिट रही हैं. वहीं तीसरी इंस्टॉलमेंट के लिए भी फैंस एक्साइटेड हैं. मैडॉक फिल्म्स के हिट हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की तीसरी फिल्म श्स्त्री 3श् 13 अगस्त 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. पहाड़पंगिरा श्रद्धा कपूर अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट में डार्क पीरियड फैंटेसी फिल्म श्पहाड़पंगिराश् भी हैं. एक्ट्रेस इस फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगीं. श्तुंबाडश् जैसी कल्ट-क्लासिक फिल्म बनाने वाले राही अनिल बर्वे के निर्देशन में बन रहे प्रोजेक्ट की शूटिंग 2026 के मीड तक शुरू होने की उम्मीद है. एक जादूगर श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्मों में श्एक जादूगरश् भी बताई जा रही है. वे इस मूवी में विक्की कौशल के साथ लीड रोल में नजर आ सकती हैं. इस फैंटेसी ड्रामा फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर शूजित सरकार कर रहे हैं. फिलहाल फिल्म को लेकर और ज्यादा डिटेल्स सामने नहीं आई हैं.

जीता रोमांचक मुकाबला

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हॉकी प्रो लीग के अपने आखिरी मुकाबले में शानदार जुझारूपन दिखाते हुए इंग्लैंड को रोमांचक शूटआउट में 3-2 से हराकर पिछली हार का हिसाब बराबर कर लिया। तय समय तक दोनों टीमों के बीच कोई गोल नहीं हो सका, लेकिन शूटआउट में भारतीय खिलाड़ियों ने दबाव के बीच बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत के साथ बोनस अंक भी अपने नाम कर लिया। अब भारतीय टीम आगामी अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ विश्व कप की तैयारियों पर पूरा ध्यान लगाएगी। बता दें कि यह मुकाबला शुरुआत से ही बेहद संघर्षपूर्ण रहा। इंग्लैंड ने पहले ही चरण से आक्रामक खेल दिखाया और लगातार भारतीय गोल पर दबाव बनाया। शुरुआती मिनटों में सैम वार्ड को यशदीप सिंह द्वारा रोके जाने के बाद इंग्लैंड को पेनाल्टी का मौका मिला। हालांकि भारतीय गोलकिपर मोहित शशिकुमार ने शानदार दोहरे बचाव के साथ पहले सैम वार्ड और फिर सानफोर्ड के प्रयास को भी नाकाम कर दिया। उनके इस प्रदर्शन ने भारत को शुरुआती बढ़त से बचाए रखा। पहले चरण में भारत को सबसे अच्छा मौका अभिषेक के जरिए मिला, लेकिन वह भी गोल में नहीं बदल सका। दूसरी ओर इंग्लैंड लगातार आक्रमण करता रहा। दूसरे चरण में भी इंग्लैंड ने गेंद पर अधिक नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए। बंडुराक गोल करने के करीब पहुंचे, जबकि भारत की ओर से जरमनप्रीत सिंह ने एक मजबूत प्रयास किया, जिसे इंग्लैंड के गोलकिपर ने रोक दिया। भारतीय डिफेंस लाइन ने लगातार संयम बनाए रखा और हॉफ-टाइम तक मुकाबला गोलरहित रहा। गौरतलब है कि हॉफके बाद भारतीय टीम ने अपने खेल की गति बढ़ा दी। हार्दिक सिंह ने शानदार आक्रमण तैयार करते हुए मनदीप सिंह को बेहतरीन मौका दिया, लेकिन इंग्लैंड के गोलकिपर ने एक बार फिर शानदार बचाव कर भारत को बढ़त लेने से रोक दिया। तीसरे चरण के आखिरी समय में मुकाबले का सबसे अहम मोड़ आया। यशदीप सिंह पर हेनरी क्रॉफ्ट को रोकने का आरोप लगाते हुए इंग्लैंड को पेनाल्टी दिया गया। हालांकि भारतीय टीम ने तुरंत रिव्यू की मांग की। दोबारा देखे गए दृश्य में साफपता चला कि यशदीप सिंह ने गेंद पर पहले नियंत्रण बनाया था। इसके बाद रेफरियों ने अपना फैसला बदल दिया और इंग्लैंड का पेनाल्टी रद्द कर दिया। अंतिम चरण में इंग्लैंड ने लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन भारतीय गोलकिपर संजय करकेरा ने कई शानदार बचाव किए। जरमनप्रीत सिंह ने भी एक खतरनाक जवाबी आक्रमण को समय रहते रोककर टीम को राहत दिलाई। मुकाबले के अंतिम मिनटों में इंग्लैंड को पेनाल्टी का एक और अवसर मिला, लेकिन संजय करकेरा ने बेहतरीन बचाव करते हुए भारत को गोल नहीं खाने दिया। मुकाबले में केवल दो सेकंड का समय शेष था, तभी इंग्लैंड को एक और पेनाल्टी दिया गया। भारत ने इस बार भी दृश्य समीक्षा का सहारा लिया और फैसला पलट गया। इसके साथ ही निर्धारित समय तक दोनों टीमें बिना किसी गोल के बराबरी पर रहीं और मुकाबले का फैसला शूटआउट से हुआ। शूटआउट में भारत की ओर से अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा और हार्दिक सिंह ने अपने प्रयास सफलतापूर्वक गोल में बदले। वहीं भारतीय गोलकिपरों ने इंग्लैंड के खिलाड़ियों पर दबाव बनाए रखा और भारत ने 3-2 से जीत दर्ज कर ली। बता दें कि पूरे मुकाबले में भारतीय डिफेंस लाइन का प्रदर्शन बेहद मजबूत रहा। भारतीय रक्षक संजय को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मुकाबले का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। वहीं मोहित शशिकुमार और संजय करकेरा ने गोलपोस्ट के सामने कई महत्वपूर्ण बचाव कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। यह जीत इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि विश्व कप से पहले भारत ने अपने आखिरी हॉकी प्रो लीग मुकाबले में आत्मविश्वास बढ़ाने वाला प्रदर्शन किया है। इस जीत से टीम का मनोबल मजबूत हुआ है और खिलाड़ी आगामी विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

मुश्किल पिचों पर बल्लेबाजों की परीक्षा

आयरलैंड के खिलाफहाल ही में मिली 0-2 की करारी हार के जख्मों को पीछे छोड़कर भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफपांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय (ज्20ए) श्रृंखला में उतरेगी। इस सीरीज में टीम इंडिया के सामने दो सबसे बड़े सवाल हैंरू पहला, 15 वर्षीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी का बहुप्रतीक्षित पदार्पण और दूसरा, मुश्किल एवं तेज गेंदबाजों की मददगार पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों की अपनी कमजोरियों से पार पाने की चुनौती।

फीफा विश्वकप का सबसे बड़ा उलटफेर!

पराग्वे ने 4 बार की चैंपियन जर्मनी को हराकर टूर्नामेंट से किया बाहर

बोस्टन। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ32 में पराग्वे ने शानदार प्रदर्शन के दम पर चार बार की चौंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर बड़ा उलटफेर किया और राउंड ऑफ16 में जगह बनाई। चार बार की विश्व चौंपियन जर्मनी का फीफा विश्व कप 2026 अभियान राउंड ऑफ32 में समाप्त हो गया। 120 मिनट तक 1-1 की बराबरी के बाद पराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से जीत दर्ज कर प्री क्वार्टर फाइनल यानी अंतिम-16 में जगह बना ली। जर्मनी की टीम चार बार की चौंपियन रह चुकी है। उसने 1954, 1974, 1990 और 2014 में खिताब जीता था। गुस्तावो अल्फारो की टीम ने पूरे मैच में शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन किया और जर्मनी के आक्रामक खिलाड़ियों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। गेंद पर अधिकांश समय जर्मनी का कब्जा रहा, लेकिन

लेरॉय साने, फ्लोरियन विट्र्ज और काई हैवट्र्ज लगातार पराग्वे की मजबूत डिफेंस और गोलकीपर ऑरलैंडो गिल के सामने बेअसर रहे। पहले हाफमें एनसिसो ने दिलाई बढ़त पहले हाफके अंतिम मिनटों में पराग्वे ने अपने गिने-चुने कॉर्नर में से एक का बेहतरीन फायदा उठाया। कॉर्नर पर मैनुअल नोयर ने गेंद को मुक्का मारकर दूर किया, लेकिन पराग्वे ने दोबारा गेंद पर कब्जा जमा लिया। इसके बाद मटियास गलार्सा ने शानदार क्रॉस दिया, जिस पर बिना किसी दबाव के मौजूद जूलियो एनसिसो ने शानदार हेडर लगाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। हैवट्र्ज ने कराई वापसी, लेकिन जर्मनी जीत नहीं दिला सका दूसरे हाफ में जर्मनी कहीं अधिक आक्रामक अंदाज में उतरा और 54वें मिनट में बराबरी हासिल कर ली। फ्लोरियन विट्र्ज के बाएं फ्लैंक से आए सटीक क्रॉस पर काई हैवट्र्ज ने हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद जर्मनी लगातार विजयी गोल की तलाश में हमले करता रहा, जबकि पराग्वे धीरे-धीरे अपनी पूरी टीम को रक्षात्मक मोर्चे पर ले आया और जवाबी हमले के मौके का इंतजार करता रहा। हालांकि, उसे ऐसा कोई बड़ा मौका नहीं मिला। रद्द हुआ जर्मनी का विजयी गोल, मुकाबला पहुंचा पेनल्टी तक जर्मनी के कोच जूलियन नागेल्समान ने पेनल्टी से बचने के लिए अपने सभी आक्रामक खिलाड़ियों को मैदान पर उतार दिया। अतिरिक्त समय में जोनाथन ताह ने गोल भी कर दिया था, लेकिन वॉल्डेमार एंटोन द्वारा ऑरलैंडो गिल पर फाउल किए जाने के कारण रेफरी ने गोल रद्द कर दिया। 120 मिनट के बाद भी स्कोर 1-1 रहा और मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। पेनल्टी शूटआउट में पराग्वे ने दिखाई मजबूती जर्मनी ने अपने घरेलू समर्थकों के सामने पहले पेनल्टी लेने का फैसला किया, लेकिन शुरुआत ही खराब रही। पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने काई हैवट्र्ज की पहली पेनल्टी बचा ली। इसके बाद दोनों टीमों के बीच गोल और चूक का सिलसिला चलता रहा। आखिर में जोसे कनाले ने बेहद शांत अंदाज में निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलकर पराग्वे को 4-3 से ऐतिहासिक जीत दिला दी। अब दक्षिण अमेरिकी टीम चार जुलाई को राउंड ऑफ-16 में फिलाडेल्फिया में फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेगी। रिकॉर्ड भी बना जूलियो एनसिसो का पहला हाफ में किया गया गोल विश्व कप के नॉकआउट चरण में पराग्वे का पहला गोल बन गया। मैच के बाद क्या बोले खिलाड़ी और कोच? गुस्तावो गोमेज (पराग्वे)रू इस एहसास को शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

इंजरी टाइम में मार्टिनेली बने ब्राजील के हीरो

जापान को 2-1 से हराकर अंतिम-16 में पहुंची

ह्यूस्टन। ब्राजील ने शानदार वापसी करते हुए जापान को 2-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 में जगह बना ली। पहले हाफ में पिछड़ने के बावजूद कासेमिरो और गेब्रियल मार्टिनेली के गोलों की बदौलत ब्राजील ने आखिरी मिनटों में यादगार जीत दर्ज की। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-32 में ब्राजील ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए जापान को 2-1 से हराकर अंतिम-16 में अपनी जगह पक्की कर ली। ह्यूस्टन स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में गेब्रियल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम (90+5वें मिनट) में विजयी गोल दागकर ब्राजील को नाटकीय जीत दिलाई। अब कार्लो एंचेलोटी की टीम राउंड-ऑफ-16 में कोट डी आइवर और नॉर्वे के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेगी। पहले हाफ में जापान ने चौंकाया मैच की शुरुआत से ही जापान ने बेखौफअंदाज में खेल दिखाया। 29वें मिनट में ब्राजील की रक्षापंक्ति की एक गलती का पूरा

फायदा उठाते हुए काइशु सानो ने गेंद पर कब्जा जमाया, तेजी से आगे बढ़े और शानदार राइट फुट शॉट के जरिए गोल दागकर जापान को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह सानो का जापान के लिए पहला अंतरराष्ट्रीय गोल भी रहा। पहले हाफमें ब्राजील के स्टार खिलाड़ी जापानी डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे और हाफटाइम तक जापान बढ़त बनाए रखने में सफल रहा। एंचेलोटी के बदलाव ने पलटा मैच दूसरे हाफ में ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंचेलोटी ने रणनीति बदली और युवा स्ट्राइकर एंड्रिक को मैदान पर उतारा। इस बदलाव के बाद ब्राजील का आक्रमण और अधिक धारदार हो गया। लगातार हमलों का दबाव आखिरकार 56वें मिनट में रंग लाया, जब गेब्रियल मागालहाइस के सटीक क्रॉस पर कासेमिरो ने शानदार हेडर लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। बराबरी के बाद ब्राजील लगातार आक्रामक फुटबॉल खेलता रहा। विनीसियस जूनियर भी टीम को बढ़त दिलाने के बेहद करीब पहुंचे, लेकिन जापान के गोलकीपर जायोन सुजुकी ने शानदार बचाव करते हुए उनकी कोशिश नाकाम कर दी। एक अन्य मौके पर विनीसियस का शॉट पोस्ट से टकरा गया। मार्टिनेली ने आखिरी मिनट में दिलाई जीत जब मुकाबला अतिरिक्त समय की ओर बढ़ रहा था और लग रहा था कि मैच एक्स्ट्रा टाइम में जाएगा, तभी ब्राजील ने निर्णायक हमला बोला। इंजरी टाइम के 90+5वें मिनट में ब्रूनो गुइमाराएस ने बेहतरीन पास गेब्रियल मार्टिनेली को दिया। मार्टिनेली ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए गोलकीपर जायोन सुजुकी को छकाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया

विंबलडन में अजीबोगरीब ड्रेस पहनकर खेलने उतरीं नाओमी ओसाका! किस फिल्म से था प्रेरित? खुद बताई वजह

लंदन। नाओमी ओसाका ने विंबलडन 2026 के पहले दौर में शिकल बिलश् से प्रेरित सफेद किमोनो पहनकर सबका ध्यान खींचा। उन्होंने एल्सा जैकमो को 6-1, 7-5 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। ओसाका ने बताया कि यह पोशाक उनकी जापानी विरासत और उनकी पसंदीदा फिल्म शिकल बिलश् को समर्पित थी। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने विंबलडन 2026 के पहले दौर में अपने खेल के साथ-साथ अनोखे अंदाज से भी सभी का ध्यान खींचा। ओसाका कोर्ट पर शिकल बिलश् फिल्म से प्रेरित सफेद किमोनो पहनकर उतरीं, जो उनकी जापानी संस्कृति को समर्पित था। यह खास पोशाक पारंपरिक जापानी शिरोमुकु शादी की पोशाक और एक वेडिंग ड्रेस के अपसाइकल्ड कपड़ों से तैयार की गई थी। फैशन स्टेटमेंट के बाद ओसाका ने कोर्ट पर भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने फ्रांस की एल्सा जैकमो को 6-1, 7-5 से हराकर विंबलडन के दूसरे दौर में जगह बनाई। शिकल बिलश् की इस किरदार से मिली प्रेरणा जीत के बाद ओसाका ने बताया कि उनका किमोनो उनकी जापानी विरासत और निर्देशक क्वेंटिन टोरेंटीनो की मशहूर फिल्म शिकल बिलश् से प्रेरित था। उन्होंने कहा, श्मेरे लिए मेरी जापानी विरासत बहुत मायने रखती है। विंबलडन में सभी सफेद रंग पहनते हैं, इसलिए मैंने सोचा कि किमोनो पहनकर कोर्ट पर आना शानदार रहेगा।श् शिकल बिल मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक है और मुझे लूसी लियू का किरदार ओ-रेन इशी बहुत पसंद है, जो सफेद किमोनो पहनती हैं।श् श्मैं कभी-कभी वीडियो गेम के किरदार जैसा महसूस करना चाहती हूं। कोर्ट पर खेलते समय मैं खुद नहीं बनना चाहती और उस किरदार की ऊर्जा को अपने अंदर महसूस करने की कोशिश करती हूं।श् ग्रैंड स्लैम में फैशन से बटोरती रही हैं सुर्खियां ओसाका ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में अपने अनोखे फैशन के लिए जानी जाती हैं। इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में वह तितलियों से सजी बड़ी टोपी, घूंघट और छतरी के साथ कोर्ट पर पहुंची थीं।

अर्थ जगत

आयोग की अहम डेडलाइन आज होगी खत्म, क्या केंद्रीय कर्मियों की सैलरी बढ़ने का रास्ता हुआ साफ?

नई दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए वेतन आयोग से जुड़ी बड़ी खबर। आज खत्म हो रही है पे रिवीजन डेटा सबमिट करने की डेडलाइन। आगे क्या होगा? पूरी डिटेल जानने के लिए अभी पढ़ें। केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी और भत्तों में बढ़ोतरी का इंतजार कर रहे लाखों लोगों के लिए आज यानी 30 जून 2026 का दिन बेहद अहम है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के तहत पे रिवीजन (वेतन संशोधन) के लिए जरूरी डेटा जमा करने की समय सीमा मंगलवार को समाप्त हो रही है। केंद्र सरकार के मंत्रालयों, विभागों, संगठनों और कार्यालयों के लिए यह आखिरी मौका है, क्योंकि आयोग की तरफसे अभी तक इस डेडलाइन को आगे बढ़ाने का कोई एलान नहीं किया गया है। डेटा जमा करने के लिए आयोग की क्या शर्तें हैं? आठवें वेतन आयोग ने साफकर दिया है कि डेटा सबमिशन की यह पूरी प्रक्रिया सख्ती से केवल ऑनलाइन ही की जानी है। इसके लिए आयोग ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक खास पोर्टल और समर्पित लिंक मुहैया कराया है। आयोग ने सख्त निर्देश दिए हैं कि यदि कोई भी विभाग भौतिक रूप (फिजिकल फॉर्म) में डेटा भेजता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसका मतलब है कि प्रिंट किए गए दस्तावेज, स्टैंडअलोन एक्सेल शीट, हार्ड कॉपी या ईमेल के जरिए भेजी गई जानकारी को आयोग सिरे से खारिज कर देगा। दिशा-निर्देशों के अनुसार, तय समय के भीतर केवल आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड किए गए डेटा पर ही आयोग द्वारा विचार किया जाएगा। यह प्रक्रिया किन कर्मचारियों के लिए अहम है? केंद्र सरकार ने 3 नवंबर 2025 को एक अधिसूचना के जरिए आठवें वेतन आयोग का गठन किया था। इसी दिन सरकार ने आयोग की शटर्म्स ऑफ रेफरेंसश् (टीओआर) यानी विचार योग्य विषय भी जारी किए थे। इसका मुख्य उद्देश्य समकालीन जरूरतों, विशेष आवश्यकताओं और काम के स्वरूप को ध्यान में रखते हुए कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और अन्य सुविधाओं (नकद या वस्तु के रूप में) में उचित बदलाव की सिफारिश करना है। इस आयोग की सिफारिशों का सीधा असर निम्नलिखित श्रेणियों के कर्मचारियों पर पड़ेगारू औद्योगिक और गैर-औद्योगिक केंद्रीय सरकारी कर्मचारी। अखिल भारतीय सेवाओं के कर्मचारी।

विदेशी कर्ज बढ़कर 762.8 अरब डॉलर, विनिर्माण और बिजली क्षेत्र के दम पर मई में औद्योगिक उत्पादन बढ़ा

नई दिल्ली। भारत का कुल विदेशी कर्ज मार्च 2026 के अंत तक बढ़कर 762.8 अरब डॉलर पहुंच गया। यह मार्च 2025 के मुकाबले 26.3 अरब डॉलर अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और रुपये सहित अन्य प्रमुख मुद्राओं में उतार-चढ़ाव के कारण मूल्यांकन (वैल्यूएशन) प्रभाव 24.6 अरब डॉलर रहा। यदि इसे अलग कर दिया जाए, तो विदेशी कर्ज में वास्तविक बढ़ोतरी 51 अरब डॉलर होती। विदेशी कर्ज व जीडीपी का अनुपात बढ़कर 20.8 फीसदी हो गया, जो एक वर्ष पहले 19.8 फीसदी था। मार्च 2026 के अंत तक एक वर्ष से अधिक अवधि वाले दीर्घकालिक विदेशी कर्ज का आकार 613.5 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.6 अरब डॉलर अधिक है। वहीं, एक वर्ष तक की अवधि वाले अल्पकालिक विदेशी कर्ज का हिस्सा बढ़कर 19.6 गया, जो एक साल पहले 18.3 फीसदी था। विदेशी कर्ज में अमेरिकी डॉलर का दबदबा बना हुआ है। डॉलर आधारित देनदारियों की हिस्सेदारी 55.5 फीसदी रही। विनिर्माण और बिजली क्षेत्र के दम पर मई में औद्योगिक उत्पादन 5.1ः बढ़ा देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) मई 2026 में सालाना आधार पर 5.1 फीसदी बढ़ा। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से विनिर्माण बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से हुई। हालांकि, उत्खनन क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार, मई 2026 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक बढ़कर 122.7 पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 116.7 था। सबसे अधिक हिस्सेदारी रखने वाले विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 5.5 फीसदी बढ़ा। बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्र में 9.9 फीसदी और जलापूर्ति, सीवरेज तथा अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में 5.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर उत्खनन क्षेत्र का उत्पादन 1.6 फीसदी घट गया। विनिर्माण क्षेत्र के 23 उद्योग समूहों में से 16 समूहों ने सकारात्मक वृद्धि हुई। इनमें मोटर वाहन, ट्रेलर एवं सेमी-ट्रेलर उद्योग का उत्पादन 14.5 फीसदी, इलेक्ट्रिकल उपकरण उद्योग का 20.8 फीसदी और बेसिक मेटल्स का उत्पादन 4.6 फीसदी बढ़ा। उपयोग आधारित वर्गीकरण के तहत, कैपिटल गुड्स में सबसे अधिक 12.9 फीसदी की वृद्धि हुई। इसके अलावा उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं का उत्पादन 7.2 फीसदी, इंफ्रा एवं निर्माण सामग्री का 5.9 फीसदी, इंटरमीडिएट गुड्स का 5.8 फीसदी और प्राथमिक वस्तुओं का 2.6 फीसदी बढ़ा। मेट्रो शहरों में घरों की बिक्री में 6ः गिरावट पश्चिम एशिया तनाव का असर देश के रियल एस्टेट बाजार पर दिखाई देने लगा है। निर्माण सामग्री की आपूर्ति प्रभावित होने और परियोजनाओं पर दबाव बढ़ने से सात प्रमुख महानगरों (टियर-1 शहरों) में अप्रैल-जून 2026 तिमाही के दौरान आवासीय बिक्री में सालाना आधार पर 6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। रियल एस्टेट कंपनी एनारॉक के अनुसार, अप्रैल-जून 2026 में सात प्रमुख शहरों में कुल 90,715 घरों की बिक्री हुई, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 96,285 इकाइयों का था। बजाज ऑटो का शेयर बायबैक एक जुलाई से वाहन निर्माता बजाज ऑटो का 5,632.8 करोड़ का शेयर बायबैक एक जुलाई से शुरू होगा। इसके तहत अधिकतम 46.94 लाख शेयर 12,000 रुपये प्रति कीमत पर खरीदे जाएंगे। प्रस्ताव को 6 मई 2026 को निदेशक मंडल ने मंजूरी दी थी। उधर, सरकारी डिफेंस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 10 रुपये प्रति शेयर का अंतिम लाभांश घोषित किया है। भुगतान के लिए शेयरधारकों की पात्रता निर्धारित करने की रिकॉर्ड डेट शुक्रवार, 14 अगस्त, 2026 होगी। एडॉन एग्रो कमोडिटीज के एसएमई आईपीओ को पहले दिन 48ः सब्सक्रिप्शन एडॉन एग्रो कमोडिटीज के एसएमई आईपीओ को पहले दिन 48 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिला।

उद्योग जगत ने ईवी नीति को सराहा, गिग वर्कर्स ने भी किया स्वागत, लेकिन रखी ये बड़ी मांग

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2.0 को उद्योग जगत ने स्वच्छ परिवहन की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यदि राष्ट्रीय राजधानी सफलतापूर्वक इलेक्ट्रिक वाहनों पर आधारित शहर में बदलती है, तो यह पूरे देश के लिए एक उदाहरण बन सकती है और वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या से निपटने में भी मदद मिलेगी।

प्रदूषण की मार झेल रही देश की राजधानी दिल्ली को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने के लिए दिल्ली कैबिनेट ने सोमवार को एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। सरकार ने अपनी नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2.0 (म्ट च्वसपबल 2.0) को मंजूरी दे दी है। दिल्ली सरकार की नई ईवी नीति 1 जुलाई से लागू होने जा रही है। इस नीति का मुख्य मकसद 31 मार्च 2030 तक दिल्ली को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त बनाना है। इस बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार अगले चार वर्षों में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश करेगी। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के दिग्गजों ने इस नीति का दिल खोलकर स्वागत किया है। उनका मानना है कि यदि दिल्ली इस बदलाव में सफल रहती है, तो यह बाकी पूरे देश के लिए एक मिसाल बन जाएगी। हालांकि, डिलीवरी और गिग वर्कर्स ने इस बदलाव के बीच अपनी आजीविका को लेकर चिंता भी जताई है। दिल्ली की नई ईवी नीति 2.0 में आम जनता के लिए क्या खास घोषणाएं हैं? सरकार ने वाहनों की अलग-अलग कैटेगरी के लिए कई बड़े इंसेंटिव और कड़े टाइमलाइन तय किए हैंरू टैक्स और फीस से पूरी छूटरू दिल्ली में रजिस्टर होने वाली 30 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक की सभी इलेक्ट्रिक कारों को रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस से पूरी छूट दी जाएगी। पेट्रोल-सीएनजी वाहनों पर फेज-वाइज रोकरू 1 जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा ही रजिस्टर किए जाएंगे। इसके बाद, 1 अप्रैल 2028 से नए पेट्रोल और सीएनजी दो-पहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा और सिर्फ इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स का ही रजिस्ट्रेशन होगा। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर पर घटती सब्सिडीरू ईवी दो-पहिया वाहन खरीदने वालों को पहले साल 30,000 रुपये, दूसरे साल 20,000 रुपये और तीसरे साल 10,000 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। इस ऐतिहासिक नीति पर ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के दिग्गजों का क्या कहना है? उद्योग जगत ने इस नीति को देश के ईवी इकोसिस्टम के लिए एक मील का पत्थर बताया हैरू टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने नीति का स्वागत करते हुए कहा कि दिल्ली ने एक बार फिर महत्वाकांक्षी विद्युतीकरण लक्ष्य बनाए रखकर नेतृत्व दिखाया है। कंपनी के प्रवक्ता के अनुसाररू अधिक उपयोग वाले वाहन वर्गों के लिए स्पष्ट इलेक्ट्रिफिकेशन टाइमलाइन तय की गई है। नीति के प्रोत्साहन केवल प्योर इलेक्ट्रिक वाहन तक सीमित रखे गए हैं। उन्होंने कहा कि इससे यह सिद्धांत मजबूत होता है कि सरकारी सहायता उन तकनीकों को मिले जो शून्य उत्सर्जन के साथ अधिकतम पर्यावरणीय लाभ देती हैं। कंपनी का यह भी कहना है कि यह नीति उद्योग को दीर्घकालिक दिशा प्रदान करती है, भारत के ईवी इकोसिस्टम में विश्वास बढ़ाती है और अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल बन सकती है। अल्ट्रावायलेट ऑटोमोटिव के सीईओ और डिजाइन हेड नारायण सुब्रमण्यम ने कहा कि नीति में उपभोक्ताओं को मिलने वाला समर्थन वाहन की कीमत पर आधारित नहीं है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।